आपकी बात, निर्भीकता के साथ

प्रातःनागपुरी

आरएनआई पंजीयन सं. JHABIL/2023/86791

वर्ष : 3, अंक : 154 रांची, सोमवार, 18 मई, 2026 (ज्येष्ठ, शुक्ल पक्ष 02, संवत 2083) पृष्ठ- 12, मूल्य- 3 रुपये, email : jharkhandwanitaudyog@gmail.com

संक्षिप्त

ट्रक और कार की भिड़ंत में चार की मौत, एक घायल

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले के मौदहा कोतवाली क्षेत्र के छिरका गांव के निकट रविवार को हुई सड़क दुर्घटना में चार लोगों की मौत से आम लोग खफा हो गये हैं। हादसा इतना वीभत्स था कि कार के परखच्चे उड़ गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार की गति करीब 90 से 100 किमी प्रति घंटा थी। टक्कर के बाद कार के एयरबैग भी खुल गए, लेकिन गति इतनी तेज थी कि वे भी सवारियों की जान नहीं बचा सके। हादसे की सूचना पाते ही परिजन मौके पर पहुंचे और अपनों के शव देख बिलख-बिलख कर रो पड़े। उधर हादसे में घायल एक महिला की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

भगवान रुद्रनाथ की देव डोली हिमालय के लिए हुई रवाना आज खुलेंगे कपाट

देहरादून। चमोली जनपद में स्थित पंच केदारों में चतुर्थ केदार भगवान रुद्रनाथ की चल विग्रह डोली रविवार को अपने शीतकालीन गद्दी स्थल गोपीनाथ मंदिर, गोपेश्वर से मध्य हिमालय स्थित रुद्रनाथ मंदिर के लिए रवाना हो गई। मंदिर के मुख्य पुजारी हरीश भट्ट ने बताया कि रुद्रनाथ मंदिर के कपाट सोमवार 18 मई को मध्याह्न में परंपरानुसार एवं वैदिक विधि-विधान के साथ ग्रीष्मकाल के लिए खोले जाएंगे। कपाट खुलने के बाद श्रद्धालु भगवान रुद्रनाथ के एकानन स्वरूप के दर्शन एवं पूजा-अर्चना कर सकेंगे। आज कपाट खुलने की प्रक्रिया के तहत गोपीनाथ मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की गई। पूजा के बाद भगवान रुद्रनाथ की देव डोली जयकारों, पुष्प वर्षा और सेना के बैंड की मधुर धुनों के बीच श्रद्धालुओं के साथ मंदिर के लिए प्रस्थान कर गई।

नीट पेपर लीक मामला : आरोपी टीचर कोर्ट में पेश, 14 दिनों की सीबीआई कस्टडी

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी 2026 से जुड़े कथित पेपर लीक मामले में जांच कर रही सीबीआई ने अदालत में कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। मामले में गिरफ्तार पेपर-सेटिंग कमेटी की सदस्य मनीषा मंधारे को अदालत में पेश किया गया, जहां जांच एजेंसी की दलीलों के बाद कोर्ट ने उन्हें 14 दिनों की सीबीआई कस्टडी में भेज दिया। सीबीआई के अनुसार मनीषा मंधारे परीक्षा के बॉटनी और जूलॉजी प्रश्नपत्रों के अनुवाद कार्य से जुड़ी थीं। जांच एजेंसी ने अदालत को बताया कि इसी जिम्मेदारी के कारण उनकी पहुंच सीधे असली प्रश्नपत्रों तक थी। आरोप है कि उन्होंने इस गोपनीय व्यवस्था का दुरुपयोग करते हुए प्रश्नपत्र लीक करने में अहम भूमिका निभाई। जांच में यह भी सामने आया कि मंधारे अकेले काम नहीं कर रही थीं। सीबीआई के मुताबिक, उन्होंने पीवी कुलकर्णी और मनीषा वाघमारे के साथ मिलकर सुनियोजित तरीके से इस साजिश को अंजाम दिया। एजेंसी ने दावा किया कि मंधारे ने प्रश्नपत्र शुभम नामक आरोपी को सौंपा, जिसने आगे इसे अन्य लोगों तक पहुंचाया। सीबीआई ने अदालत से कहा कि यह मामला केवल एक राज्य तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके तार देश के कई प्रदेशों से जुड़े हुए हैं।

टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भी गुजरात देश का नेतृत्व करेगा : अमित शाह

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को अहमदाबाद में मिलियन माइंड्स टेक पार्क तथा गणेश रियल एस्टेट मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट का लोकार्पण करते हुए कहा कि जिस प्रकार गुजरात ने आजादी के समय से देश को दिशा दी है, उसी प्रकार अब तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में भी गुजरात पूरे देश का नेतृत्व करेगा। अमित शाह ने कहा कि गुजरातियों के स्वभाव में विकास और प्रगति रची-बसी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गुजरात अब केवल उत्पादन आधारित राज्य नहीं रहेगा, बल्कि सेवा, ज्ञान और आधुनिक तकनीक आधारित अर्थव्यवस्था का वैश्विक केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि आज लोकार्पित किए गए दोनों प्रकल्प राज्य के युवाओं को नए अवसर प्रदान करेंगे और गुजरात को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि यह तकनीकी नगर अहमदाबाद-गांधीनगर उच्च विकास पट्टी में लगभग 65 एकड़ क्षेत्र में विकसित किया जा रहा है, जहां उच्च स्तरीय कार्यालय, आवासीय सुविधाएं, व्यापारिक परिसर तथा आतिथ्य सेवाओं से जुड़ी व्यवस्थाएं विकसित की जाएंगी।

स्वीडन में गूंजा भारत का गौरव, पीएम मोदी को मिला सर्वोच्च नागरिक सम्मान

गुटेनबर्ग में बोले पीएम मोदी - लोकतंत्र, कानून और मानव-केंद्रित विकास भारत-स्वीडन संबंधों की नींव

एजेंसी

स्टॉकहोम/गुटेनबर्ग। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी पांच देशों की विदेश यात्रा के दूसरे चरण में रविवार को स्वीडन पहुंचे, जहां उनका भव्य और आत्मीय स्वागत किया गया। स्वीडिश प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन ने गुटेनबर्ग हवाई अड्डे पर स्वयं मौजूद रहकर पीएम मोदी का अभिनंदन किया। स्वीडिश हवाई क्षेत्र में प्रवेश करते ही वहां की वायुसेना के अत्याधुनिक ग्रिपेन लड़ाकू विमानों ने प्रधानमंत्री के विमान को सुरक्षा घेरा प्रदान किया। गुटेनबर्ग की सड़कों पर भारतीय समुदाय और स्थानीय नागरिकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। मोदी-मोदी के नारों के बीच प्रधानमंत्री का जोरदार स्वागत हुआ। स्वीडिश प्रधानमंत्री के विशेष निमंत्रण पर हो रहे इस दो दिवसीय दौरे में दोनों देशों के बीच व्यापार, हरित ऊर्जा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, विज्ञान एवं रक्षा सहयोग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर उच्चस्तरीय वार्ता हुई।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को स्वीडन के सर्वोच्च नागरिक सम्मान रॉयल ऑर्डर ऑफ द पोलर स्टार (कमांडर ग्रैंड क्रॉस) से सम्मानित किया गया। यह सम्मान किसी राष्ट्राध्यक्ष या सरकार प्रमुख को दिया जाने वाला सर्वोच्च नागरिक सम्मान माना जाता है। पीएम मोदी ने इस सम्मान को भारत की 140 करोड़ जनता और भारत-स्वीडन संबंधों को मजबूत बनाने वाले सभी लोगों को समर्पित किया।

भारत-स्वीडन संबंधों को मिला रणनीतिक साझेदारी का दर्जा : यूरोपीय उद्योग गोलमेज सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और स्वीडन के रिश्ते लोकतांत्रिक मूल्यों, कानून के शासन और मानव-केंद्रित विकास की मजबूत नींव पर आधारित हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देश नवाचार को विकास का साधन और स्थिरता को साझा जिम्मेदारी मानते हैं। प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि भारत और स्वीडन मिलकर भारत-स्वीडन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केंद्र की स्थापना करेंगे, जिससे दोनों देशों के स्टार्टअप और अनुसंधान संस्थानों के बीच सहयोग को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने हरित हाइड्रोजन, सर्कुलर इकोनॉमी और सतत अवसंरचना के क्षेत्र में संयुक्त प्रयासों पर भी जोर दिया।

टैगोर की विरासत और भारतीय संस्कृति की छाप

प्रधानमंत्री मोदी और स्वीडिश प्रधानमंत्री ने गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की सांस्कृतिक एवं बौद्धिक विरासत को याद करते हुए एक-दूसरे को विशेष उपहार भेंट किए। वहीं गुटेनबर्ग में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में स्वीडिश ओपेरा सिंगर चालोर्टा हुल्ड्ट ने वैष्णव जन तो भजन प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके अलावा लिला अकादमीन के छात्रों ने भरतनाट्यम नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी और बंगाली संस्कृति की सुंदर झलक भी पेश की गई। स्वीडन के प्रधानमंत्री ने कहा कि लगभग 300 स्वीडिश कंपनियां भारत में सक्रिय रूप से काम कर रही हैं और कई ने भारत में अपनी उत्पादन इकाइयां स्थापित की हैं। वहीं भारतीय कंपनियों का निवेश भी स्वीडन में लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को लगातार मजबूत और गहरा होता बताया।

देश के टॉप जिलाधिकारियों में शामिल हुए रांची उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री

फेम इंडिया और एशिया पोस्ट के श्रेष्ठ जिलाधिकारी-2026 सर्वेक्षण में मिली राष्ट्रीय पहचान

जनहित और प्रशासनिक नवाचार के लिए सराहना

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। झारखंड की राजधानी रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री को देश के सबसे प्रभावशाली और चर्चित जिलाधिकारियों में शामिल किया गया है। फेम इंडिया मैगजीन और एशिया पोस्ट द्वारा जारी श्रेष्ठ जिलाधिकारी-2026 सर्वेक्षण में उनका नाम देशभर के चुनिंदा प्रशासनिक अधिकारियों की सूची में प्रमुखता से शामिल किया गया है। देश के लगभग 800 जिलों में कार्यरत अधिकारियों के कामकाज, प्रशासनिक क्षमता और जनसरोकार से जुड़े कार्यों के विस्तृत अध्ययन के बाद यह सूची तैयार की गई है। सर्वेक्षण में करीब 100 जिलाधिकारियों को स्थान मिला, जिनमें रांची डीसी मंजूनाथ भजन्त्री का चयन झारखंड के लिए गौरव की बात माना जा रहा है।

प्रशासनिक सक्रियता और जनसरोकार बनी पहचान

मंजूनाथ भजन्त्री को उनकी संवेदनशील कार्यशैली, त्वरित निर्णय क्षमता और जनहित से जुड़े प्रयासों के लिए विशेष रूप से सराहा गया है। रांची में बीते कुछ महीनों के दौरान प्रशासनिक सक्रियता लगातार चर्चा में रही है।

इन मानकों पर हुआ मूल्यांकन

फेम इंडिया और एशिया पोस्ट की ओर से जारी जानकारी के अनुसार जिलाधिकारियों का मूल्यांकन कई महत्वपूर्ण मानकों के आधार पर किया गया। इनमें –

- सुशासन
- पारदर्शिता
- जवाबदेही
- नवाचार
- संकट प्रबंधन
- जनसंवाद
- विकासोन्मुख सोच
- जनभागीदारी
- मीडिया विश्लेषण
- ग्राउंड रिपोर्ट

जैसे बिंदुओं को प्रमुख आधार बनाया गया।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर कंटीले तार लगाने के लिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू

एजेंसी

मालदा। पश्चिम बंगाल सरकार के निर्देश के बाद मालदा जिले में भारत-बांग्लादेश की खुली सीमा पर कंटीले तार लगाने के लिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। शनिवार को हबीबपुर ब्लॉक के भवानीपुर और आग्रा हरिश्चंद्रपुर इलाके में भूमि एवं भूमि सुधार विभाग के अधिकारियों ने सीमा क्षेत्र में जमीन के दस्तावेजों की जांच कर मापने का काम शुरू किया। अधिकारियों ने बताया कि मालदा जिले के छह थाना क्षेत्रों में भारत-बांग्लादेश सीमा की कुल लंबाई लगभग 172 किलोमीटर है। इनमें से करीब 33 किलोमीटर सीमा अब भी खुली है।

सबसे अधिक खुली सीमा हबीबपुर ब्लॉक में है, जहां 20 से 25 किलोमीटर क्षेत्र में अभी तक कंटीले तार नहीं लगाए गए हैं। जिले में सीमा सुरक्षा के लिए कंटीले तार लगाने हेतु लगभग 260 एकड़ जमीन की आवश्यकता है। प्रशासनिक सूत्रों के मुताबिक, अब तक 10 एकड़ जमीन अधिग्रहण का काम पूरा हो चुका है। शुक्रवार को मालदा जिलाधिकारी कार्यालय में सीमा सुरक्षा बल और जिला प्रशासन के बीच इस मुद्दे पर एक आपात बैठक भी हुई थी। उसी बैठक के बाद भूमि एवं भूमि सुधार विभाग ने जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया तेज कर दी। सीमावर्ती किसानों ने प्रशासन की इस पहल का स्वागत किया है। किसानों का कहना है कि पूर्व में तृणमूल कांग्रेस सरकार के समय कई बार जमीन अधिग्रहण के नाम पर मापजोख की गई, लेकिन वास्तविक काम आगे नहीं बढ़ा।

किसानों को समय पर खाद-बीज देना सरकार की प्राथमिकता : मंत्री

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार किसानों को समय पर खाद एवं बीज उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है और कृषि क्षेत्र को आधुनिक एवं वैज्ञानिक दिशा देने के लिए लगातार कार्य कर रही है।

मंत्री रविवार को बेड़ो प्रखंड के पुरनापानी बाजारटांड़ मैदान में आयोजित किसान सम्मान समारोह में बोल रही थीं। कार्यक्रम में किसानों को उन्नत एवं वैज्ञानिक खेती की नई तकनीकों की जानकारी दी गई तथा प्रगतिशील किसानों को सम्मानित भी किया गया। मंत्री ने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में किसानों की उपस्थिति यह दशार्ती है कि झारखंड के किसान अब जागरूक होकर आधुनिक खेती की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों के कल्याण के लिए निरंतर नई योजनाओं और कार्यक्रमों को लागू कर रही है। सरकार का प्रमुख उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसानों को समय पर खाद, बीज एवं कृषि संसाधन उपलब्ध हों तथा उनकी उपज का उचित मूल्य मिल सके। उन्होंने कहा कि आज भी राज्य के अधिकांश किसान पारंपरिक पद्धति से खेती कर रहे हैं, लेकिन अब कृषि विभाग की ओर से किसानों को वैज्ञानिक तरीके से खेती करने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। किसानों को ट्रैक्टर, कृषि यंत्र, स्प्रेयर सहित अन्य उपकरण अनुदान पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं, ताकि खेती को अधिक लाभकारी बनाया जा सके। मंत्री ने कहा कि सरकार केवल कृषि तक सीमित नहीं है, बल्कि मत्स्य पालन के क्षेत्र में भी उत्कृष्ट कार्य किया जा रहा है। मत्स्य पालकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है तथा जलाशयों में केज फार्मिंग के माध्यम से उत्पादन में कई गुना वृद्धि हुई है। समितियों के माध्यम से सामूहिक मत्स्य उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री आज 319 असिस्टेंट प्रोफेसर को सौंपेंगे नियुक्ति पत्र

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 18 मई (सोमवार) को सहायक आचार्य के पद पर नियुक्त 319 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। साथ ही महिला और बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के लिए नियुक्त महिला पर्यवेक्षक के पदों पर नियुक्त 19 अभ्यर्थियों को भी नियुक्ति पत्र देंगे। इसे लेकर प्रोजेक्ट भवन सभागार में नियुक्ति पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया है। सहायक आचार्य के पदों पर जिन अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिया जाना है, उनमें 158 अभ्यर्थियों का

चयन इंटर प्रशिक्षित सहायक आचार्य और 161 का चयन स्नातक प्रशिक्षित सहायक आचार्य के पदों पर किया गया है। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग ने इन अभ्यर्थियों की नियुक्ति की अनुशंसा पिछले वर्ष दिसंबर में ही की थी। इनकी जिला स्तर पर काउंसिलिंग के बाद नियुक्ति पत्र देने का निर्णय लिया गया।

दामोदर नदी में डूबने से दो बच्चों की मौत

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रामगढ़। रामगढ़ शहर के दो बच्चों की मौत दामोदर नदी में डूबने से हो गई। जबकि एक बच्चे की जान स्थानीय लोगों के सक्रियता और सूझबूझ से बची। पूरे दिन दामोदर नदी में शव की तलाश जारी रही। शाम को गढ़बांध चेकडैम के पास दोनों बच्चों का शव बरामद किया गया। घटनास्थल पर मौजूद रामगढ़ अंचल अधिकारी रमेश रविदास ने बताया कि रामगढ़ शहर के मेन रोड, सुभाष चौक निवासी बबलू सोनकर का 14 वर्षीय पुत्र प्रिंस सोनकर और बिजुलिया तालाब के अयोध्या नगर निवासी दीपक

कुमार वर्मा का 14 वर्षीय पुत्र वैभव अपने एक अन्य साथी बंगाली टोला निवासी आयुष के साथ नहाने दामोदर नदी गया हुआ था। गढ़बांध के पास बने चेकडैम में उन लोगों ने नहाना शुरू किया। इसी दौरान वे लोग नदी में गिरे। देखते ही देखते तीनों बच्चे गहरी नदी में समा गए। वहां पर मौजूद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाई और आयुष को डूबने से बचा लिया। लेकिन प्रिंस और वैभव को वे लोग नहीं बचा पाए।

रामगढ़ अंचल अधिकारी रमेश रविदास ने बताया कि जब बच्चे डूब रहे थे, उस समय वहां मौजूद लोगों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया। जब वे बचाने में सफल नहीं रहे तो उनका शव ढूंढने का प्रयास किया। घंटों तलाश के बाद भी जब वे सफल नहीं हो पाए, तो पतरातू से चार गोताखोरों को बुलाकर नदी में तलाश शुरू की गई। लगभग 8 घंटे तक चली तलाश के बाद सबसे पहले वैभव शव निकाला गया। इसके बाद लगभग 1 घंटे बाद प्रिंस का शव निकाला गया।

झारखंड में सबसे ठंडा जिला रहा लातेहार और सबसे गर्म पलामू

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। झारखंड में मौसम लगातार करवट बदल रहा है। पिछले 15 दिनों से राज्य के विभिन्न जिलों में हो रही बारिश के कारण लोगों को भीषण गर्मी से काफी राहत मिली है। रविवार को राज्य का सबसे ठंडा जिला लातेहार रहा, जहां अधिकतम तापमान 33.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं पलामू राज्य का सबसे गर्म जिला रहा, जहां अधिकतम तापमान 41.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम में लगातार हो रहे बदलाव के कारण राज्य भर में लोगों को कभी गर्मी तो कभी ठंड का एहसास हो रहा है।

राजधानी रांची समेत कई जिलों में बीते दिनों हुई बारिश से तापमान में गिरावट दर्ज की गई है, जिससे मौसम अपेक्षाकृत सुहावना बना हुआ है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक वर्षा मंझारी में दर्ज की गई, जहां 18 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड हुई। इसके अलावा गुमला, बानो और बिशुनपुर समेत राज्य के अन्य हिस्सों में भी हल्की बारिश हुई।

नीट-यूजी प्रश्नपत्र लीक और सीबीएसई की तीन-भाषा व्यवस्था को लेकर पक्ष-विपक्ष आमने-सामने

राहुल गांधी ने शिक्षा मंत्री का इस्तीफा मांगा

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रविवार को नीट-यूजी प्रश्नपत्र लीक मामले तथा केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की नई तीन-भाषा व्यवस्था को लेकर एक बाए फिर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान को पद से हटाने की मांग की। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि शिक्षा मंत्रालय लगातार अव्यवस्था, असफलताओं और अनिश्चितता का कारण बन गया है तथा विद्यार्थियों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि पहले नीट-यूजी प्रश्नपत्र लीक से 22 लाख विद्यार्थी प्रभावित हुए। इसके बाद केंद्रीय

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को त्रुटिपूर्ण मूल्यांकन प्रणाली के कारण अपेक्षा से कम अंक मिले, जिससे अनेक विद्यार्थियों की महाविद्यालय प्रवेश पात्रता प्रभावित हुई। अब लाखों 9वीं और 10वीं कक्षा के विद्यार्थियों को एक जुलाई से नई भाषा व्यवस्था लागू होने के बाद अतिरिक्त भाषा पढ़ने के लिए कहा जा रहा है, जबकि न पर्याप्त शिक्षक उपलब्ध हैं और न ही पाठ्यपुस्तकें। उन्होंने आरोप लगाया कि संक्रमणकालीन व्यवस्था के नाम पर 14 वर्षीय विद्यार्थियों को 6वीं कक्षा की पुस्तकें दी जा रही हैं। तीन परीक्षाएं, तीन आयु वर्ग और एक मंत्री। शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान एक बार नहीं, बल्कि देश के विद्यार्थियों के हर आयु वर्ग को एक साथ विफल कर चुके हैं। राहुल गांधी ने कहा कि शिक्षा मंत्रालय आपदाओं का विभाग बन गया है। क्या सरकार उन लाखों विद्यार्थियों और बच्चों से माफी मांगेगे, जिनका भविष्य उनकी सरकार और शिक्षा मंत्री ने बर्बाद कर दिया है। हर नई घोषणा विद्यार्थियों को और अधिक अनिश्चितता में धकेल रही है तथा हर विफलता बिना किसी जवाबदेही के गुजर रही है।

राहुल गांधी के आरोप राजनीति से प्रेरित : भाजपा

सरकार ने कार्रवाई तेज करने का दावा किया

एजेंसी

नई दिल्ली। नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. संजय मयूख ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आरोपों को भ्रम फैलाने वाला और राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस संवेदनशील मुद्दे पर राजनीति कर रही है, जबकि मामला लाखों छात्रों के भविष्य से जुड़ा है। डॉ. मयूख ने कहा कि सरकार ने मामले में तुरंत कार्रवाई करते हुए सीबीआई जांच, प्रभावित छात्रों

के लिए पुनः परीक्षा और पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने जैसे कदम उठाए हैं। उनके अनुसार, यह दशार्ता है कि सरकार इस मुद्दे को गंभीरता से ले रही है और किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरती जा रही है। भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि विपक्ष, खासकर राहुल गांधी, लगातार सरकार की छवि खराब करने के लिए बिना तथ्यों के बयान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि सरकार ने तत्काल कदम नहीं उठाए होते तो विपक्ष इसे निष्क्रियता करार देता, और अब जब कार्रवाई की गई है तो उसे भी निशाना बनाया जा रहा है। डॉ. मयूख ने कांग्रेस पर पलटवार करते हुए कहा कि पार्टी को पहले अपने कार्यकाल में हुए कथित पेपर लीक और परीक्षा घोटालों पर जवाब देना चाहिए। उन्होंने एआईपीएमटी पेपर लीक, एसएससी घोटाले और सीबीएसई पेपर लीक जैसे मामलों का उल्लेख करते हुए कहा कि विपक्ष का इतिहास युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ का रहा है। सरकार की ओर से यह भी दावा किया गया कि मामले में कई गिरफ्तारियां की गई हैं।

हिस्से का जमीन हड़पने व जान से मारने की धमकी देने को लेकर शिकायत दर्ज

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

सिल्ली। हिस्से के जमीन हड़पने व जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए एक महिला ने ससुराल वालों पर सिल्ली थाने में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत कर्ता रायमनी देवी ने दर्ज शिकायत में कहा है कि पिता दशरथ बंदिया ग्राम-छोटकी हेसल कोरम्बो थाना गोला, जिला-रामगढ़, की रहने वाली है। उनका विवाह वर्ष 1997 में हाकेदाग निवासी कार्तिक बेदिया के पुत्र दिगम्बर बेदिया के साथ हिन्दू रीति-रिवाज के साथ सम्पन्न हुआ था। कुछ महीने बाद मेरे पति मेरे साथ किसी न किसी बात पर -झगड़ा मार-पीट करते रहते थे। ये सब देख कर मेरा देवर राजेश बेदि?या उर्फ सुभाष बेदिया ने मुझे घर से बाहर काम करने के लिए अपने साथ ले गए। जहां काम कर अपना जीवन निर्वाह करने लगी। परंतु मेरा देवर मेरे साथ छेड़खानी करते हुए शादी करने का दबाव डाला। और कुछ दिनों के बाद मंदिर में शादी कर लिया। समय के साथ मैं तीन बेटों की मां बन गई। 10 जुलाई 2008 को खालारी रेलवे स्टेशन में ट्रेन के चपेट में आने से राजेश बेदिया की मौत हो गई। ग्रामीणों की मदद से उनका अंतिम संस्कार किया गया। कुछ दिन बाद जब मैं ससुराल में सम्पत्ति का हिस्सा की मांग किया तो मेरे पहले पति दिगम्बर बेदिया फिर से मार पीट चालू का दिये तथा खाना-पिना भी बंद कर दिये तथा घर से भगा दिये। गांव के गन-मान्य लोगों को घटना सुनाई तो वो लोग बोले कि दशकर्म ने समाप्त होने दें। बैठक किया जायेगा। दशकर्मा समाप्त होने के बाद हक अधिकार के लिए बैठक किया गया। किन्तु मेरा पति. दिगम्बर बेदिया बैठक में शामिल नही हुआ। और जगह जमीन घर नहीं देने का बात कर हुए कहने लगा कि तीनों बेटों को मार कर फेक देंगे। भुग्तभोगी महिला ने जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की है।

भाजपा राहे मंडल की बैठक में आंदोलन की बनी रणनीति

प्रखंड-अंचल कार्यालय घेराव को लेकर कार्यकर्ताओं का आह्वान

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

राहे। भारतीय जनता पार्टी राहे मंडल की महत्वपूर्ण बैठक रविवार को मंडल अध्यक्ष मेघनाथ महतो की अध्यक्षता में संपन्न हुई। 19 मई को प्रस्तावित प्रखंड सह अंचल कार्यालय घेराव कार्यक्रम को लेकर व्यापक रणनीति बनाई गई।भाजपा जिलाध्यक्ष विनय कुमार महतो ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर भाजपा सड़क से लेकर कार्यालय तक संघर्ष करेगी। उन्होंने मंडल के सभी कार्यकताओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया। बैठक में विशेष रूप से भाजपा महिला मोर्चा जिला महामंत्री रेखा देवी उपस्थित रहे। कार्यक्रम प्रभारी भाजयुमो जिलाध्यक्ष ने कहा कि जनता बिजली, पानी, सड़क, जनवितरण और प्रशासनिक समस्याओं से परेशान है, जिसे लेकर भाजपा लगातार आवाज उठाती रही है। 19 मई का घेराव आम जनता की समस्याओं को प्रशासन तक मजबूती से पहुंचाने का माध्यम बनेगा। बैठक का संचालन ज्ञान महतो ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन मनोज महतो ने किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं में कार्यक्रम को लेकर उत्साह देखा गया। बैठक में ज्योति प्रसाद कोइरी, उपाध्यक्ष युधिष्ठिर महतो,रामधन महतो, बिरेन महतो, महेंद्र, गयाराम, गोवर्धन, राजेंद्र, दुर्योधन,धनंजय, फलिंद्र,राजेंद्र प्रमाणिक आदि मौजूद थे।

संक्षिप्त

एडीसीए, डीसीए, डीटीपी व टैली की ली गई परीक्षा

सिल्ली। सिल्ली कॉलेज सिल्ली में रविवार को डायनेमिक आइडियल कंप्यूटर सेंटर न्यू बुंडू रोड सिल्ली के प्रशिक्षण प्राप्त छात्र छात्राओं के लिए परीक्षा का आयोजन किया गया। जिसमें डीसीए के 120, एडीसीए 50 एंव टैली के 50 छात्र-छात्राएं शामिल हुए। परीक्षा कदाचारमुक्त तरीके से सम्पन्न हुई। मौके पर डायरेक्टर घनेश्याम कोईरी ने बताया कि पिछले कई महीनों से कंप्यूटर की शिक्षा दी जा रही थी, इसलिए इन लोगों से फाइनल परीक्षा ली गई, जो सफल होंगे उन्हें सर्टिफिकेट दिया जाएगा। इस मौके पर निर्देशक गणेश्याम कोइरी शिक्षक अंकुर एक्का और सोनू कोइरी आदि मौजूद थे।

इटकी पुलिस ने चार वारंटी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

इटकी। इटकी पुलिस ने रविवार को छापामारी अभियान चला कर चार वारंटी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार अभियुक्तों में मकसूद अंसारी, रेयाजूल अंसारी, महमूद अंसारी और रसीक अंसारी शामिल है। अभियुक्तों के खिलाफ थाना में मामला दर्ज था वे पुराने वांक्षित वारंटी थे। छापामारी में थाना प्रभारी मनीष कुमार सहित अन्य पुलिस अधिकारी और शास्त्र बल शामिल थे।

एक साल से पंचायत भवन में चल रहा है स्कूल

सोनाहातू। प्रखंड के प्राथमिक विद्यालय जिलिंगसेरेंग एक साल से पंचायत भवन में चल रहा है। पंचायत भवन में स्कूल संचालित होने से पंचायत के काम काज भी प्रभावित है। प्राथमिक विद्यालय जिलिंगसेरेंग में 97 बच्चे नामांकित है।तीन शिक्षक नियुक्त है। विद्यालय भवन जर्जर होने की स्थिति में पंचायत भवन में कक्षाएं संचालित हो रही थी।विद्यालय भवन काफी जर्जर थी जिसको प्रबंधन समिति और ग्राम कमेटी ने ग्राम सभा आयोजित कर सर्वसमिति से पूरे जर्जर भवन को शुक्रवार 15 मई को ध्वस्त कर दिया गया है। इस संबंध में प्रधानाध्यापक आनंद किशोर बा ने बताया है कि एक साल से नया भवन के लिये पत्राचार किया जा रहा है। विद्यालय की स्थिति की जानकारी विभाग को दी गई है। मुखिया अवनी सिंह मुंडा ने कहा कि पंचायत भवन के एक हॉल में एक साथ सभी बच्चों को पढ़ाया जाता है।

बिजली और पानी के मुद्दे पर सीसीएल अरगडा प्रबंधन के घेराव की तैयारी

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। रामगढ़ जिले के सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) अरगड़ा क्षेत्र में बिजली, पानी सहित अन्य मूलभूत समस्याओं को लेकर स्थानीय लोगों ने जनआंदोलन तेज करने की तैयारी शुरू कर दी है। इसी क्रम में सीसीएल अरगड़ा महाप्रबंधक कार्यालय के घेराव का निर्णय लिया गया है। यह निर्णय स्थानीय लोगों द्वारा आयोजित एक बैठक में लिया गया, जिसमें क्षेत्र की जनसमस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि अरगड़ा क्षेत्र में सीसीएल प्रबंधन की लापरवाही के कारण लोग लंबे समय से परेशान हैं। लगातार बाधित बिजली आपूर्ति और पेयजल संकट जैसी समस्याओं से आम जनता को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकताओं ने कहा कि लोकतंत्र में जनता सर्वोपरि है और जनहित के मुद्दों पर संघर्ष करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि समस्याओं के समाधान के लिए सीसीएल प्रबंधन के खिलाफ घेराव कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, ताकि जनता की आवाज को मजबूती से उठाया जा सके और समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित हो सके। बैठक के दौरान विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रतिनिधियों ने अपने विचार साझा किए और आंदोलन को सफल बनाने के लिए रणनीति तैयार की। साथ ही यह निर्णय भी लिया गया कि अधिक से अधिक लोगों को जोड़कर आंदोलन को व्यापक रूप दिया जाएगा। इस अवसर पर कई जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय लोग उपस्थित थे। सभी ने एकजुट होकर जनहित के मुद्दों पर संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया। अंत में आयोजकों ने क्षेत्र की जनता से अपील की कि वे बड़ी संख्या में उपस्थित होकर 19 मई को आयोजित होने वाले घेराव कार्यक्रम को सफल बनाएं, ताकि सीसीएल प्रबंधन को जनसमस्याओं के समाधान के लिए मजबूर किया जा सके।

कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़, आजसू आंदोलन को तैयार : जयपाल

राहे। प्रखंड आजसू कमिटी द्वारा आजसू पार्टी बंसिया-बसंतपुर जोन की बैठक बंसिया में निर्मल साहू के अध्यक्षता ओर रमापति सिंह मुंडा के संचालन में संपन्न हुआ। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय संगठन सचिव जयपाल सिंह एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में सिल्ली प्रमुख जितेंद्र नाथ बड़ाइक, प्रखंड अध्यक्ष रंगबहादुर महतो, मीरा महतो मौजूद रहे। बैठक में संगठन की मजबूती एवं विस्तार पर विशेष चर्चा हुई। केंद्रीय अध्यक्ष के निर्देश पर बंसिया-बसन्तपुर जोन कमिटी का गठन सर्वसम्मती से किया गया। विकास कुमार साहू अध्यक्ष, कमल किशोर महतो सचिव, चितरंजन महतो कार्यकारी अध्यक्ष, बसंत कुमार महतो उपाध्यक्ष, मनोज बड़ाइक संगठन सचिव, एवं भरत राम महतो को कोषाध्यक्ष के पद पर चयन किया गया ' संगठन सचिव ने कहा कि पार्टी का हर कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ है ,पार्टी को मजबूत करने में इनका योगदान अहम है ' आजसू पार्टी विषयों को लेकर जल्द हीं बड़ा आंदोलन करने को तैयार है' नई कमिटी का स्वागत किया गया। बैठक में वरीय कार्यकर्ता बालेन्दू महतो, मनोहर महतो, नवकृष्णा लोहरा, रामापति सिंह मुंडा, दुर्लभ महतो, जगबंधु महतो, सुनील महली, तुलेश्वर कुम्हार, प्रदीप कुमार महतो, विशेश्वर अहीर, सुजीत कुमार साहू का नाम जिला कमिटी के लिए अनुशंसित किया गया। मौके पर जोन्हा जोन के अध्यक्ष अशोक एक्का, मनोज महतो, कनीलाल साहू, उप मुखिया भूपेश कुमार महतो, विकास साहू, योगेंद्र महतो, हरिहर महतो, बसंत कुम्हार आदि मौजूद थे।

राहे प्रखंड के डोमनडीह मैदान में राहे प्रीमियर लीग की भव्य शुरुआत

राहे। प्रखंड के डोमनडीह मैदान में रविवार को दस टीमों के बीच राहे प्रीमियर लीग केनवस क्रिकेट मैच का भव्य शुरूआत किया

गया। प्रखंड प्रीमियर लीग में खिलाड़ियों को अपने हुनर को दिखाने का मौका मिलेगा। रविवार को टीम के मालिकों के उपस्थिति में राहे प्रीमियर लीग के खिलाड़ियों के द्वारा खेल मैदान से लेकर भगत सिंह चौक और सुभाष चौक तक मार्चपास्ट किया गया। पहला मैच छिन्नमस्तिका बॉयज ओर अंबेडकर वारियर टीम के बीच हुआ, जिसमें मैच को छिन्नमस्तिका बॉयज ने 8 विकेट जीत लिया है। मैन ऑफ मैच निकी को दिया गया। इसने 3 ओवर में 10 रन देकर 3 विकेट लिया।टीम के हरेश कुमार महतो ने 54 रन बनाए। उद्घाटन के अवसर पर आजसू सचिव जयपाल सिंह,सिल्ली प्रमुख जितेंद्र बड़ाइक , रंग बहादुर महतो,मीरा देवी,श्याम महतो, राजपति महतो, हलधर पांडे बिरेंद्र महतो, रमेश गोंझू,सुनील महतो, ज्ञान महतो, शिव सिंह, राहुल दास,तुलसी दास,केके रॉय आदि मौजूद थे।

वज्रपात की चपेट में आने से ईंट भट्ठा मजदूर की मौत

चान्हो। थाना क्षेत्र के लेपसर नवाटोली स्थित एक ईंट भट्ठा में शुक्रवार दोपहर वज्रपात की चपेट में आने से एक मजदूर की मौत हो गई। मृतक की पहचान छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिला अंतर्गत बबोरी निवासी 38 वर्षीय कुमार कुरे के रूप में हुई है। वह ईंट भट्ठा में पथेरा मजदूर के रूप में कार्य करता था। जानकारी के अनुसार घटना शुक्रवार दोपहर करीब ढाई बजे की है। बताया गया कि कुमार कुरे अपनी पत्नी संतोषी बाई के साथ भट्ठा परिसर में बने डेरा में मौजूद था। इसी दौरान अचानक तेज गर्जना के साथ वज्रपात हुआ, जिसकी चपेट में आने से वह गंभीर रूप से झुलस गया। घटना के बाद आनन-फानन में उसे इलाज के लिए मांडर स्थित एक निजी अस्पताल लाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। बताया जाता है कि मृतक अपनी पत्नी के साथ पिछले करीब छह माह से उक्त ईंट भट्ठा में काम कर रहा था। घटना के बाद भट्ठा परिसर में शोक का माहौल है। वहीं सूचना मिलने पर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

खूंटी में तेज रफ्तार थार पुल से नीचे गिरी, महिला समेत चार लोग घायल

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

खूंटी। खूंटी में थार की तेज रफ्तार रविवार को एक बड़े हादसे का कारण बन गई। मुख्य सड़क पर बिंदा और सांडीगांव के बीच एक अनियंत्रित थार वाहन पुल की रेलिंग तोड़ते हुए करीब 20 फीट नीचे गड्ढे में जा गिरा। इस दुर्घटना में एक महिला समेत चार लोग घायल हो गए, जिनमें तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसा इतना भीषण था कि वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। वाहन के नीचे गिरने के कारण उसमें सवार दो लोग काफी देर तक अंदर फंसे रहे और मदद के लिए चीख-पुकार करते रहे। आसपास के ग्रामीण तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। घटना की सूचना मिलने पर मुरहू थाना की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय ग्रामीणों और पुलिस ने संयुक्त रूप से काफी मशक्कत के बाद वाहन में फंसे सभी घायलों को बाहर निकाला। घायलों में तीन लोगों को मुरुहू स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजी गई, जबकि एक घायल को पुलिस वाहन से खूंटी सदर अस्पताल ले जाया गया। सभी घायल बेहोशी की हालत में थे, जिसके कारण देर शाम तक उनकी पहचान नहीं हो सकी थी। चिकित्सकों के अनुसार घायलों में तीन की स्थिति गंभीर बनी हुई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि थार वाहन चाइबासा से रांची की ओर जा रही थी। बिंदा और सांडीगांव के बीच सड़क काफी जर्जर है और पुल के पास मोड़ भी खतरनाक माना जाता है।

सदर अस्पताल में मरीजों के बीच फल और जूस का वितरण

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

खूंटी। झारखंड वॉलीबॉल एसोसिएशन के निर्देश पर रविवार को झारखंड के सभी जिलों में सेवा कार्य आयोजित किए गए। इसी क्रम में आर्ट ऑफ लिविंग, खूंटी यूनिट और खूंटी जिला वॉलीबॉल संघ के संयुक्त तत्वावधान में सदर अस्पताल में मरीजों और उनके अभिभावकों के बीच फल, जूस एवं केला का वितरण किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य मानवता और मानव धर्म के प्रति लोगों को प्रेरित करते हुए गरीबों, मरीजों और छात्र-छात्राओं की सेवा करना था। आर्ट ऑफ लिविंग संस्था ने कहा कि समाज सेवा ही संस्था का मुख्य लक्ष्य है और भविष्य में भी इस प्रकार के सेवा कार्य लगातार जारी रहेंगे। इस अवसर पर खूंटी जिला वॉलीबॉल संघ के जिलाध्यक्ष दिलीप मिश्रा, उपाध्यक्ष विकास मिश्रा, सचिव पीटर मुंडू, बिक्की गुप्ता, मनोज राय गौतम, अनीमा, तनु, कुश, ओम एवं अमित सहित अन्य सदस्यों ने सक्रिय सहयोग किया।

खूंटी के सेतागड़ा गांव पहुंचे विधायक रामसूर्या मुंडा, ग्रामीणों की सुनीं समस्याएं

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

खूंटी। खूंटी प्रखंड के सेतागड़ा गांव में रविवार को विधायक रामसूर्या मुंडा ने ग्रामीणों के साथ बैठक कर गांव की बुनियादी सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। इस दौरान ग्रामीणों ने गांव में अब तक पहुंच पथ का निर्माण नहीं होने की समस्या विधायक के समक्ष प्रमुखता से उठाई। ग्रामीणों ने बताया कि सड़क नहीं होने के कारण गांव के लोगों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। खासकर बरसात के दिनों में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। ग्रामीणों ने कहा कि आज भी गांव कई मूलभूत सुविधाओं से वंचित है, जो चिंता का विषय है। ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए विधायक रामसूर्या मुंडा ने आश्वासन दिया कि सेतागड़ा गांव में पहुंच पथ निर्माण सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं को जल्द पूरा कराने की दिशा में पहल की जाएगी। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान सरकार की प्राथमिकता है। विधायक ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण विकास को लेकर पूरी तरह गंभीर है और गांवों में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने ग्रामीणों से सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील भी की। बैठक में सुखराम पुत्ती, प्रभुसहाय पूर्ति, विलासी टूटी, आशा टूटी, अशीन प्रिय टूटी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

मंडल कारा खूंटी में जेल अदालत का आयोजन

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

खूंटी। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (झालसा) के निर्देशन तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) खूंटी रसिकेश कुमार के मार्गदर्शन में मंडल कारा खूंटी में जेल अदालत का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बंदियों को त्वरित एवं सुलभ न्याय उपलब्ध कराना तथा उनके लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन के लिए आवश्यक कानूनी सहायता प्रदान करना था। जेल अदालत में डीएलएसए सचिव कमलेश बेहरा एवं अनुमंडलीय न्यायिक दंडाधिकारी विद्यावती कुमारी ने बंदियों की समस्याओं को सुना और संबंधित मामलों के निष्पादन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान बंदियों को उनके कानूनी अधिकारों एवं निःशुल्क विधिक सहायता योजनाओं की जानकारी भी दी गई। डीएलएसए सचिव कमलेश बेहरा ने बताया कि जेल अदालत में निस्तारण के लिए कोई उपयुक्त मामला प्रस्तुत नहीं किया गया। बावजूद इसके, बंदियों को जेल अदालत के महत्व तथा न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करने में विधिक सेवा प्राधिकरणों की भूमिका के प्रति जागरूक किया गया। उन्होंने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण खूंटी बंदियों के परिवारों एवं जरूरतमंद वर्गों को न्याय दिलाने के लिए लगातार कार्य कर रहा है। कार्यक्रम के दौरान बंदियों को न्यायिक प्रक्रिया से संबंधित विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी गई। साथ ही भविष्य में भी इस प्रकार के जागरूकता एवं सहायता कार्यक्रम आयोजित किए जाने की बात कही गई। इस अवसर पर विधिक सहायता रक्षा अधिवक्ता डेप्युटी चीफ नम्रता कुमारी, अजय कुमार मिश्रा, जेल पीएलवी एवं अन्य जेलकर्मी उपस्थित रहे।

किरीगड़ा-बचरा जर्जर सड़क का होगा कायाकल्प

विधायक रोशनलाल चौधरी की पहल पर निर्माण प्रक्रिया तेज

डीपीआर के लिए सड़क की मापी शुरू

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

खलारी। कोयलांचल क्षेत्र के निकट बुण्डू पंचायत अंतर्गत किरीगड़ा से बचरा तक की वर्षों पुरानी जर्जर सड़क अब जल्द ही नई सूरत में नजर आएगी। लंबे समय से बदहाल पड़ी इस सड़क के निर्माण एवं सुदृढ़ीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल शुरू हो गई है। बड़कागांव विधायक रोशनलाल चौधरी की पहल पर ग्रामीण कार्य विभाग हजारीबाग ने डीपीआर (डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट) तैयार करने की प्रक्रिया प्रारंभ करते हुए सड़क की मापी कराई। ग्रामीणों के अनुसार किरीगड़ा से बचरा तक जाने वाली यह सड़क काफी जर्जर हो चुकी है, जिससे लोगों को रोजाना भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। बरसात के दिनों में सड़क की स्थिति और भी भयावह हो जाती है। यही मार्ग बुण्डू पंचायत के बुण्डू, खपिया, बटुका और किरीगड़ा गांवों के साथ-साथ किचटो पंचायत के हफुआ, बाराडीह, तरवां एवं बन्हे गांवों को बचरा से जोड़ता है। इस सड़क से प्रतिदिन सैकड़ों स्कूली बच्चे बचरा स्थित विभिन्न विद्यालयों तक पहुंचते हैं।

ऑपरेशन प्रहार : रांची पुलिस ने 100 से ज्यादा अपराधियों को किया गिरफ्तार

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। रांची पुलिस वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक नगर, यातायात और ग्रामीण के नेतृत्व में विगत दो दिनों में ह्लऑपरेशन प्रहारह्ल चल रहा है। इस दौरान 100 से ज्यादा अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। 220 से अधिक लंबित वारंटों का निष्पादन किया गया। अपराधियों के खिलाफ रांची पुलिस की अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई में से एक है।

ऑपरेशन प्रहार के तहत अपराध नियंत्रण, वारंट निष्पादन और संगठित अपराध पर शिकंजा कसने की विशेष रणनीति बनाई गई थी। देर रात तक चली इस बड़ी कार्रवाई में पुलिस टीमों ने अलग-अलग थाना क्षेत्रों में दबिश देकर फरार अपराधियों, वारंटियों और संदिग्धों को धर दबोचा।

कई आरोपी ऐसे भी पकड़े गए, जो लंबे समय से पुलिस को चकमा देकर फरार चल रहे थे। अभियान में जिले के सभी पुलिस अधीक्षक, उपाधीक्षक, थाना प्रभारी और अन्य पुलिस पदाधिकारी व कर्मी शामिल थे। रांची पुलिस द्वारा भविष्य में भी इस तरह की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

पीएलएफआई के नाम पर एक करोड़ की रंगदारी और जमीन छोड़ने की धमकी

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। राजधानी रांची के तुपुदाना इलाके में जमीन विवाद अब रंगदारी और धमकी तक पहुंच गया है। मामले में पीएलएफआई उग्रवादी संगठन के नाम का इस्तेमाल कर एक करोड़ रुपये की मांग किए जाने का आरोप लगा है। इसको लेकर इलाके में हड़कंप मचा गया है। पीड़ित लाल कृष्णा नाथ शाहदेव उर्फ पप्पू शाहदेव ने तुपुदाना ओपी में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए बताया कि उनके मोबाइल पर व्हाट्सएप के जरिए पीएलएफआई के लेटरहेड जैसा संदेश भेजा गया। संदेश में एक करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी गई और रकम नहीं देने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी गई। आरोप है कि एक व्यक्ति ने फोन कर खुद को पीएलएफआई का जोनल कमांडर राजेश यादव बताया। फोन करने वाले ने जमीन पर चल रहे काम का विरोध नहीं करने और वहां से हट जाने की धमकी दी। पीड़ित ने पूरे मामले को लेकर पुलिस से सुरक्षा और कार्रवाई की मांग की है। वहीं, प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। ओपी प्रभारी ने बताया कि पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि धमकी देने वाले का किसी उग्रवादी संगठन से वास्तविक संबंध है या फिर संगठन के नाम का इस्तेमाल कर डर फैलाया जा रहा है। मामले की गहन जांच पड़ताल की जा रही है।

युवाओं को नजरअंदाज करना सरकार को पड़ेगा भारी : सुदेश

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो ने कहा है कि युवा शक्ति ही झारखंड की दिशा बदलेगी। हेमंत सरकार युवाओं के हितों को नजरअंदाज कर रही है और राज्य में माफिया राज चल रहा है, जो उसे भारी पड़ेगा। सुदेश रविवार को लातेहार जिले के चंदवा स्थित लादू बाबु बैंक्वेट हॉल में आयोजित युवा आजसू के पलामू प्रमंडलीय सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। सुदेश ने कहा कि युवा केवल भविष्य नहीं, बल्कि वर्तमान की सबसे बड़ी ताकत हैं। झारखंड के सामाजिक, शैक्षणिक, आर्थिक और राजनीतिक बदलाव में युवाओं की भागीदारी निर्णायक भूमिका निभाएगी। उन्होंने युवाओं से संगठन की विचारधारा को गांव-गांव तक पहुंचाने, समाज के अंतिम व्यक्ति की आवाज बनने और राज्य के अधिकार, पहचान और विकास के लिए मजबूती से संघर्ष करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आजसू पार्टी हमेशा युवाओं, छात्रों, किसानों, मजदूरों और आम जनता के अधिकारों की लड़ाई लड़ती रही है और आगे भी झारखंड की अस्मिता, स्वाभिमान एवं विकास के लिए संघर्ष जारी रहेगा। कार्यक्रम स्थल पहुंचने पर पार्टी पदाधिकारियों, युवा साथियों एवं कार्यकताओं ने सुदेश महतो का गर्मजोशी से भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में पार्टी के केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत शामिल हुए। सम्मेलन को संबोधित करते हुए डॉ भगत ने कहा कि यह सम्मेलन युवाओं के विचार, संगठन की मजबूती और सामाजिक सरोकारों पर गंभीर मंथन का सशक्त मंच बना। इस मौके पर पार्टी के केंद्रीय सचिव शंकर विश्वकर्मा, विकेश शुक्ला, इम्तियाज अहमद नजमी, विजय मेहता, जितेंद्र सिंह, गढ़वा जिलाध्यक्ष दीपक शर्मा, लातेहार जिला अध्यक्ष अमित पांडे, लातेहार महिला जिलाध्यक्ष रीमा देवी सहित अन्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त

जिला प्रशासन की ओर से उपेक्षापूर्ण व्यवहार पर भाजपा ने जताया कड़ा एतराज

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व केंद्रीय मंत्री और जनजातीय समाज के सम्मानित नेता अर्जुन मुंडा के साथ चाईबासा परिसदन में जिला प्रशासन की ओर से उपेक्षापूर्ण व्यवहार पर भाजपा ने कड़ा एतराज जताया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर राज्य सरकार को लोकतांत्रिक मूल्यों का पाठ पढ़ाते हुए लिखा है कि किसी का पद स्थाई नहीं होता, लेकिन लोकतांत्रिक परंपरा हर हाल में कायम रहनी चाहिए। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा है कि अर्जुन मुंडा के साथ जिस प्रकार का व्यवहार किया गया, वह केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक परंपराओं, प्रशासनिक मर्यादाओं एवं जनजातीय समाज के सम्मान का भी विषय है। पद स्थायी नहीं होते, समय के साथ आते-जाते रहते हैं, लेकिन किसी व्यक्ति का योगदान, अनुभव एवं सामाजिक सम्मान सदैव महत्वपूर्ण रहता है। जो व्यक्ति राज्य के मुख्यमंत्री एवं देश के केंद्रीय मंत्री जैसे महत्वपूर्ण संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन कर चुके हो, उसके प्रति सामान्य प्रशासनिक शिष्टाचार एवं गरिमा का पालन किया जाना अपेक्षित था।

रांची पुलिस ने चोरी का मामला सुलझाया दो आरोपित गिरफ्तार

रांची। रांची की लोअर बाजार थाना पुलिस ने चोरी की घटना का खुलासा करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में मो. अदनान अंसारी और मो. अफसर शामिल हैं। पुलिस ने इनके पास से चोरी के दो मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं। लोअर बाजार थाना प्रभारी लव कुमार सिंह ने रविवार को बताया कि 13 मई को पीड़ित अमन के लिखित आवेदन के आधार पर अज्ञात अपराधियों के खिलाफ घर से मोबाइल फोन और नकदी चोरी करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया था। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने विभिन्न स्थानों के सीसीटीवी फुटेज की जांच की। तकनीकी साक्ष्यों और जांच के आधार पर दोनों आरोपितों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान दोनों आरोपितों ने चोरी की घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली।

85 वर्षीय बुजुर्ग को 24 घंटे में मिला पेंशन और आयुष्मान का लाभ

उपायुक्त के निर्देश पर घर पहुंची सरकारी योजनाओं की सुविधा

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। जिला प्रशासन की संवेदनशील कार्यशैली का एक प्रेरणादायक उदाहरण सामने आया है। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री के निर्देश पर 85 वर्षीय वरिष्ठ नागरिक राधेश्याम नाथ को 24 घंटे के भीतर सरकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया गया। किशोरगंज निवासी राधेश्याम नाथ को सर्वजन पेंशन योजना के अंतर्गत पेंशन स्वीकृति प्रमाण पत्र उनके घर पहुंचकर उपलब्ध कराया गया। इसके साथ ही उनका आयुष्मान कार्ड भी बनवाकर सौंपा गया, ताकि उन्हें स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं का लाभ आसानी से मिल सके।

राधेश्याम नाथ योजनाओं के लाभ के लिए समाहरणालय पहुंचे थे। उपायुक्त के निर्देश पर जिला प्रशासन की टीम ने बुजुर्ग की स्थिति को देखते हुए त्वरित कार्रवाई की। सभी आवश्यक प्रक्रियाएं शीघ्र पूरी कर योजनाओं का लाभ बुजुर्ग के घर पर उपलब्ध कराया गया। लाभ प्राप्त करने के बाद वरिष्ठ नागरिक राधेश्याम नाथ ने राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया।

उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने कहा कि जरूरतमंद एवं पात्र लोगों तक योजनाओं का लाभ समयबद्ध तरीके से पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है। आगे भी इसी तरह संवेदनशीलता के साथ कार्य जारी रहेगा।

रांची में याकुजा प्योर इलेक्ट्रिक स्कूटी का शोरूम खुला

रांची। याकुजा प्योर इलेक्ट्रिक स्कूटी के शोरूम का उद्घाटन रविवार को हुआ। यह गाड़ीखाना चौक, बानो मंजिल रोड, पहाड़ी टोला में स्थित है। इसका उद्घाटन केशव कृपा छाया फाउंडेशन की चेयरमैन मीरा अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर संचालिका मीरा अग्रवाल एवं बिनोद कुमार अग्रवाल ने बताया कि उद्घाटन के पहले ही दिन 30 से अधिक इलेक्ट्रिक स्कूटी की डिलीवरी की गई। 200 से अधिक स्कूटी की बुकिंग हो चुकी है। उन्होंने बताया कि याकुजा स्कूटियां मात्र 35 हजार रुपये की शुरूआती कीमत में उपलब्ध हैं। विशेष ऑफर के तहत एक लाख रुपये में तीन स्कूटी भी दी जा रही हैं। स्कूटर एक बार फुल चार्ज होने पर लगभग 60 किलोमीटर तक की दूरी तय कर सकता है।

रांची के 5 किकबॉक्सिंग खिलाड़ियों ने बढ़ाया जिले का मान

रांची। धनबाद में 5वीं झारखंड स्टेट किकबॉक्सिंग चैंपियनशिप का आयोजन 16 मई को हुआ। इसमें रांची जिले के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कई गोल्ड मेडल अपने नाम किए। प्रतियोगिता में रांची के 5 खिलाड़ियों शिवदत्त लोहरा, अंश कुमार सिंह, तेजस्वी कुमार, साक्षी कुमारी एवं रौनिका राशि ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए दो-दो गोल्ड मेडल अपने नाम किए। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से उनके माता-पिता, कोच मो इबरार कुरैशी, पूरे जिले में खुशी है। सभी ने खिलाड़ियों को बधाई दी। कोच इबरार कुरैशी ने कहा कि यह सफलता खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत और निरंतर अभ्यास का परिणाम है। आने वाले समय में ये खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी झारखंड और रांची का नाम रोशन करेंगे।

पासवान कल्याण समिति ने स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया

रांची। पासवान कल्याण समिति के तत्वावधान में भगवान महावीर मणिपाल हॉस्पिटल ने रविवार को कोकर बाजार टांड में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। इसमे शुगर, रक्तचाप, आरबीएस, एसपीवो सहित अन्यप स्वास्थ्य संबधित रोग का उपचार किया गया। महावीर मणिपाल हॉस्पिटल की ओर से डॉ अमरेश, नर्स प्रेमशीला,बॉबी, ऋतंभरा, मार्केटिंग गौरव मिश्रा एवं मुकुंद मिश्रा मार्केटिंग उपस्थित थे। पासवान कल्याण समिति की ओर से अनूप लाल, मनोज कुमार पासवान, राज कुमार पासवान, युवराज पासवान, साकेत पासवान (दीपू), धनमेन्द्र राम, प्रवीण पासवान, सागर पासवान, बंटी पासवान, बबला पासवान, बबलू पासवान, दीपक उर्फ दीपू पासवान, देवांती देवी, लक्ष्मी कुमारी उपस्थित थे।

परस्पर सामंजस्य और जमीनी वास्तविकताओं के आधार पर भाषा समस्या का समाधान संभव : बंधु

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। पूर्व मंत्री एवं झारखण्ड सरकार की समन्वय समिति के सदस्य बंधु तिर्की ने कहा है कि परस्पर सामंजस्य और जमीनी वास्तविकताओं को ध्यान में रखते हुए ही राज्य में जारी भाषा विवाद का समाधान किया जा सकता है। तिर्की ने कहा कि आपसी मतभिन्नता अपनी जगह पर पूरी तरीके से सही है लेकिन कटुता के आधार पर भाषा संबंधित मामले का समाधान नहीं हो सकता।

रविवार को राजधानी रांची में अपने आवास पर प्रेस वार्ता में तिर्की ने कहा कि उनके मंत्रित्व काल में 1 अप्रैल 2011 को जारी अधिसूचना संख्या 1632 में जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा संबंधी मामले का जिस प्रकार से समाधान सुझाया गया था उससे बेहतर समाधान नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि उस अधिसूचना को तैयार करने से पूर्व विशेषज्ञ समिति में राज्य के विख्यात जनजातीय भाषाविद एवं झारखण्ड के समाज को समझने वाले अनेक लोग थे। तिर्की ने कहा कि राज्य में अनेक सीमावर्ती जिले वैसे हैं जहाँ भोजपुरी, अंगिका जैसी भाषायें बोली जाती है और सरकार द्वारा 2011 में जारी उस वर्णित अधिसूचना में उन सभी बातों का पूरा ध्यान रखा गया था। लेकिन कुछ लोगों ने जैसे सरकार के ऊपर दोषारोपण करने को ही अपनी जिम्मेदारी समझ लिया है।

एक्युप्रेशर सह चुंबकीय प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। डॉ लाल चंद बगड़िया एक्युप्रेशर संस्थान के तत्वावधान में 36वां एक्युप्रेशर सह चुंबकीय प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ 17 मई को मारवाड़ी ब्राह्मण भवन में हुआ। शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि नागरमल मोदी सेवा सदन के सचिव आशीष मोदी (मीनू), संस्थान के अध्यक्ष रामा शंकर बगड़िया एवं डॉ संतोष झा ने संयुक्त रूप से किया।

शिविर संयोजिका श्रीमती रीना सुरेखा ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ विनीत जगणानी ने स्माअरिका ₹एक्युप्रेशर वाणी₹ स्मारिका का लोकार्पण किया। डॉ संतोष झा ने ब्रह्मलीन गुरुदेव के जीवन एवं एक्युप्रेशर के बारे में प्रकाश डाला।

कार्यक्रम को सफल बनाने में ओम प्रकाश अग्रवाल, प्रदीप कुमार चौधरी, कृष्ण कुमार पाड़िया, गोपाल मावांडिया, डॉ राजेंद्र प्रसाद, किशन शर्मा, गिरीश गोकुलका, डॉ दीपक कुमार, अजीत कुमार प्रसाद, रेखा देवी, नीलू जैन, मीरा कुजुर, संतोष खेतान, निशा मानपुरिया, शिवनंदन कुशवाहा, रोहित कुमार, शिवांगी गुप्ता आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अजीत कुमार ने किया।

विधिक जागरूकता कर लोगों को योजनाओं का लाभ दिलाना ही उद्देश्य : डालसा

डालसा का कांके प्रखंड के कोंगे गांव में विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। झालसा के कार्यपालक अध्यक्ष सुजीत नारायण प्रसाद के दिशा-निर्देश, सदस्य सचिव कुमारी रंजना अस्थाना एवं न्यायायुक्त रांची अनिल कुमार मिश्रा-1 के मार्गदर्शन तथा डालसा सचिव इंचार्ज की उपस्थिति में 90 दिवसीय विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाना सुनिश्चित किया गया है। इसी क्रम में शनिवार 17 मई 2026 को कांके प्रखंड के कोंगे गांव में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पीएलवी राजेंद्र महतो, शारदा देवी समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

कार्यक्रम के दौरान डालसा रांची के पीएलवी ने झालसा द्वारा संचालित मानवता, आत्मनिर्भरता, तृप्ति, निरोगी भव, चेतना, साथी एवं अन्य योजनाओं की जानकारी लोगों को दी। उन्होंने बताया कि इन योजनाओं के तहत जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क कानूनी सहायता, परामर्श, स्वास्थ्य एवं सामाजिक सहयोग उपलब्ध कराया जाता है। इसके अलावा उपस्थित लोगों को बाल विवाह, बाल श्रम, राष्ट्रीय लोक अदालत, नशा उन्मूलन तथा डायन-बिसाही जैसी सामाजिक कुरीतियों से संबंधित कानूनी प्रावधानों की जानकारी देकर जागरूक किया गया। पीएलवी राजेंद्र महतो एवं शारदा देवी ने नालसा की 10 प्रमुख योजनाओं की भी विस्तृत जानकारी दी। साथ ही निःशुल्क विधिक सेवा प्राप्त करने की प्रक्रिया से लोगों को अवगत कराया। कार्यक्रम में गरीब एवं जरूरतमंद लोगों को वृद्धा पेंशन, मजदूर निबंधन कार्ड तथा उससे मिलने वाले लाभों के बारे में भी जानकारी दी गई।

तानाशाही रवैये पर जनता की आवाज पड़ती है भारी : रमा खलखो

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष रमा खलखो ने धनबाद में जनहित और भ्रष्टाचार के खिलाफ लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठाने वाले कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकताओं पर प्राथमिकी दर्ज किए जाने की कड़ी निंदा की है। उन्होंने इसे दुर्भाग्यपूर्ण, अलोकतांत्रिक और तानाशाही मानसिकता का परिचायक बताया। रमा खलखो ने कहा कि लोकतंत्र में शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन करना और जनता की समस्याओं को उठाना प्रत्येक नागरिक तथा राजनीतिक दल का संवैधानिक अधिकार है। यदि जनप्रतिनिधि भ्रष्टाचार, प्रशासनिक लापरवाही और जनता की पीड़ा के खिलाफ आवाज उठाएंगे और बदले में उन पर मुकदमे दर्ज किए जाएंगे, तो यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

उन्होंने झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के उस रुख की सराहना की, जिसमें उन्होंने धनबाद के कांग्रेस कार्यकताओं के समर्थन में मजबूती से अपनी बात रखी। रमा खलखो ने कहा कि उनका नेतृत्व कांग्रेस कार्यकताओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है और यह साबित करता है कि कांग्रेस पार्टी अन्याय एवं दमन के सामने कभी झुकने वाली नहीं है। साथ ही धनबाद जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह एवं सभी कांग्रेसजनों द्वारा लोकतांत्रिक भावना के साथ जनता की आवाज बुलंद किए जाने को उन्होंने सराहनीय बताया। उन्होंने कहा कि झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस उनके संघर्ष और मनोबल के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है। प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि धनबाद अंचल कार्यालय से जुड़े भ्रष्टाचार और जनसमस्याओं को उठाने के बजाय आवाज दबाने का प्रयास प्रशासन की संवेदनहीनता को दशार्ता है। प्रशासन को यह समझना होगा कि लोकतंत्र में जनता की आवाज को मुकदमों से दबाया नहीं जा सकता।

सत्ता और प्रशासन का दायित्व जनता की समस्याओं का समाधान करना है, न कि भय और दमन का वातावरण तैयार करना। उन्होंने कहा कि झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस लोकतंत्र की आवाज को दबाने की हर कोशिश का लोकतांत्रिक तरीके से पुरजोर विरोध करेगी। कांग्रेस पार्टी हमेशा जनता के अधिकार, न्याय और संविधान की रक्षा के लिए संघर्ष करती रही है और आगे भी करती रहेगी। रमा खलखो ने कहा - सत्य की आवाज को दबाया नहीं जा सकता, जनता की ताकत हर तानाशाही पर भारी पड़ती है।

सीआईपी के स्थापना दिवस पर प्रशिक्षण पुस्तिका का अनावरण

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। केंद्रीय मनोचिकित्सा संस्थान के 109वें स्थापना दिवस पर प्रशिक्षण पुस्तिका झारखंड में ग्रामीण समुदाय (जनजातीय) स्वास्थ्य कार्यकताओं के मानसिक स्वास्थ्य एवं आत्महत्या जोखिम प्रबंधन प्रशिक्षण की प्रभावशीलता का स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक की उपस्थिति में अनावरण किया गया। इसे संस्थांन के मनोचिकित्सीय सामाजिक कार्य विभाग ने तैयार किया है।

यह प्रशिक्षण पुस्तिका भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा वित्तपोषित परियोजना के अंतर्गत तैयार की गई है। इसका उद्देश्य ग्रामीण एवं जनजातीय समुदायों में कार्यरत स्वास्थ्य कार्यकताओं को मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता, आत्महत्या जोखिम की पहचान, समय पर हस्तक्षेप एवं सामुदायिक स्तर पर प्रभावी प्रबंधन के लिए प्रशिक्षित करना है। यह पहल झारखंड के ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्रों में सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने तथा आत्महत्या रोकथाम के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण एवं सार्थक कदम है।

गढ़वा : दो दिनों में 40 अपराधी गिरफ्तार, 98 वारंट और दो कुर्की का निष्पादन

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

गढ़वा। जिले में अपराध नियंत्रण एवं फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी को लेकर गढ़वा पुलिस लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है। पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर के निर्देश पर जिले के सभी थाना क्षेत्रों में व्यापक विशेष छापामारी अभियान चलाया गया। इस अभियान में पुलिस ने विभिन्न मामलों में फरार चल रहे अपराधियों, वारंटियों एवं कुर्की अभियुक्तों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 20 अपराधियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। साथ ही 51 वारंट एवं एक कुर्की का निष्पादन किया गया। यह अभियान अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी गढ़वा, रंका एवं श्री बंशीधर नगर की निगरानी में चलाया गया। जिले के सभी थाना प्रभारी, पुलिस पदाधिकारी एवं सशस्त्र बलों की संयुक्त टीम ने देर रात तक अलग-अलग क्षेत्रों में छापेमारी की।

पुलिस के अनुसार रंका थाना क्षेत्र में सबसे अधिक पांच अपराधियों की गिरफ्तारी की गई। आठ वारंटों का निष्पादन हुआ। भंडरिया थाना क्षेत्र से तीन गिरफ्तारी एवं तीन वारंट निष्पादित किये गये। मझिआंव एवं बरडीहा थाना क्षेत्र से भी तीन-तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। खरौंधी थाना से दो गिरफ्तारी हुई। धुरकी, नगर ऊंटारी एवं भवनाथपुर थाना क्षेत्रों से एक-एक अपराधी को गिरफ्तार किया गया।

वारंट निष्पादन के मामले में रमना थाना क्षेत्र में आठ, नगर ऊंटारी में छह, भवनाथपुर में चार तथा केतार थाना क्षेत्र में चार वारंट निष्पादित किये गये। गढ़वा थाना क्षेत्र में दो वारंट निष्पादन के साथ एक कुर्की की कार्रवाई भी की गई। इसके अलावा मेराल, डंडई, बिशुनपुरा, कांडी एवं हरिहरपुर ओपी क्षेत्रों में भी वारंट निष्पादन किया गया।

गढ़वा पुलिस ने बताया कि 15 एवं 16 मई की रात से चलाये जा रहे विशेष अभियान के दौरान अब तक कुल 40 अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। वहीं 98 वारंट एवं दो कुर्की का सफल निष्पादन किया गया है।

पुलिस अधीक्षक ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि समाज में भयमुक्त वातावरण बनाने में पुलिस का सहयोग करें। किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि या अपराधियों की सूचना तत्काल स्थानीय थाना अथवा पुलिस नियंत्रण कक्ष को दें। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जायेगी। गढ़वा पुलिस की लगातार कार्रवाई से जिले में अपराध नियंत्रण को लेकर पुलिस की सक्रियता साफ दिखाई दे रही है। लगातार चल रहे अभियान से फरार अपराधियों पर शिकंजा कसता नजर आ रहा है।

चौपारण युवा प्रेस क्लब का पुर्नगठन मुकेश सिंह बने अध्यक्ष, सचिव बने मनीष

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

चौपारण (हजारीबाग)। रविवार को चौपारण युवा प्रेस क्लब की एक महत्वपूर्ण बैठक चतरा मोड़ स्थानीय टीवीएस शो रूम परिसर में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता क्लब के संरक्षक राजेश सहाय ने की। बैठक में सर्वसम्मति से संगठन का पूर्णगठन करते हुए नई कार्यकारिणी का चयन किया गया। बैठक में अध्यक्ष पद के लिए मुकेश सिंह, उपाध्यक्ष पद के लिए विशाल सिन्हा, सचिव पद के लिए मनीष सिन्हा,कोषाध्यक्ष पद के लिए बैजू गहलोत तथा मीडिया प्रभारी सह प्रवक्ता के लिए अखिलेश पाण्डेय को चुना गया। नई कार्यकारिणी के गठन के बाद उपस्थित सदस्यों ने सभी पदाधिकारियों को बधाई देते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने की बात कही। संरक्षक राजेश सहाय ने कहा कि युवा प्रेस क्लब पत्रकारों के हितों की रक्षा के साथ-साथ समाजहित के कार्यों में भी सक्रिय भूमिका निभाएगा। वहीं नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने संगठन की गरिमा बनाए रखते हुए निष्पक्ष पत्रकारिता और पत्रकारों की एकजुटता के लिए कार्य करने का संकल्प लिया। बैठक में राजेश सहाय, अमित सिंह, राकेश सहाय, अखिलेश पाण्डेय, बच्चू कुमार राणा, चंद्रशेखर पाण्डेय, कृष्णा कुशवाहा एवं धीरज सिंह सहित कई सदस्य मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

संक्षिप्त

शतरंज प्रतियोगिता का समापन, गणेश सिंकू ने जीता अंडर-19 खिताब

पश्चिमी सिंहभूम। पश्चिम सिंहभूम जिला शतरंज संघ के तत्वावधान में आयोजित तथा रॉयल एनफील्ड एसपी वेंचर्स के सौजन्य से प्रायोजित तीन दिवसीय द्वितीय स्वर्गीय वर्गीज कोसी मेमोरियल एज ग्रुप शतरंज प्रतियोगिता का रविवार को सफल समापन हो गया। प्रतियोगिता के अंतिम दिन अंडर-19 आयु वर्ग के मुकाबले खेले गए, जिसमें खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। 10 मिनट प्लस 5 सेकंड इंक्रीमेंट फॉर्मेट पर आधारित इस प्रतियोगिता में पांच चक्रों के मुकाबले हुए। अंडर-19 वर्ग में कुल 28 खिलाड़ियों ने भाग लिया। अंतिम दौर के रोमांचक मुकाबले में गणेश सिंकू ने सौम्या प्रभा सोए को पराजित कर 4.5 अंकों के साथ चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। वहीं शश्मित त्रिपाठी 4 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि कृष्ण जालान तीसरे और हर्ष मुरारका चौथे स्थान पर रहे। गर्ल्स अंडर-19 वर्ग में सौम्या प्रभा सोए ने पहला स्थान प्राप्त किया। समृद्धि प्रिया दूसरे, शालू कुमारी तीसरे तथा ऋषिका शर्मा चौथे स्थान पर रहीं। प्रतियोगिता में अंडर-15, अंडर-13, अंडर-11, अंडर-9 और अंडर-7 आयु वर्ग के मुकाबले भी आयोजित किए गए। विभिन्न वर्गों में एकांश शाह, एमडी जीशान, अदिति, अरूप वनीत सुंडी, विवान अग्रवाल, प्रज्ञा कुमारी, श्रेयांश बहरा और शनाया सिंह ने अपने-अपने वर्ग में पहला स्थान प्राप्त किया।

अवैध पत्थर परिवहन पर कार्रवाई, बिना चालान बोल्डर ले जा रहा हाईवा जब्त

पूर्वी सिंहभूम। जिले के ग्रामीण क्षेत्र स्थित कोवाली थाना अंतर्गत मंगलासाई और आसपास के इलाकों में अवैध पत्थर खनन और बिना चालान खनिज परिवहन की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद प्रशासन ने रविवार को संयुक्त अभियान चलाया। खनन विभाग और कोवाली थाना पुलिस की टीम ने विशेष जांच अभियान के दौरान एक हाईवा को बिना वैध चालान के बोल्डर परिवहन करते हुए पकड़ा। जांच के दौरान दस्तावेज मांगने पर वाहन चालक वैध कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद माइनिंग इंस्पेक्टर ने वाहन को जब्त कर कोवाली थाना परिसर में खड़ा कराया। मामले में खनन विभाग ने आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। जिला खनन पदाधिकारी सतीश कुमार नायक ने बताया कि अवैध खनिज परिवहन रोकने के लिए विभाग लगातार निगरानी कर रहा है।

गढ़वा में फर्जी सीएससी का खुलासा जांच में मिले कई संदिग्ध साक्ष्य

लैपटॉप-मोबाइल जब्त कर कमरे को किया गया सील

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

गढ़वा। सदर एसडीएम संजय कुमार ने क्षेत्र भ्रमण के क्रम में गढ़वा जिले के मेराल प्रखंड के पचफेड़ी स्थित ह्यविशाल ऑनलाइन सेंटरह्ल में औचक जांच की। जांच के दौरान ऐसे कई प्राथमिक साक्ष्य मिले, जिनसे बिना वैध प्रक्रिया और बिना समुचित जांच के फर्जी जन्म प्रमाण पत्र बनाए जाने की आशंका प्रबल हुई।

मौके पर से ही एसडीएम ने मेराल अंचल अधिकारी को निर्देश देते हुए तीन सदस्यीय जांच टीम का गठन किया। टीम में अंचल अधिकारी मेराल यशवंत नायक, सीएससी मैनेजर मनीष कुमार और थाना प्रभारी विष्णुकांत शामिल हैं। गठित टीम ने केंद्र पर पहुंचकर गहन पड़ताल की, जिसमें कई दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य संदिग्ध और आपत्तिजनक पाए गए।

जांच के दौरान इस केंद्र से लैपटॉप, मोबाइल फोन, चैट रिकॉर्ड, बैंक खाते संबंधी विवरण और अन्य दस्तावेज जब्त हुए हैं। इनकी तकनीकी और दस्तावेजी जांच की जा रही है। जांच पूरी होने तक अनुमंडल पदाधिकारी के निर्देश पर उक्त केंद्र को सील कर दिया गया है।

एसडीएम ने बताया कि उनके साप्ताहिक जनसंवाद कार्यक्रम कॉफी विद एसडीएम में भी कई बार ऐसी शिकायतें प्राप्त हुई थीं कि कुछ तथाकथित प्रज्ञा केंद्र संचालक एवं फर्जी सीएससी केंद्रों के माध्यम से संदिग्ध गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि अनुमंडल क्षेत्र में इस प्रकार के अवैध कार्यों पर प्रभावी रोक लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। एसडीएम ने आम नागरिकों से अपील की कि जन्म प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेज किसी बिचौलिये या अनधिकृत केंद्र के माध्यम से न बनवाएं, बल्कि निर्धारित सरकारी प्रक्रिया का ही पालन करें। जांच में यह भी सामने आया कि संबंधित केंद्र पर सीएससी का मोनोग्राम लगा हुआ था, जबकि उपलब्ध जानकारी के अनुसार वह अधिकृत सीएससी केंद्र नहीं है। केंद्र से बरामद आधार कार्ड एवं अन्य दस्तावेजों के आधार पर उन लोगों से भी पूछताछ की जाएगी, जिन्होंने यहां से विभिन्न प्रकार के प्रमाण पत्र बनवाए हैं। एसडीएम ने बताया कि अब तक की जांच में गोंदा, मेराल के एक युवक का नाम सामने आया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार वह कई संदिग्ध लोगों के संपर्क में रहकर अलग-अलग क्षेत्रों से प्रमाण पत्र बनवाने का कार्य करता था। जांच में पलामू जिले के पंजरी गांव के एक व्यक्ति की संलिप्तता भी सामने आ रही है, जिस पर डालटनगंज सदर अस्पताल से बड़ी संख्या में जन्म प्रमाण पत्र बनवाने में प्रमुख भूमिका की पुष्टि हुई है।

अधिवक्ता संघ ने उठाई ट्रैफिक और पेयजल समस्या की आवाज, प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग

आदित्यपुर। आदित्यपुर अधिवक्ता संघ की बैठक शनिवार को रोड नंबर-32 स्थित संघ कार्यालय में अध्यक्ष अधिवक्ता डी.एन. ओझा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में झारखंड स्टेट बार काउंसिल के नव निर्वाचित सदस्यों को बधाई देते हुए राज्य में जल्द अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग की गई। बैठक में आदित्यपुर-कांड्रा मुख्य सड़क की यातायात व्यवस्था पर गंभीर चिंता जताई गई। अधिवक्ताओं ने कहा कि पटेल चौक के समीप अव्यवस्थित ढंग से टेंपो खड़े रहने के कारण प्रतिदिन जाम की स्थिति उत्पन्न होती है और विवाद भी होते हैं। संघ ने सड़क के सर्विस लेन एवं फुटपाथ को अतिक्रमण मुक्त और चलने योग्य बनाने की मांग की। इस संबंध में उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया गया। पेयजल समस्या को लेकर अधिवक्ताओं ने जिंदल प्रबंधन की कार्यशैली पर नाराजगी जताई। बैठक में कहा गया कि सीतारामपुर स्थित 30 एमएलडी वाटर ट्रीटमेंट प्लांट तैयार होने के बावजूद अब तक मात्र 4 से 5 हजार घरों को ही जलापूर्ति कनेक्शन दिया गया है, जबकि 20 से 22 हजार उपभोक्ताओं को इसका लाभ मिलना चाहिए। बिना पूर्व सूचना के जलापूर्ति बाधित किए जाने तथा शिकायतों पर कोई जवाब नहीं मिलने पर भी आक्रोश व्यक्त किया गया। अधिवक्ताओं ने विशेष रूप से जिंदल के मैनेजर पीयूष सिन्हा के गैर जिम्मेदाराना व्यवहार की आलोचना करते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की। संघ ने उपायुक्त, मेयर एवं नगर निगम प्रशासन से लापरवाह जिंदल प्रबंधन पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की। बैठक में मुख्य संरक्षक ओम प्रकाश, अरुण कुमार सिंह, रंजना मिश्रा, मनोज दुबे, निशांत कुमार, रविशंकर पासवान समेत कई अधिवक्ता उपस्थित थे।

आराधना और तन्नू को मिला ब्राउन बेल्ट थर्ड क्यू

प्रातः नागपुरी संवाददाता

लोहरदगा। रविवार को ललित नारायण स्टेडियम में एसएस स्पोर्ट्स कराटे एसोसिएशन एवं शोतोकान स्कूल कराटे एसोसिएशन ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय कराटे ग्रेडिंग परीक्षा का आयोजन किया गया। इसमें रेंशी श्रवण साहू (ब्लैक बेल्ट छठवीं डान, जापान) के द्वारा ग्रेडिंग ली गई। इस ग्रेडिंग परीक्षा में अतिथि के रुप में जोखेन्दर भगत पूर्व कराटे प्रशिक्षक (ब्लैक बेल्ट फर्स्ट डॉन) थे। इस ग्रेडिंग परीक्षा में कराटेकारों की विशेष रूप से उनकी तकनीक किहोनवाजा, काता, कुमितेवाजा, गेरीवाजा, सेल्फ डिफेंस आदि की विशेष परीक्षा ली गई। इसमें सफल कराटेकार इस प्रकार हैं:-पर्पल से ब्राउन थर्ड क्यू आराधना उरांव तन्नू उरांव ग्रीन से ब्लू बेल्ट अर्श अर्पित टोप्पो ऑरेंज से ग्रीन बेल्ट अर्पिता टोप्पो, भूमिका कुमारी, आराध्या कुमारी, अर्पिता कुमारी, तक्ष्वी शंकर, रिद्धि रानी और अंश राज यलो से ऑरेंज बेल्ट ईआसिफा नाजट वाईट से यलो अमीना परवीन, पूनम उराव इस ग्रेडिंग परीक्षा में विशेष रूप से ऐश्वर्या साहू ब्लैक बेल्ट द्वितीय डॉन, सानिया प्रवीण ब्लैकबेल्ट फर्स्ट डॉन ,उमर गुल अंसारी ब्लैक बेल्ट फर्स्ट डॉन ने सहयोग किया इस मौके पर रमेश मिश्रा,स्वाती मिश्रा, तृप्ती गुप्ता,पुष्पा कुमारी,राजेश उरांव,आनन्दनी मिंज आदि मौजूद रहे।

लोहरदगा के समाजसेवी चंद्रपति यादव का निधन

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

लोहरदगा। समाजसेवी सह लोहरदगा ग्राम स्वराज संस्थान के डायरेक्टर चंद्रपति यादव का निधन हो गया। उनके निधन की खबर से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। बताया जा रहा है कि चंद्रपति यादव पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे। इलाज के लिए उन्हें हैदराबाद ले जाया गया था, जहां 8 मई को डॉक्टरों की टीम ने उनका सफल ऑपरेशन किया गया था। परिजनों के अनुसार ऑपरेशन के बाद उनकी स्थिति में सुधार हुआ था। वे स्वास्थ्य लाभ भी कर रहे थे, लेकिन अचानक उनके निधन की खबर ने सभी को स्तब्ध कर दिया। जानकारी के अनुसार सोमवार को उनका पार्थिव शरीर हैदराबाद से लोहरदगा लाया जाएगा। इसके बाद दोपहर में कोयल नदी तट पर उनका अंतिम संस्कार किए जाने की संभावना है। चंद्रपति यादव अपने मिलनसार व्यक्तित्व, कर्तव्यनिष्ठा और मृदुभाषी स्वभाव के कारण समाज में विशेष पहचान रखते थे।

देवघर पुलिस ने किया ब्राउन शुगर तस्करी नेटवर्क का खुलासा, चार गिरफ्तार

देवघर। देवघर पुलिस ने ब्राउन शुगर तस्करी नेटवर्क का खुलासा किया है। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले से इस नेटवर्क का संचालन हो रहा था। इससे जुड़े चार तस्करों को बाबा नगरी से गिरफ्तार किया गया। मोहनपुर थाना को 17 मई की रात करीब 00:15 बजे सूचना मिली कि बंगाल से ब्राउन शुगर सप्लाई करने वाले कुछ व्यक्ति क्षेत्र में आए हुए हैं। बड़ा झरना खरगडीहा जाने वाली कच्ची सड़क के किनारे एक कार एवं एक मोटरसाइकिल खड़ी है। सूचना के आधार पर पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन कर विधिवत छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान बंगाल के बीरभूम जिला से ब्राउन शुगर सप्लाई करने शेख इस्ताजुल और मीर समद एक काले रंग की आई10 कार से मौके पर पहुंचे थे। स्थानीय स्तर पर ब्राउन शुगर खरीदने नीरज कुमार महथा, रोहित कुमार एक मोटरसाइकिल से वहां मौजूद थे। पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई में आरोपियों के पास से दो पैकेट ब्राउन शुगर, नकद 1,49,300, पांच मोबाइल फोन एवं कांड में प्रयुक्त दो वाहन बरामद किए गए। चारों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार व्यक्तियों में से दो आरोपियों का आपराधिक इतिहास पाया गया। पूछताछ के दौरान जानकारी मिली कि दुबराजपुर थाना क्षेत्र के ब्राउन शुगर सप्लायरों द्वारा बंगाल, झारखंड एवं बिहार सहित अन्य राज्यों में मादक पदार्थों की सप्लाई की जाती है। सप्लाई किए गए ब्राउन शुगर की पुड़िया बनाकर स्थानीय बाजारों में बेचा जाता था।

पांच दुकान मालिकों को नोटिस, नगर परिषद से कारण पृच्छा

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

गढ़वा। गढ़वा शहर के मझिआंव मोड़ क्षेत्र में सड़क किनारे खुले में मुर्गा काटने, मांस, खून हड्डी पंख आदि अपशिष्ट फैलाने एवं सार्वजनिक मार्ग की स्वच्छता प्रभावित होने संबंधी लगातार जनशिकायत मिल रही थी। इस आलोक में एसडीएम संजय कुमार ने सख्त रुख अपनाया है। श्री कुमार ने बताया कि मझिआंव मोड़ स्थित इन अवैध मुर्गा मांस कारोबारियों को पूर्व में भी कई बार हिदायत दी जा चुकी थी। इसके अतिरिक्त नगर परिषद को भी लिखित रूप से आवश्यक कार्रवाई, नियमित निगरानी और सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया था।

इसके बावजूद स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं होने और आमजनों की शिकायतें लगातार प्राप्त होने के कारण अब मझिआंव मोड़ स्थित पांच दुकानदारों के साथ साथ नगर परिषद को भी पक्षकार बनाते हुए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 152 के तहत कार्रवाई प्रारंभ की जा रही है।

एसडीएम ने कहा कि सड़क किनारे खुले में पशु-पक्षी वध, गंदगी फैलाना एवं अपशिष्ट का अस्वच्छ निस्तारण सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के लिए गंभीर विषय है। वहां से गुजरने वाले राहगीरों व सड़क किनारे खड़े लोगों को भी भयंकर बदबू और असहजता का सामना करना पड़ता है, जो कि प्रथम दृष्टया पब्लिक न्यूसेंस का मामला है। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार की कार्रवाई अनुमंडल क्षेत्र के अन्य इलाकों में भी की जाएगी। कहा कि प्रशासन का उद्देश्य शहर में स्वच्छ, सुरक्षित एवं व्यवस्थित वातावरण सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि न केवल मुर्गा मछली मांस आदि के व्यवसायियों को निर्धारित मानकों एवं स्वच्छता नियमों का पालन करना होगा। नगर निकाय एवं अन्य संबंधित संस्थाओं को भी अपने दायित्वों का निर्वहन गंभीरता से सुनिश्चित करना होगा।

विधायक ने 23 योजनाओं का किया शिलान्यास

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

देवघर। सारठ विधानसभा क्षेत्र के डुमरिया स्टेडियम में रविवार को विधायक उदय शंकर सिंह उर्फ चुन्ना सिंह ने करीब 15 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न विकास योजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया। इस दौरान कुल 23 योजनाओं का शिलान्यास तथा 2 योजनाओं का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि सारठ विधानसभा क्षेत्र का सर्वांगीण विकास ही उनका प्रमुख लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि जनता ने जिस विश्वास के साथ उन्हें चुना है, उस पर खरा उतरने के लिए वे लगातार प्रयासरत हैं। विधायक ने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के सहयोग से राज्य सहित सारठ क्षेत्र में तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं। जानकारी के अनुसार, जिला परिषद, अनाबद्ध निधि एवं विभिन्न विभागों के तहत लगभग 15 करोड़ रुपये की लागत से कुल 53 योजनाओं की आधारशिला रखी गई। इनमें सारठ प्रखंड के सधरिया, कचुवाबांक, झिलुवा, बोचबांध, पारबाद सहित कई गांवों में 7 स्वास्थ्य उपकेंद्रों का निर्माण शामिल है। इसके अलावा डुमरिया में स्टेडियम मरम्मती, अंचल कार्यालय मरम्मती तथा सधरिया में पीसीसी पथ निर्माण सहित कुल 10 योजनाएं शामिल हैं। वहीं पालोजोरी प्रखंड के पहरुडिह, धावा, कुंजोडा, बांधडिह, सगराजोर आदि क्षेत्रों में 5 स्वास्थ्य उपकेंद्र, धावा एवं बरमसिया में पीसीसी सड़क निर्माण, जेएफएससी गोदाम में चहारदीवारी निर्माण तथा कई जगहों पर चेक डैम निर्माण सहित कुल 13 योजनाओं की आधारशिला रखी गई। कार्यक्रम में सारठ एवं बामनगामा में शीतल पेयजल योजना का उद्घाटन भी किया गया। साथ ही सारठ एवं पालोजोरी क्षेत्र में 30 हाईमास्ट लाइटों के अधिष्ठापन का शिलान्यास भी किया गया। विधायक ने कहा कि आने वाले समय में क्षेत्र में पुस्तकालय, अनुसूचित जाति-जनजाति आवासीय विद्यालय, इनडोर स्टेडियम, पथरडुा पहाड़ का सौंदर्यीकरण, 400 एकड़ भूमि पर उद्योग स्थापना, प्रेस क्लब भवन सहित शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क एवं पेयजल के क्षेत्र में कई और योजनाओं को धरातल पर उतारा जाएगा।

रेलवे ओवर ब्रिज का सांसद डॉ. निशिकांत दुबे ने किया उद्घाटन

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

देवघर। गोड्डा सांसद डॉ निशिकांत दुबे ने देवघर स्थित नावाडीह/रोहिणी रेलवे ओवर ब्रिज रविवार को उद्घाटन किया। मौके पर डीआरएम मिस्टर मौर्या, देवघर विधायक सुरेश पासवान, मधुपुर विधानसभा के भाजपा नेता गंगा नारायण सिंह सहित अन्य कई लोग मौजूद थे।

मौके पर सांसद डॉ निशिकांत दुबे ने कहा कि यह ओवरब्रिज क्षेत्र के विकास, सुगम आवागमन और जनता की सुविधा के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। यहां से अब देवघर से एम्स, रांची सहित अन्य कई जगहों और शहरों की दूरी कम होगी।

सांसद ने कहा कि बहुत जल्द संताली और आरोग्य भवन ओवर ब्रिज की शुरूआत होगी। स्थानीय विधायक सुरेश पासवान और राज्य सरकार से मदद करने की बात कही। उन्होंने कहा कि अगर राज्य सरकार जमीन दे दी तो जसीडीह स्टेशन को और वृहत रूप दिया जाएगा। कार्यक्रम में इस दौरान जिला महामंत्री अभयानंद झा, पंकज सिंह भदौरिया, गंगा नारायण सिंह, आरजेडी कार्यकर्ता प्रमोद यादव समेत दर्जनों स्थानीय लोग मौजूद थे।

मानगो पेयजल परियोजना की स्थिति सार्वजनिक करे निगम : सरयू राय

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम। जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने रविवार को मानगो नगर निगम के उप नगर आयुक्त को पत्र लिखकर मानगो पेयजल परियोजना की अद्यतन स्थिति सार्वजनिक करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि निगम क्षेत्र में जलापूर्ति की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है और लोगों को नियमित रूप से पानी नहीं मिल पा रहा है। सरयू राय ने पत्र में कहा है कि नवंबर 2024 में पुनः विधायक निर्वाचित होने के बाद उन्होंने मानगो नगर निगम, जिला प्रशासन और पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के अधिकारियों के साथ कई बैठकें की थीं और परियोजना क्षेत्र का निरीक्षण भी किया था। निरीक्षण में पाया गया कि इंटेकवेल, वाटर ट्रीटमेंट प्लांट और पानी टंकियों की स्थिति काफी खराब हो चुकी है। परियोजना के संचालन में भी कई खामियां हैं, जिससे लोगों तक पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पा रहा है। उन्होंने बताया कि इंटेकवेल में छह से आठ फीट तक बालू जमा हो गया है, जिससे मशीनों के संचालन पर असर पड़ रहा है। बालू निकालने और नदी के जल को गंदगी से बचाने के लिए उन्होंने विधायक निधि से राशि उपलब्ध कराई। इसके अलावा विभिन्न क्षमता के मोटर पंप भी खरीदे गए, ताकि जलापूर्ति व्यवस्था में सुधार हो सके। सरयू राय ने आरोप लगाया कि सभी क्षेत्रों में समानुपातिक जलापूर्ति सुनिश्चित करने पर सहमति बनने के बावजूद इसका प्रभावी क्रियान्वयन नहीं हुआ। कई इलाकों में केवल पांच से दस मिनट तक पानी आता है, जबकि अधिकांश क्षेत्रों में देर रात जलापूर्ति की जा रही है। उन्होंने उप नगर आयुक्त से पेयजल परियोजना और जलापूर्ति की वास्तविक स्थिति सार्वजनिक कर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने की मांग की है।

चतरा में 25 लाख की अफीम के साथ माफिया गिरफ्तार

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

चतरा। जिले में अफीम तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। गिद्धौर थाना क्षेत्र में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए करीब 25 लाख रुपए मूल्य की 4 किलो अफीम के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान जपुआ गांव निवासी रामचरण दांगी उर्फ रामचंद्र दांगी के रूप में हुई है। उसके पास से एक स्मार्टफोन और दो किलो गुड़ जैसा पदार्थ भी बरामद हुआ, जिसका इस्तेमाल अफीम का वजन बढ़ाने में किया जाना था। समाहरणालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में एसपी अनिमेष नैथानी ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति अवैध अफीम लेकर चतरा-हजारीबाग मुख्य मार्ग पर बस का इंतजार कर रहा है। सूचना मिलते ही सिमरिया एसडीपीओ नागरगोजे शुभम भाऊसाहेब के नेतृत्व में छापेमारी टीम गठित की गई। पुलिस टीम जब जपुआ गांव के पास पहुंची तो सड़क किनारे थैला लिए खड़ा संदिग्ध व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने लगा। हालांकि पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके बैग से तीन प्लास्टिक पैकेट में रखी अफीम बरामद हुई। पुलिस ने मौके से मोबाइल फोन समेत अन्य सामान जब्त कर लिया। इस मामले में गिद्धौर थाना में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

संक्षिप्त

चोरी के दो ट्रैक्टर के साथ तीन चोर गिरफ्तार

दुमका। जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में चोरी हुई दो ट्रैक्टर बरामद करते हुए दुमका पुलिस ने अंतरराज्जीय गिरोह के दो सदस्य को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में पश्चिम बंगाल के वीरभूम जिला के शांतिनिकेतन थाना क्षेत्र के दरपाशीला गांव निवासी बंशी दास और मोहम्मद बाजार थाना क्षेत्र के सावराकुड़ी गांव निवासी शेख अजीजुल एवं शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के कुलकुलीडंगाल गांव निवासी संजीव मड़ैया शामिल है। जानकारी के अनुसार गत 8 अप्रैल की रात्रि मुफ्फसिल थाना के केशियाबहाल गांव निवासी तापस मांझी के घर के बाहर खड़ी ट्रैक्टर को अज्ञात चोरों ने चोरी कर लिया था। मामले में (कांड संख्या 63/26) दर्ज कर पुलिस जांच में जुट गई थी।

ट्रेनों की लेटलतीफी के खिलाफ तेज हुआ आंदोलन

पूर्वी सिंहभूम। टाटानगर सहित आसपास के क्षेत्रों में ट्रेनों की लगातार लेटलतीफी को लेकर रेल यात्री संघर्ष समिति का आंदोलन तेज होता जा रहा है। रविवार को साकची गोलचक्कर पर आयोजित हस्ताक्षर अभियान में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर रेलवे की कार्यप्रणाली के प्रति नाराजगी जाहिर की। इस दौरान जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने रेलवे प्रशासन पर निशाना साधते हुए कहा कि यदि शांतिपूर्ण आंदोलन को रेलवे कमजोरी समझ रहा है, तो यह उसकी बड़ी भूल है। उन्होंने चेतावनी दी कि जरूरत पड़ने पर आंदोलनकारी रेल ट्रैक पर बैठकर भी विरोध प्रदर्शन करेंगे। सरयू राय ने कहा कि रेल यात्री संघर्ष समिति की मांगें पूरी तरह जनहित से जुड़ी हुई हैं। यात्रियों की सबसे बड़ी समस्या ट्रेनों की लगातार देरी है, जबकि रेलवे मालगाड़ियों को प्राथमिकता देकर यात्री ट्रेनों को घंटों रोक रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर किसके आदेश पर यात्री ट्रेनों को रोककर मालगाड़ियों को पहले पास कराया जा रहा है। विधायक ने यह भी कहा कि देश के कई हिस्सों में रेलवे के आधारभूत ढांचे को मजबूत किया गया है, लेकिन टाटानगर जैसे महत्वपूर्ण स्टेशन की लगातार उपेक्षा की जा रही है। इससे यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

युवा वैज्ञानिक डॉ. निखिल सिंह को किया गया सम्मानित

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम। बागबेड़ा कॉलोनी के युवा वैज्ञानिक डॉ. निखिल कुमार सिंह को जीनोमिक्स और बायोइन्फॉर्मेटिक्स के क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हासिल उपलब्धियों के लिए रविवार को सम्मानित किया गया। कुंवर सिंह मैदान में आयोजित समारोह में पंचायत प्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों ने उन्हें शॉल ओढ़ाकर सम्मान दिया। इस अवसर पर उनके माता-पिता ओमप्रकाश सिंह को भी विशेष सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम में पंचायत प्रतिनिधियों ने कहा कि डॉ. निखिल सिंह ने बागबेड़ा और जमशेदपुर का नाम वैश्विक स्तर पर रोशन किया है। पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता ने बताया कि हाल ही में डॉ. सिंह का चयन भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की प्रतिष्ठित ह्लप्रेरणा संकाय फेलोशिपह्व के लिए हुआ है। इसके अलावा उन्हें अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान प्रतिष्ठानह्व की ओर से ह्लप्रधानमंत्री प्रारंभिक शोध अनुदानह्व भी प्राप्त हुआ है। वर्तमान में वे भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-भारतीय कृषि जैव प्रौद्योगिकी संस्थान में सहायक प्राध्यापक और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रेरणा संकाय फेलो के रूप में कार्यरत हैं। डॉ. निखिल सिंह का शोध कार्य जीनोमिक्स, बायोइन्फॉर्मेटिक्स और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित कृषि अनुसंधान पर केंद्रित है। उन्होंने स्विट्जरलैंड के न्यूशातेल विश्वविद्यालय से जनसंख्या जीनोमिक्स में पीएचडी की है। इसके बाद जर्मनी के म्यूनिख तकनीकी विश्वविद्यालय और कील विश्वविद्यालय में पोस्टडॉक्टोरल शोध कार्य किया। उन्होंने गेहूं के रोगजनकों, आनुवंशिक विविधता और जीनोमिक तत्वों से जुड़ी कई महत्वपूर्ण शोध परियोजनाओं का नेतृत्व भी किया है। अब तक डॉ. सिंह लगभग दस अंतरराष्ट्रीय शोध पत्र प्रकाशित कर चुके हैं। इसके साथ ही उन्होंने जीनोमिक्स और बायोइन्फॉर्मेटिक्स पर दो पुस्तकें भी लिखी हैं। उनकी पुस्तक ह्लजीनोम विश्लेषण के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित जैव सूचना उपकरणह्व छात्रों और शोधार्थियों के बीच काफी लोकप्रिय रही है, जिसमें आधुनिक तकनीक और जीनोमिक्स के उपयोग को सरल भाषा में समझाया गया है। डॉ. सिंह ने कहा कि विदेशों में बेहतर अवसर मिलने के बावजूद उन्होंने भारत लौटकर कृषि जैव-प्रौद्योगिकी अनुसंधान में योगदान देने का निर्णय लिया। उनका मानना है कि आधुनिक विज्ञान और तकनीक का लाभ ग्रामीण और साधारण पृष्ठभूमि से आने वाले विद्यार्थियों तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने कहा कि छोटे शहरों के छात्र भी मेहनत और सीखने की ललक के दम पर वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना सकते हैं। सम्मान समारोह में ग्राम प्रधान चुनका मार्डी, पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता, उप मुखिया संतोष ठाकुर, मुखिया उमा मुंडा, मायावती टुडू, धनमुनी मार्डी, धनंजय कुमार सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

200 उर्दू विद्यार्थियों की हुई काउंसलिंग किया गया सम्मानित

चितरपुर। अंजुमन फरोग ए उर्दू, रामगढ़ जिला इकाई के द्वारा बिस्मिल्लाह मैरेज हॉल चितरपुर में करियर काउंसलिंग सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में इस वर्ष मैट्रिक और इंटर परीक्षा में उर्दू विषय लेकर पढ़ने वाले और उस विषय में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मान समारोह में प्रशस्ति पत्र एवं सम्मान पदक दिया गया। सबसे बड़ी बात यह है कि उपस्थित विद्यार्थियों का कैरियर काउंसलिंग भी किया गया। काउंसलिंग द्वारा उर्दू पढ़ने वाले विद्यार्थियों में रोजगार को लेकर फैली भ्रांतियां और उदासीनता को तोड़ा गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कांग्रेस प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष शहजादा अनवर और विशिष्ट अतिथि के तौर पर प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष जकाउल्लाह उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष हाजी रईस खान ने की और संचालन केंद्रीय उपाध्यक्ष डॉ शाहनवाज खान ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम समन्वयक रफीकउल्लाह ने किया। मुख्य अतिथि शहजादा अनवर ने कहा कि पश्चिमी सभ्यता और पश्चिमी भाषा को अपनाने की होड़ में तथा सिर्फ रोजगार के लिए शिक्षा पाने की सोच ने हम अपनी सभ्यता और मातृभाषा से दूर हो रहे हैं। ऐसी विपरीत परिस्थिती में मातृभाषा उर्दू की संरक्षण की जरूरत को समझते हुए इसके प्रति रूझान बढ़ाने का काम एक मुहिम के तहत होना चाहिए। इस संबंध में अंजुमन फरोग-ए-उर्दू सराहनीय कार्य कर रही हैं। उद्घाटन भाषण देते हुए उर्दू भाषा एवं साहित्य के विशेषज्ञ एवं सीनियर पत्रकार डॉ जफरुल्लाह सादिक ने कहा कि उर्दू के लिए और अहले उर्दू के लिए काम करने वाले मौलाना मोहम्मद हबीब जो हमारे लिए प्रेरणा स्रोत है उनकी की याद में कार्यक्रम करना उच्च मानसिकता का धोतक है। ऐसी परंपरा कायम रहनी चाहिए। विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ कांग्रेसी नेता तारिक अनवर ने कहा कि अपनी मातृभाषा की संरक्षण और विकास के लिए उसे शिक्षा का माध्यम बनाना कम से कम एक पत्र के तौर पर पढ़ना लिखना जरूरी है। हमें अंजुमन फरोग-ए-उर्दू के प्रयास में सहभागी बनना चाहिए। विशिष्ट अतिथि जकाउल्लाह ने कहा कि जागरूकता अभियान चलाकर उर्दू नहीं पढ़ने वाले बच्चों को उर्दू पढ़ने लिखने के लिए जागरूक करना और उर्दू पढ़ने वालों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। जो कि अंजुमन फरोग-ए-उर्दू के लोग रामगढ़ जिले में बखूबी कर रहे हैं।

समीक्षा बैठक के बाद सिविल सर्जन से संतुष्ट हुआ कर्मचारी संघ, आंदोलन स्थगित

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

देवघर। वेतन भुगतान सहित विभिन्न मांगों को लेकर आंदोलन की चेतावनी देने वाले झारखंड चिकित्सा एवं जन स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने सिविल सर्जन की कार्रवाई और प्रगति से संतुष्टि जताते हुए प्रस्तावित आंदोलन को स्थगित कर दिया है। जानकारी के अनुसार, आंदोलन से संबंधित मांग पत्र पर त्वरित संज्ञान लेते हुए सिविल सर्जन डॉ. रमेश कुमार ने संघ के जिलाध्यक्ष के साथ वार्ता की और सभी बिंदुओं पर विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों को लंबित मामलों को शीघ्र निष्पादन करने का निर्देश दिया। संघ के पदाधिकारियों ने सिविल सर्जन द्वारा की गई कार्रवाई और कार्य प्रगति की समीक्षा के बाद संतोष व्यक्त किया तथा उन पर विश्वास जताते हुए 18 मई 2026 को काला बिल्ला लगाकर कार्य करने और 19 मई 2026 को प्रस्तावित कलम बंद हड़ताल को तत्काल प्रभाव से स्थगित करने का निर्णय लिया। संघ के जिलाध्यक्ष ने बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जसीडीह के कर्मचारियों का वेतन भुगतान पहले ही कर दिया गया है।

जेईई एडवांस परीक्षा संपन्न, आईआईटी (आईएसएम) बनी छात्रों की पहली पसंद

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

धनबाद। देश के प्रतिष्ठित 23 आईआईटी सहित अन्य शीर्ष तकनीकी संस्थानों में नामांकन के लिए रविवार को जेईई एडवांस परीक्षा आयोजित की गई। धनबाद में परीक्षा के लिए दो केंद्र बनाए गए थे, जहां सुबह से ही परीक्षार्थियों की भीड़ देखने को मिली। परीक्षा दो पालियों में हुई और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर केंद्रों पर विशेष सतर्कता बरती गई। पहली पाली की परीक्षा सुबह ०9 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित की गई। परीक्षा शुरू होने से काफी पहले ही छात्र-छात्राएं केंद्रों पर पहुंच गए थे। प्रवेश से पहले सभी अभ्यर्थियों की कड़ी जांच की गई और बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन की प्रक्रिया पूरी की गई। परीक्षा केंद्रों के बाहर अभिभावकों की भी भारी भीड़ देखने को मिली। पहली पाली की परीक्षा खत्म होने के बाद बाहर निकले छात्रों ने पेपर को संतुलित बताया। अधिकांश परीक्षार्थियों के अनुसार इस बार मैथ और फिजिक्स सेक्शन में कुछ सवाल चुनौतीपूर्ण थे, जबकि केमिस्ट्री अपेक्षाकृत आसान रही। छात्रों का कहना था कि नियमित तैयारी करने वालों के लिए पेपर ज्यादा कठिन नहीं था। भूली निवासी परीक्षार्थी कुमार राज ने बताया कि उनकी परीक्षा काफी अच्छी गई है और उन्हें अच्छे अंकों के साथ क्वालिफाई करने की उम्मीद है।

सदर अस्पताल में विश्व उच्च रक्तचाप दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम

चतरा। सदर अस्पताल में रविवार को विश्व उच्च रक्तचाप दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन सिविल सर्जन डॉ. सतेंद्र कुमार सिन्हा एवं उपाधीक्षक डॉ. पंकज कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस मौके पर अस्पताल परिसर में स्वास्थ्यकर्मियों, चिकित्सकों एवं मरीजों को उच्च रक्तचाप से बचाव और नियमित जांच के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिविल सर्जन ने कहा कि बदलती जीवनशैली, तनाव, अनियमित खानपान और शारीरिक गतिविधियों की कमी के कारण उच्च रक्तचाप की समस्या तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने लोगों से नियमित रूप से ब्लड प्रेशर जांच कराने, संतुलित भोजन लेने, नमक का सीमित सेवन करने तथा प्रतिदिन व्यायाम करने की अपील की। उन्होंने कहा कि समय पर जांच और उपचार से हृदय रोग, स्ट्रोक एवं अन्य गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है। उपाधीक्षक डॉ. पंकज कुमार ने कहा कि उच्च रक्तचाप को ह्लसाइलेंट किलरह्व कहा जाता है, क्योंकि इसके शुरूआती लक्षण आसानी से दिखाई नहीं देते। इसलिए हर व्यक्ति को समय-समय पर अपना रक्तचाप जांच कराना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान अस्पताल पहुंचे मरीजों एवं उनके परिजनों का निःशुल्क रक्तचाप जांच किया गया। साथ ही लोगों को स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारी भी दी गई। मौके पर अस्पताल के कई चकित्सक, एएनएम, स्वास्थ्यकर्मी एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

गौवंश ले जा रहा टाटा मैजिक जब्त, पांच गौवंश रेस्क्यू

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

धनबाद। धनबाद के बिनोद बिहारी चौक के समीप रविवार की सुबह कथित गौ तस्करी के आरोप में लोगों ने एक टाटा मैजिक वाहन को पकड़ लिया। वाहन में गौवंशों को कथित रूप से ठूंस-ठूंस कर ले जाया जा रहा था। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और वाहन सहित पांच गौवंशों को कब्जे में लेकर धनबाद थाना ले गई। मामले में झारखंड गौहत्या प्रतिषेध अधिनियम और परिवहन नियमों के तहत कार्रवाई की मांग की जा रही है। पवित्रम सेवा दल के सदस्यों के अनुसार रविवार की सुबह बिनोद बिहारी चौक के पास लोगों को तेज रफ्तार से गुजर रहे एक टाटा मैजिक वाहन पर संदेह हुआ। जब स्थानीय लोगों ने वाहन को रोकने का प्रयास किया तो चालक कथित रूप से वाहन लेकर भागने लगा। इसके बाद दुकानदारों और राहगीरों की मदद से वाहन को रोक लिया गया। वाहन की जांच करने पर उसमें 10 गौवंश पाए गए। इनमें पांच दुधारू गाय, चार बछड़ियां और एक बछड़ा शामिल थे। आरोप है कि सभी गौवंशों को बेरहमी से बांधकर रखा गया था और वाहन में चारा-पानी की भी कोई व्यवस्था नहीं थी। वाहन को तिरपाल से पूरी तरह ढंका गया था। स्थानीय लोगों का कहना है कि चालक कोई वैध कागजात और ड्राइविंग लाइसेंस भी नहीं दिखा सका। इसी दौरान कथित रूप से कुछ लोगों की मदद से पांच दुधारू गाय मौके से भगा दी गईं। सूचना मिलने पर पुलिस और जीव-जंतु कल्याण बोर्ड की टीम मौके पर पहुंची और शेष बचे पांच गौवंशों को रेस्क्यू कर धनबाद थाना ले गई। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

जेजेए के प्रदेश अध्यक्ष बने अभय लाभ, महासचिव संजीव समीर

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

कोडरमा। कुजू अक्षत बैंक्वेट हॉल में गहमागहमी के साथ जेजेए के प्रदेश अध्यक्ष और महासचिव की घोषणा रविवार को हुई। प्रदेश अध्यक्ष अभय कुमार लाभ और प्रदेश महासचिव संजीव समीर को बनाया गया। वहीं कोषाध्यक्ष के रूप में सुभाशीष झा की घोषणा की गयी। कार्यक्रम का उद्घाटन झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन के संस्थापक शाहनवाज हसन, पूर्व अध्यक्ष विष्णु शंकर उपाध्याय, प्रदेश कमेटी के वरीय पदाधिकारी, विभिन्न जिला के अध्यक्ष और महासचिव ने दीप प्रज्वलित कर संयुक्त रूप से किया। रामगढ़ जिला इकाई कमेटी की ओर से अतिथियों को बुके और माला पहनाकर सम्मानित किया गया। उद्घाटन के बाद संगठन के मजबूती पर वक्ताओं ने अपने अनुभव और विचार रखे। बीएसपीएस और जेजेए के संस्थापक शाहनवाज हसन ने कहा कि संगठन में ताकत है और हम संगठित रहेंगे तो ही सुरक्षित रहेंगे। उन्होंने संगठन की स्थापना से लेकर अबतक की गतिविधियों और आगे की कार्य योजना पर प्रकाश डाला। वहीं पूर्व अध्यक्ष विष्णुशंकर उपाध्याय ने कहा कि यूनियन पत्रकार हित में सदैव आगे है और संगठन का उद्देश्य पत्रकारों को संरक्षण और सुरक्षा देना है। इस दौरान प्रदेश कमेटी के नवनिर्वाचित अध्यक्ष अभय कुमार लाभ और महासचिव संजीव समीर को बुके देकर और माला पहनाकर स्वागत किया गया। दोनों ने यूनियन का सभी जिले में विस्तार करने और पूरी कार्यकारिणी की जल्द घोषणा करने की बात कही। कार्यक्रम को प्रदेश सचिव जावेद इस्लाम, हजारीबाग अध्यक्ष कृष्णा गुप्ता, कोडरमा अध्यक्ष कुमार रमेशम, महासचिव अनिल सिंह, शौकत खान ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में रामगढ़ जिला इकाई कमेटी के सभी सदस्यों की भूमिका रही। इस मौके पर राजीव गुप्ता, अजय कुमार, अर्जुन सोनी, भावेश मिश्रा, अभय सिंह, अजय मिश्रा, संजय कुमार यादव, सोनी कुमारी, मासूम अंसारी, राकेश सिंह, रामकृष्ण मेहता, संजय कुमार, अर्जुन साव, सुभाशीस झा, जयदीप सिंह, रवि कुमार, रंजीत कुमार सिंह सहित अन्य पत्रकार मौजूद थे।

जीजा-साली के प्रेम में हाई वोल्टेज ड्रामा : दो दिन तक मोबाइल टावर पर चढ़ा रहा प्रेमी युगल

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

धनबाद। धनबाद और गिरिडीह जिले में जीजा-साली के प्रेम प्रसंग को लेकर दो दिनों तक हाई वोल्टेज ड्रामा चलता रहा। पहले शादीशुदा युवक सुनील महतो गिरिडीह के निमियाघाट थाना क्षेत्र स्थित मोबाइल टावर पर चढ़ गया, वहीं अगले दिन रविवार को उसकी प्रेमिका और रिश्ते में साली लगने वाली देवंती कुमारी धनबाद जिले के हरिहरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत गोमो के सिकलाईन इलाके में मोबाइल टावर पर चढ़ गई। जानकारी के अनुसार, युवती अपने प्रेमी सुनील महतो को पुलिस हिरासत से छोड़ने और उससे शादी कराने की मांग कर रही थी। युवती के टावर पर चढ़ने की खबर फैलते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए। स्थानीय लोगों और पुलिस ने काफी देर तक समझाने-बुझाने का प्रयास किया, जिसके बाद युवती सुरक्षित नीचे उतरी। बताया जा रहा है कि एक दिन पहले ही प्रेमी सुनील महतो शादी की जिद को लेकर गिरिडीह जिले के निमियाघाट थाना के पीछे स्थित मोबाइल टावर पर चढ़ गया था। कई घंटों की मशक्कत के बाद पुलिस ने उसे नीचे उतारा था। युवक पहले से शादीशुदा बताया जा रहा है, लेकिन इसके बावजूद दोनों के बीच लंबे समय से प्रेम संबंध चल रहा है। स्थानीय मुखिया अहमद अली ने बताया कि युवती काफी देर तक टावर पर चढ़ी रही। पुलिस और ग्रामीणों के समझाने के बाद वह नीचे उतरने को तैयार हुई।

संपादकीय

शांति की राह...

मणिपुर पिछले तीन वर्षों से जातीय हिंसा और अस्थिरता की आग में झुलस रहा है। मैतेई समुदाय और कुकी समुदाय के बीच शुरू हुआ संघर्ष अब केवल सामाजिक तनाव तक सीमित नहीं रह गया, बल्कि यह राज्य की प्रशासनिक क्षमता, राजनीतिक इच्छाशक्ति और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। सैकड़ों लोगों की मौत, हजारों परिवारों का विस्थापन और लगातार हो रही उग्रवादी घटनाएं यह संकेत देती हैं कि स्थिति अभी भी नियंत्रण से दूर है। बीते दिनों कांगपोकपी जिले में उग्रवादियों द्वारा किए गए हमले में तीन लोगों की हत्या और कई नागरिकों के घायल होने की घटना ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि राज्य में शांति बहाली के दावे जमीनी स्तर पर कमजोर पड़ चुके हैं। घटना के विरोध में राष्ट्रीय राजमार्ग-2 को बंद कर दिया गया, जो मणिपुर को देश के अन्य हिस्सों से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण मार्ग है। यह केवल एक सड़क जाम नहीं, बल्कि लोगों के भीतर बढ़ते असुरक्षा और अविश्वास का प्रतीक है। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि भारी संख्या में केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती और लगातार सुरक्षा अभियानों के बावजूद हिंसा क्यों नहीं रुक पा रही है? इसका उत्तर केवल कानून-व्यवस्था के दायरे में नहीं, बल्कि राजनीतिक और सामाजिक विफलताओं में छिपा है। सरकारें अब तक संघर्षरत समुदायों को प्रभावी संवाद की मेज पर लाने में असफल रही हैं। शांति समझौते और बैठकों की घोषणाएं हुई, लेकिन उनमें भरोसे और समाधान की वास्तविक भावना दिखाई नहीं दी। दरअसल, मणिपुर संकट की जड़ केवल जातीय पहचान का टकराव नहीं है। इसके पीछे भूमि अधिकार, राजनीतिक प्रतिनिधित्व, संसाधनों पर नियंत्रण और सुरक्षा को लेकर गहरा असंतोष मौजूद है। जब तक इन मूल मुद्दों पर ईमानदारी से बातचीत नहीं होगी, तब तक हिंसा के चक्र को तोड़ पाना मुश्किल रहेगा। वर्तमान स्थिति में दोनों समुदायों के बीच अविश्वास इतना बढ़ चुका है कि छोटी-सी घटना भी बड़े संघर्ष का रूप ले लेती है। यह भी चिंता का विषय है कि जब-जब स्थिति सामान्य होने की उम्मीद बनती है, कोई न कोई उग्रवादी हमला पूरे राज्य को फिर अशांति में धकेल देता है। इससे साफ है कि राज्य में सक्रिय सशस्त्र समूह अब भी प्रभावी हैं और सुरक्षा एजेंसियां उन्हें पूरी तरह नियंत्रित नहीं कर पा रही हैं। केवल सैन्य उपस्थिति से शांति स्थापित नहीं होती; उसके लिए राजनीतिक संवाद, सामाजिक पुनर्समझौता और प्रशासनिक निष्पक्षता आवश्यक होती है। केंद्र और राज्य सरकारों को अब औपचारिक बयानों से आगे बढ़कर ठोस पहल करनी होगी। सबसे पहले दोनों समुदायों के प्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और नागरिक समूहों को विश्वास के साथ संवाद प्रक्रिया में शामिल करना जरूरी है। विस्थापित लोगों के पुनर्वास, राहत शिविरों की स्थिति सुधारने और युवाओं को हिंसा से दूर रखने के लिए विशेष योजनाएं बनाई जानी चाहिए। साथ ही उग्रवादी संगठनों के खिलाफ सख्त और निष्पक्ष कार्रवाई भी आवश्यक है।

क्या अब बदल जाएगी भारत की प्रवेश परीक्षा व्यवस्था?

एम. जगदेश कुमार

> *इसी संदर्भ में नीट 2026 की स्थिति को राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी के व्यापक रिकॉर्ड के साथ भी देखा जाना चाहिए। इसकी स्थापना के बाद से पेपर लीक संबंधी चिंताओं के कारण पूरी परीक्षा रद्द होने की घटनाएं बहुत कम रही हैं, जिनमें यूजीसी-नेट जून 2024 का मामला और वर्तमान प्रकरण अपवाद हैं। यूजीसी-नेट के मामले में परीक्षा को संभावित गड़बड़ी के संदेह में रद्द किया गया और दोबारा आयोजित किया गया। इसी प्रकार, नीट (यूजी) 2024 में व्यापक आरोपों के बावजूद सर्वोच्च न्यायालय ने पूरे देश में परीक्षा रद्द करने की सिफारिश नहीं की और यह कहा कि किसी तंत्रगत उल्लंघन का पर्याप्त प्रमाण सामने नहीं आया। विगत वर्षों के दौरान राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने प्रक्रियाओं को मजबूत करने की दिशा में कई ठोस काम किए हैं, जैसे पहचान सत्यापन को बेहतर बनाना, संचालन संबंधी नियमों को सख्त करना और शिकायत निवारण प्रणाली को मजबूत करना। गौरतलब है कि लाखों अभ्यर्थी परीक्षाएं देते हैं, उत्तर कुंजी देखते हैं, आपत्तियां उठाते हैं और निर्धारित समय-सीमा के भीतर परिणाम प्राप्त करते हैं। यह दशार्ता है कि यह व्यवस्था विशिष्ट पैमाने पर काम करते हुए लगातार विकसित और अनुकूलित हो रही है।*

भारत में प्रवेश परीक्षा केवल एक परीक्षा भर नहीं होती, बल्कि यह महीनों या अक्सर वर्षों की अनुशासित तैयारी की परिणति होती है। जब ऐसी परीक्षा बाधित हो जाती है, जैसा कि नीट 2026 के संदर्भ में सामने आया है, तो यह निस्संदेह चिंता का विषय है। पेपर लीक संबंधी आशंकाएं निर्मूल नहीं हैं। मगर इसके कारण परीक्षा रद्द होने से ईमानदारी से तैयारी करने वाले विद्यार्थियों और उनका साथ देने वाले अभिभावकों के न केवल सपने टूटे, बल्कि उनकी सारी मेहनत पर भी पानी फिर गया। उनके लिए यह अनिश्चितता चिंताजनक है। इस मुद्दे पर किसी भी तरह का मार्गदर्शन उनके प्रति सहानुभूति की भावना से होना चाहिए। इसके बाद जो आलोचना सामने आई है, वह समझ में आती है। फिर भी, यह आवश्यक है कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) को जो कार्य करना होता है, उसके पैमाने और जटिलता को भी समझा जाए।

हर वर्ष एनटीए परीक्षाओं की एक विस्तृत श्रृंखला आयोजित करता है - जेईई (मेन), नीट (यूजी) और सीयूईटी (यूजी) जैसे स्नातक प्रवेश से लेकर सीयूईटी (पीजी) और सीमैट जैसे स्नातकोत्तर परीक्षण तथा यूजीसी-नेट जैसी पात्रता परीक्षा तक। इन परीक्षाओं में हर वर्ष लगभग 80 लाख अभ्यर्थी शामिल होते हैं, जो कभी-कभी एक करोड़ से अधिक तक पहुंच जाते हैं। कई अभ्यर्थी एक से अधिक परीक्षा में बैठते हैं, जिससे संचालन संबंधी जटिलता और बढ़ जाती है। विषयों की विविधता, अभ्यर्थियों की पृष्ठभूमि, परीक्षा प्रारूपों और समय-सीमाओं की भिन्नता इस पूरी प्रक्रिया को चुनौतीपूर्ण बना देती है। इन परीक्षाओं का प्रबंधन बड़े पैमाने का 'लॉजिस्टिकइ और सुरक्षा संचालन भी है। इसमें हजारों केंद्रों का समन्वय, प्रश्नपत्रों की सुरक्षित साज-संभाल, अभ्यर्थियों की पहचान का सत्यापन, सूचना प्रौद्योगिकी प्रणालियों का संचालन, शिकायतों का निपटान और सघन समय-सीमा में परिणाम तैयार करना शामिल है। ऐसी जटिल व्यवस्था को निरंतरता के साथ संचालित करना राष्ट्रीय स्तर की चुनौती है। इसे समझने और गंभीरता से लेने की जरूरत है।

इसी संदर्भ में नीट 2026 की स्थिति को राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी के व्यापक रिकॉर्ड के साथ भी देखा जाना चाहिए। इसकी स्थापना के बाद से पेपर लीक संबंधी चिंताओं के कारण पूरी परीक्षा रद्द होने की घटनाएं बहुत कम रही हैं, जिनमें यूजीसी-नेट जून 2024 का मामला और वर्तमान प्रकरण अपवाद हैं। यूजीसी-नेट के मामले में परीक्षा को संभावित गड़बड़ी के संदेह में रद्द किया गया और दोबारा आयोजित किया गया। इसी प्रकार, नीट (यूजी) 2024 में व्यापक आरोपों के बावजूद सर्वोच्च न्यायालय ने पूरे देश में परीक्षा रद्द करने की सिफारिश नहीं की और यह कहा कि किसी तंत्रगत उल्लंघन का पर्याप्त प्रमाण सामने नहीं आया। विगत वर्षों के दौरान राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने प्रक्रियाओं को मजबूत करने की दिशा में कई ठोस काम किए हैं, जैसे पहचान सत्यापन को बेहतर बनाना, संचालन संबंधी नियमों को सख्त करना और शिकायत निवारण प्रणाली को मजबूत करना। गौरतलब है कि लाखों अभ्यर्थी परीक्षाएं देते हैं, उत्तर कुंजी देखते हैं, आपत्तियां उठाते हैं और निर्धारित समय-सीमा के भीतर परिणाम प्राप्त करते हैं। यह दशार्ता है कि यह व्यवस्था विशिष्ट पैमाने पर काम करते हुए लगातार विकसित और अनुकूलित हो रही है।

हालांकि, नीट का अनुभव यह भी दशार्ता है कि एक ही दिन देशव्यापी परीक्षा को कागज-कलम स्वरूप में आयोजित करना जोखिम से कम नहीं है। बाईस लाख से अधिक अभ्यर्थियों के लिए प्रश्नपत्रों की तैयारी, छपाई, भंडारण और उनके परिवहन की प्रक्रिया व्यापक है और हर चरण संभावित कमजोरियों को जन्म देता है। ऐसे में एक छोटी-सी चूक भी बड़ा प्रभाव डाल सकती है और सार्वजनिक विश्वास को भी प्रभावित कर सकती है, जैसा कि पिछले दिनों देखा गया। जब इतना कुछ एक ही दिन पर निर्भर हो जाता है, तो व्यवस्था स्वाभाविक रूप से नाजुक हो जाती है। इसलिए नीट 2026 से जो सबक मिलता है, वह यह है कि एकल बिंदु पर निर्भरता को कम किया जाए। यह अब जरूरी हो गया है। हालांकि, इसका परखा हुआ एक विकल्प पहले से मौजूद है। एनटीए ने जेईई (मेन) और सीयूईटी जैसी बड़ी परीक्षाओं को कंप्यूटर-आधारित मोड में अनेक दिनों और सत्रों में सफलतापूर्वक आयोजित किया है। यह तरीका भौतिक रूप से प्रश्नपत्रों को लाने-ले जाने की चिंता को काफी हद तक कम कर देता है। इस लिहाज से देखें, तो प्रश्नपत्रों की बड़े पैमाने पर छपाई और परिवहन समाप्त होने से एक बड़े जोखिम को समाप्त किया जा सकता है। इस पर अमल होना चाहिए। बहु-सत्रीय परीक्षा प्रणाली लचीलापन भी प्रदान करती है। यदि किसी विशेष सत्र में व्यवधान आता है, तो उसे स्थानीय स्तर पर दुरुस्त किया जा सकता है, वह भी पूरे परीक्षा चक्र को प्रभावित किए बिना। लाखों अभ्यर्थियों से जुड़ी राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षाओं में यह क्षमता अत्यंत महत्त्वपूर्ण होती है। निस्संदेह, कंप्यूटर-आधारित परीक्षा अपने साथ कुछ चुनौतियां भी लाती है, परंतु अनुभव बताता है कि इन्हें प्रबंधित किया जा सकता है और इससे संपूर्ण प्रणाली अधिक सुदृढ़ बनती है।

डॉ. के. राधाकृष्णन की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति ने एक स्पष्ट और संतुलित मार्गदर्शन किया है। समिति के प्रमुख सुझावों में बड़े पैमाने की परीक्षाओं के लिए बहु-सत्रीय प्रणाली और पारदर्शी सामान्यीकरण पद्धति का उपयोग शामिल है। साथ ही, कंप्यूटर-सहायता प्राप्त सुरक्षित कागज-कलम परीक्षा (सीपीपीटी) का प्रस्ताव भी दिया गया है, जिसमें प्रश्नपत्रों को सुरक्षित रूप से केंद्रों तक भेजकर वहीं मुद्रित किया जाए, जिससे उनके साज-संभाल और परिवहन से जुड़े जोखिम कम हों तथा पेपर लीक जैसी घटनाएं न हों। इन सभी सुझावों को मिलाकर देखें, तो यह स्पष्ट होता है कि नीट को बहु-सत्रीय कंप्यूटर-आधारित प्रणाली की ओर चरणबद्ध तरीके से ले जाना अब आवश्यक है। ऐसी व्यवस्था में पूरी परीक्षा रद्द किए बिना सभी अड़चनों का समाधान संभव होगा। इससे निरंतरता और निष्पक्षता सुनिश्चित होगी। विद्यार्थियों का भी भरोसा बढ़ेगा। इन सबके अलावा एक चिंता सत्रों के बीच निष्पक्षता की भी है। बहु-सत्रीय परीक्षाओं में प्रश्नपत्र में कुछ अंतर हो सकता है, लेकिन इसे सामान्यीकरण के माध्यम से संतुलित किया जाता है। यह सांख्यिकीय पद्धति सुनिश्चित करती है कि किसी भी छात्र को उसके सत्र के कारण लाभ या हानि न हो। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी पहले से ही जेईई (मेन) और सीयूईटी जैसी परीक्षाओं में इस पद्धति का सफल उपयोग कर रही है। वास्तव में, सामान्यीकरण एक ऐसी व्यवस्था है जो 'सत्रीय लाभइ से छात्रों की रक्षा करती है और विभिन्न सत्रों के अंकों को एक समान आधार पर लाती है। इसकी मूल शर्त पारदर्शिता है। इसमें यह स्पष्ट रूप से बताया जाना चाहिए कि यह प्रक्रिया कैसे काम करती है और निष्पक्षता कैसे सुनिश्चित की जाती है। विद्यार्थियों की इतनी बड़ी संख्या वाले देश में एक सशक्त राष्ट्रीय परीक्षा संस्था की आवश्यकता अनिवार्य है। इसलिए राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी को व्यापक आलोचना के माध्यम से कमजोर करने के बजाय ध्यान इस बात पर होना चाहिए कि नीट के लिए अधिक सुदृढ़ और लचीले तौर-तरीके अपनाए जाएं और ऐसी रूपरेखा तैयार की जाए, जो भारत के पैमाने के अनुरूप हो।

- लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं।

जब शब्द साथ छोड़ देते हैं, तब स्पर्श बोलता है...

महेश परिमल

इंसान को जिंदा होने, जुड़ाव और अपनेपन की अनुभूति कराने वाला एक गहरा शारीरिक और भावनात्मक अनुभव है स्पर्श। यह न केवल शारीरिक संवेदना है, बल्कि प्यार, सुकून और आत्मीयता का संकेत देने वाला आभास भी है, जो किसी के दूर होने पर भी यादों में महसूस किया जा सकता है। यह एक रूहानी अनुभव भी हो सकता है। स्पर्श को कभी शब्दों की आवश्यकता नहीं होती। वह अपने आप में ही एक पूरा शास्त्र है। अब बच्चों को भी बताया जाता है कि किस तरह के स्पर्श को किस तरह से लिया जाए। वे भी अब अच्छे स्पर्शइ और बुरे स्पर्शइ को समझने लगे हैं। इससे हटकर कई बातें ऐसी होती हैं, जिन्हें कहा नहीं जा सकता, बस एक स्पर्श ही काफी होता है पूरी बात बताने के लिए। स्पर्श मात्र से शरीर में ऊर्जा का संचार होता है। यह भावनाओं की अतल गहराइयों से अनुभव के मोती निकाल लाता है। यह दिल से दिल की बात करता है। इस स्पर्श को समझना भी मुश्किल है, पर इतना भी नहीं कि समझा ही न जा सके। हम सबको याद होगा कि किस तरह से असफल होने पर पिता ने हमारे सिर पर हाथ रखते हुए कहा था कि निराश होने की आवश्यकता नहीं है। जीवन में इस तरह की परिस्थितियां आती रहती हैं। इसका मतलब यह नहीं कि हार मान ली जाए। इसे पड़ाव मानो और कुछ आराम करने के बाद फिर निकल पड़ो। पिता के शब्द आज भले ही याद न हों, पर उनका वह स्पर्श आज भी सहसा याद आ जाता है।

आज हम भले उन हालात से दस कदम आगे हों, पर वह स्पर्श हमें सदैव यही याद दिलाता है कि हम भी कभी बेबस थे। उसी स्पर्श ने हमें संभाला। ऐसे कई पल होंगे, जो हमारे जीवन में आए होंगे। माता-पिता, भाई-बहन, दोस्त-साथी के स्पर्श पर उस समय हमने भले ही ध्यान नहीं दिया हो, पर आज वे सभी स्पर्श हमारी यादों में हैं। कई बार स्पर्श का जवाब स्पर्श ही होता है। हमने भी कई दफा अपनों को दिलासा देने के लिए उनके सिर पर हाथ रखा होगा। उनके कंधे थपथपाए होंगे। सामने वाले ने ऊर्जामय होकर हमसे विदाई ली होगी। स्पर्श से भावनाओं का संचार होता है। एक अनजाना या कोमल स्पर्श अंतर्मन के तारों को झंकृत कर देता है। वहां खुशियों के भाव जगा देता है। अपनी कोमल भावनाओं को व्यक्त करने का शक्तिशाली माध्यम है स्पर्श, जो बिना शब्दों के बहुत कुछ कह जाता है। स्पर्श केवल शरीर तक सीमित नहीं है, अगर गहराई से महसूस करें, तो एक स्पर्श रूह में उतर जाता है। रण के मैदान में जाने वाले किसी सैनिक को उसकी मां या पिता जब कंधे पर अपना हाथ रखते हुए कहते हैं कि आज देश को तुम्हारी जरूरत है, जाओ और दुनिया को बता दो कि हममें भी दम है, तो यही उसका सहारा बन जाता है और वह पूरी शक्ति से दुश्मन पर हावी हो जाता है। रिश्तों की गहराई को बढ़ाने में यही स्पर्श बहुत अहम भूमिका निभाते हैं।

बरसों से एक-दूसरे को फूटी आंख न सुहाने वाले भाई जब आपस में मिलते हैं, तो एक स्पर्श उनके दुराग्रह की दीवारों को क्षण भर में तोड़ देता है। मन की भड़ास आंसू बनकर बाहर आ जाती है। दोनों के दिलों में प्यार का सोता बह निकलता है। दोनों को आश्चर्य होता है कि अभी तक प्यार का यह सोता कहां छिपा था! स्पर्श एक अनुभूति है, जिसे शब्दों की आवश्यकता नहीं होती। स्पर्श ही है, जो दुराग्रह की दीवार को पल भर में गिरा देता है। यह संघर्षों को झेलने की शक्ति देता है। इसके सहारे इंसान पूरी जिंदगी काट लेता है। स्पर्श से हौसला-अफजाई होती है। यह भावनाओं के समुंदर को बहा ले जाता है। यह रुलाता है, हंसाता है और कभी-कभी ऐसी दुनिया में ले जाता है, जहां कोई पराया नहीं, सभी अपने होते हैं, अपनापन होता है। इसके अलावा, स्पर्श व्यक्ति को संघर्षों से लडे की शक्ति भी देता है। एक सैनिक जब युद्ध के मैदान में जाता है, तो उसके परिजनों का स्नेहिल स्पर्श उसके लिए प्रेरणा का स्रोत बनता है। वही स्पर्श उसे साहस और आत्मविश्वास प्रदान करता है, जिससे वह कठिन परिस्थितियों का सामना कर पाता है। स्पर्श का प्रभाव इतना व्यापक है कि यह मनुष्य के संपूर्ण व्यक्तित्व को प्रभावित करता है। स्पर्श के माध्यम से व्यक्ति अपने भीतर और दूसरों के भीतर छिपी भावनाओं को समझ पाता है। यह कहा जा सकता है कि स्पर्श एक ऐसी अनुभूति है, जो शब्दों और संकेतों से परे है। यह मनुष्य के जीवन का अभिन्न हिस्सा है, जो उसे भावनात्मक रूप से जोड़ता है और जीवन को सही मायने में अर्थपूर्ण बनाता है। आज के इस व्यस्त और यांत्रिक जीवन में, जहां लोग एक-दूसरे से दूर होते जा रहे हैं, वहां स्नेहपूर्ण स्पर्श की आवश्यकता और भी बढ़ जाती है। अपने जीवन में स्पर्श के महत्त्व को समझने तथा अपने स्नेहिल स्पर्श से दूसरों के जीवन में खुशी, उत्साह, साहस, करुणा और अपनापन भरने की जरूरत है। एक छोटा-सा स्पर्श किसी के जीवन में बड़ा परिवर्तन ला सकता है। यही स्पर्श मानवता का सबसे सुंदर और सशक्त माध्यम है।

- लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं।

आज का पंचांग

दैनिक पंचांग

18 मई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	वृष में
चंद्र	वृष में
मंगल	मेष में
बुध	वृष में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	मिथुन में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
वृष	05.07 बजे से
मिथुन	07.09 बजे से
कर्क	09.23 बजे से
सिंह	11.39 बजे से
कन्या	13.51 बजे से
तुला	16.01 बजे से
वृश्चिक	18.16 ब.से.
धनु	20.32 बजे से
मकर	22.37 बजे से
कुंभ	00.24 बजे से
मीन	01.57 बजे से
मेष	03.27 बजे से

सोमवार 2026 वर्ष का 138 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल
तिथि द्वितीया 17.54 बजे को समाप्त।
नक्षत्र रोहिणी 11.32 बजे को समाप्त।
योग सुकर्मा 21.48 बजे को समाप्त।
करण बालव 07.47 बजे, कौलव 17.54 बजे तदनन्तर तैतिल 04.04 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 1.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 19° 30'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872713
जूलियन दिन 2461178.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्हेज **तारीख** 01
विशेष रोहिणी व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8864

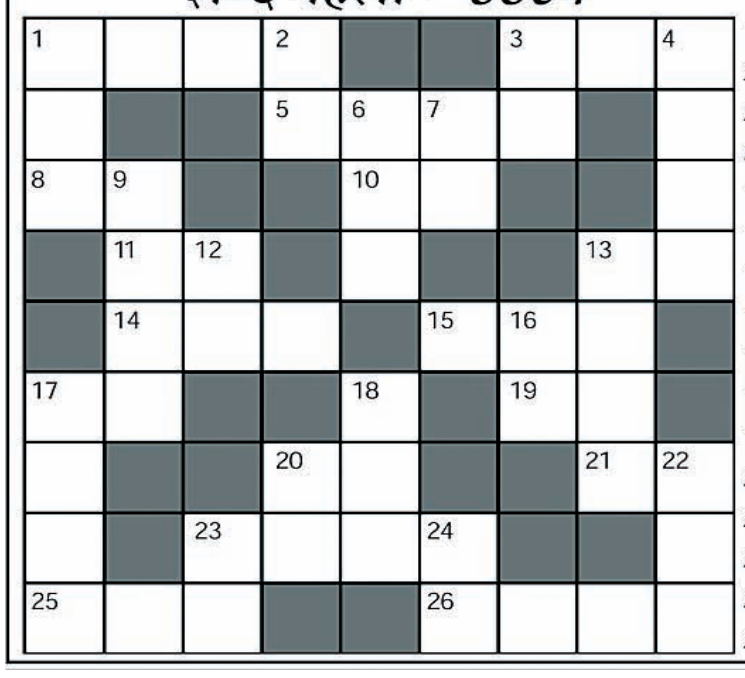

बाएँ से दाएँ

1. साले की पत्नी-4
3. उच्च कुल का -3
5. पाताल-4
8. व्यंग, चुटीली बात-2
10. दुख, कष्ट-2
11. शराब का प्याला-2
13. सत्य, तेज-2
14. जुड़वा-3
15. विश्राम, राहत-3
17. मक्का-मदीना की यात्रा-2
19. झुका हुआ-2
20. टैक्स, हाथ-2
21. होठ, अधर-2
23. सुरक्षित-4
25. नाश, विनाश, विध्वंस-3
26. निश्चित -4

ऊपर से नीचे

1. नदी-3
2. संपत्ति, धन-2
3. वंश, खानदान-2
4. उत्तमता, परिष्कृतता-4
6. समुद्र, दरिया-3
7. अंधकार-2
9. जो जायज न हो-4
12. संस्कृत में 'मेरा'-2
13. सपाट- 4
16. जांघ-2
17. पैगंबर, महापुरुष-4
18. रनिवास (उर्दू-3)
20. हुनर, फन-2
22. देह, काया-3
23. गलत का विलोम -2
24. निश्चित-2

शब्द पहेली - 8863 का हल

फि	त	र	त	■	स	ला	म	त
रं	■	त	ल	ब	गा	र	■	मी
गी	ला	■	■	द	■	■	ह	ज
■	ल	■	क	न	क	■	म	■
ध	कि	या	ना	■	या	या	व	र
■	ता	■	त	म	स	■	त	■
ऐ	ब	■	■	ना	■	■	न	न
न	■	ख	ल	ना	य	क	■	क
क	र	त	ब	■	म	ल	म	ल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सुडोकू

सूडोकु नवताल- 7798 ★★★★★ कठिनतम

		4			9			
	2			8	4			
8						3		
							9	4
	3						7	
5	6							
		7						9
			2	5			8	
			6			2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7797 का हल

5	9	1	2	8	4	3	6	7
6	4	2	3	5	7	9	1	8
8	3	7	9	6	1	4	2	5
4	7	5	8	2	6	1	9	3
3	6	9	7	1	5	8	4	2
1	2	8	4	3	9	7	5	6
7	5	6	1	9	8	2	3	4
9	8	3	5	4	2	6	7	1
2	1	4	6	7	3	5	8	9

तृषा को झटका!

● विजय से स्पेशल परमिशन के बाद भी 'करुप्पु' के शोज कैंसिल

तृष्णा कृष्णन और उनके फैंस को तगड़ा झटका लगा है। मुख्यमंत्री विजय से स्पेशल परमिशन के बावजूद एक्ट्रेस की फिल्म 'करुप्पु' के सुबह के शोज कैंसिल हो गए हैं। सूर्या और तृषा स्टारर यह फिल्म गुरुवार, 14 मई को ही सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। फिल्म के डायरेक्टर ने इस बीच एक भावुक पोस्ट किया है। तृषा कृष्णन और सूर्या को बड़ा झटका लगा है। उनकी फिल्म 'करुप्पु' जहां गुरुवार, 14 मई को रिलीज हुई है, वहीं मुख्यमंत्री विजय से स्पेशल परमिशन के बावजूद सुबह 9 बजे के फर्स्ट डे फर्स्ट शो को कैंसिल कर दिया गया है। शोज के रद्द होने की बात खुद फिल्म के प्रोड्यूसर एसआर प्रभु ने सोशल मीडिया पर बताई है। इस खबर ने यकीनन तृषा और सूर्या के फैंस को भी निराश किया है, क्योंकि दोनों 21 साल बाद पर्दे पर एकसाथ लौटे हैं। 'करुप्पु' के बीते कुछ दिनों से लगातार चर्चा में रहने की एक वजह तृषा कृष्णन भी हैं, जो लगातार थलपति विजय के साथ करीबी रिश्ते, उनके चुनावी सफर और मुख्यमंत्री बनने के दौरान साथ नजर आईं। दो दिन पहले मंगलवार को ही मेकर्स ने विजय को शुक्रिया अदा करते हुए पोस्ट किया था, जिसमें फिल्म के सुबह के शोज के लिए मुख्यमंत्री ने स्पेशल परमिशन दी थी। 'करुप्पु' के प्रोड्यूसर एसआर प्रभु ने ङ्क पर बुधवार देर रात एक पोस्ट किया। बताया कि कुछ ऐसे कारण हैं, जिन्हें टाला नहीं जा सकता, इसलिए 'करुप्पु' के सुबह 9 बजे के शो रद्द किए जा रहे हैं। उन्होंने इसके लिए सभी से तहे दिल से माफी भी मांगी।

हनु-मान के बाद अब

महाकाली में दिखेंगे रोहित

मुंबई आरकेडी स्टूडियोज और फिल्ममेकर प्रशांत वर्मा की फिल्म 'महाकाली' को लेकर उत्साह लगातार बढ़ता जा रहा है। 'हनु-मान' की दुनिया के अगले अध्याय 'महाकाली' से अब अभिनेता रोहित सराफ जुड़ गए हैं। यही नहीं, रोहित ने इस फिल्म के लिए हैदराबाद में शूटिंग भी शुरू कर दी है, जिससे फिल्म की कहानी को एक नया मोड़ मिल गया है। गौरतलब है कि रोहित सराफ के जुड़ने से फिल्म की स्टारकास्ट और मजबूत हो गई है। खासकर नॉर्थ इंडिया में उनकी अच्छी फैन फॉलोइंग है, जो फिल्म को व्यापक दर्शक वर्ग तक पहुंचाने में मदद करेगी। हालांकि फिल्म में अक्षय खन्ना और भूमि शेट्टी भी अहम भूमिकाओं में नजर आनेवाले हैं और दोनों कलाकारों के फर्स्ट लुक पहले ही दर्शकों के बीच उत्सुकता पैदा कर चुके हैं। फर्स्ट लुक के ज़रिए उनके दमदार और इंटेंस अंदाज को देखते हुए फिल्म से दर्शकों की उम्मीदें काफी बढ़ गई हैं। भव्य स्तर पर बनाई जा रही 'महाकाली' का निर्माण आरके दुग्गल और रिवाज रमेश दुग्गल द्वारा आरकेडी स्टूडियोज़ के बैनर तले किया जा रहा है। यह फिल्म प्रशांत वर्मा की उस सिनेमैटिक यूनिवर्स का हिस्सा है, जिसे 'हनु-मान' की सफलता के बाद और आगे बढ़ाया जा रहा है। फिलहाल फिल्म की शूटिंग तेजी से आगे बढ़ रही है और इसे आने वाले समय की सबसे बहुप्रतीक्षित पैन-इंडिया फिल्मों में से एक माना जा रहा है।

● हैदराबाद में पूरा किया फिल्म का बड़ा शेड्यूल

● सलमान खान ने किया लॉन्च

ऐश्वर्या राय से हुई तुलना

बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री में यूं तो हर कलाकार काफी टैलेंटेड और यूनिक रहे हैं लेकिन कुछ कलाकार ऐसे भी रहे हैं जिन्हें अपनी सिमलैरिटीज के लिए जाना जाता रहा है. इन कलाकारों में एक नाम स्नेहा उल्लाल का है. उनकी शक्ल देख लोगों को ऐश्वर्या राय बच्चन से कन्फ्यूज हो जाते हैं. क्या आप जानते हैं कि अब ऐश्वर्या जैसी दिखने वाली एक्ट्रेस स्नेहा उल्लाल कहां हैं.

● 21 साल पहले करियर शुरू करने वाली एक्ट्रेस अब कहां?

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान और ऐश्वर्या राय 2000 की शुरुआत में काफी करीब आ गए थे और दोनों के बीच की नजदीकियां किसी से छिपी नहीं हैं. लेकिन दोनों के बीच बाद में बात बिगड़ गई और वे अलग हो गए. इसके कुछ समय बाद ही सलमान खान एक नई फिल्म लेकर आए लेकिन इस फिल्म में ऐश्वर्या तो नहीं थीं, उनके जैसी दिखने वाली एक्ट्रेस जरूर थी. बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान और ऐश्वर्या राय 2000 की शुरुआत में काफी करीब आ गए थे और दोनों के बीच की नजदीकियां किसी से छिपी नहीं हैं. लेकिन दोनों के बीच बाद में बात बिगड़ गई और वे अलग हो गए. इसके कुछ समय बाद ही सलमान खान एक नई फिल्म लेकर आए लेकिन इस फिल्म में ऐश्वर्या तो नहीं थीं, उनके जैसी दिखने वाली एक्ट्रेस जरूर थी.

जब साल 2005 में सलमान खान की फिल्म लकी-नो टाइम टू लव रिलीज हुई थी उस दौरान सभी फिल्म की लीड एक्ट्रेस को देखकर हैरान रह गए थे. सलमान के जीवन से ऐश्वर्या तो जा चुकी थीं और उनकी फिल्मों में भी नहीं थीं. लेकिन लकी फिल्म की लीड एक्ट्रेस स्नेहा उल्लाल को देख जनता को अपनी आखों पर यकीन नहीं हुआ. जब साल 2005 में सलमान खान की फिल्म लकी-नो टाइम टू लव रिलीज हुई थी उस दौरान सभी फिल्म की लीड एक्ट्रेस को देखकर हैरान रह गए थे. सलमान के जीवन से ऐश्वर्या तो जा चुकी थीं और उनकी फिल्मों में भी नहीं थीं. लेकिन लकी फिल्म की लीड एक्ट्रेस स्नेहा उल्लाल को देख जनता को अपनी आखों पर यकीन नहीं हुआ. स्नेहा उल्लाल हूबहू ऐश्वर्या की तरह ही दिखती थीं और उनकी आंखें भी वैसी ही थीं. भले ही ये फिल्म सिनेमाघरों में अच्छा परफॉर्म नहीं कर सकी थी लेकिन इसके बाद भी इस फिल्म से स्नेहा उल्लाल को काफी फायदा हुआ था. उन्हें सलमान खान की एक्ट्रेस और ऐश्वर्या राय की कार्बन कॉपी कहकर बुलाया जाने लगा था. स्नेहा उल्लाल हूबहू ऐश्वर्या की तरह ही दिखती थीं और उनकी आंखें भी वैसी ही थीं. भले ही ये फिल्म सिनेमाघरों में अच्छा परफॉर्म नहीं कर सकी थी लेकिन इसके बाद भी इस फिल्म से स्नेहा उल्लाल को काफी फायदा हुआ था. उन्हें सलमान खान की एक्ट्रेस और ऐश्वर्या राय की कार्बन कॉपी कहकर बुलाया जाने लगा था. स्नेहा उल्लाल की बात करें तो एक्ट्रेस का जन्म ओमन में हुआ था और वे 38 साल की हैं. उन्होंने सलमान खान की फिल्म लकी से अपने करियर की शुरुआत की थी. और उनकी डेब्यू फिल्म की उनके करियर की सबसे पॉपुलर फिल्म साबित हुई. इसके बाद उन्होंने आर्यन और क्लिक जैसी हिंदी फिल्म कीं. वहीं वे कुछ तेलुगु, कन्नड़, इंग्लिश और बंगाली फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं. स्नेहा उल्लाल की बात करें तो एक्ट्रेस का जन्म ओमन में हुआ था और वे 38 साल की हैं. उन्होंने सलमान खान की फिल्म लकी से अपने करियर की शुरुआत की थी. और उनकी डेब्यू फिल्म की उनके करियर की सबसे पॉपुलर फिल्म साबित हुई. इसके बाद उन्होंने आर्यन और क्लिक जैसी हिंदी फिल्म कीं. वहीं वे कुछ तेलुगु, कन्नड़, इंग्लिश और बंगाली फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं. फिलहाल स्नेहा उल्लाल की बात करें तो वे फिल्म इंडस्ट्री में अभी भी सक्रिय हैं और उनकी पिछली फिल्म नीलकांता थी जो एक तेलुगु फिल्म थी और 2026 में ही आई थी. इसके अलावा वे 2020 में एक्स्पाइरी डेट जैसी वेब सीरीज में नजर आई थीं. इस सीरीज को तेलुगु और हिंदी भाषा में रिलीज किया गया था. फिलहाल स्नेहा उल्लाल की बात करें तो वे फिल्म इंडस्ट्री में अभी भी सक्रिय हैं और उनकी पिछली फिल्म नीलकांता थी जो एक तेलुगु फिल्म थी और 2026 में ही आई थी. इसके अलावा वे 2020 में एक्स्पाइरी डेट जैसी वेब सीरीज में नजर आई थीं. इस सीरीज को तेलुगु और हिंदी भाषा में रिलीज किया गया था. ऐश्वर्या राय बच्चन की बात करें तो उन्होंने अभिषेक बच्चन से शादी की और वे फिल्मों में भी सक्रिय हैं. हालांकि पिछले 3 सालों में उनकी कोई भी फिल्म नहीं आई है. वहीं साल 2023 में उनकी पिछली फिल्म पोन्नियन सेल्वम रिलीज हुई थी. सुपरस्टार सलमान खान की बात करें तो उन्होंने अब तक शादी नहीं की और लीडिंग एक्टर के तौर पर अभी भी वे फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा हैं. उनकी पिछली फिल्म राजा शिवाजी था जिसमें उनके कैमियो रोल की खूब तारीफ हुई.

ऐश्वर्या राय बच्चन की बात करें तो उन्होंने अभिषेक बच्चन से शादी की और वे फिल्मों में भी सक्रिय हैं. हालांकि पिछले 3 सालों में उनकी कोई भी फिल्म नहीं आई है.

रजनीकांत की 'जेलर 2' पर संकट

शूटिंग के दौरान हुई फिल्म से जुड़े सदस्य की मौत

पुलिस ने शुरू की जांच

रजनीकांत की 'जेलर 2' आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। लेकिन फिल्म की रिलीज से पहले अब ये संकट में पड़ गई है। 'थलाइवा' यानी सुपरस्टार रजनीकांत अपनी आगामी फिल्म 'जेलर 2' की शूटिंग में लगे हैं। इस फिल्म का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। लेकिन इस बीच अब 'जेलर 2' के सेट एक दुखद खबर सामने आ रही है। सेट पर हुई दुर्घटना में एक क्रू मेंबर के निधन की जानकारी सामने आ रही है। पुलिस ने इस मामले में एफआईआर भी दर्ज कर ली है। इसके बाद अब फिल्म की शूटिंग पर संकट के बादल छा गए हैं।

बिजली का झटका लगने से हुई मौत

पुलिस सूत्रों के अनुसार, पन्नायूर के एक निजी स्टूडियो में 'जेलर 2' की शूटिंग के दौरान घर जैसे सेट के निर्माण के वक्त बिजली का झटका लगने से एक क्रू मेंबर की मौत हो गई। यह दुर्घटना ईस्ट कोस्ट रोड स्थित आदित्यराम फिल्म सिटी में चल रही शूटिंग के दौरान हुई। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

खबरों के अनुसार, मृतक की पहचान कार्तिकेयन के रूप में हुई है, जो सलेम के रहने वाले एक इलेक्ट्रीशियन थे और फिल्म के क्रू का हिस्सा थे।

बताया जा रहा है कि यह घटना ईसीआर स्थित एक निजी स्टूडियो में हुई, जहां मुख्य शेड्यूल पूरा होने के बाद भी फिल्म के कुछ हिस्सों की शूटिंग चल रही थी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि कार्तिकेयन फिल्म के सेट को तैयार करने में मदद करते हुए आर्ट डायरेक्शन और बिजली के काम में लगे हुए थे। इस दौरान कथित तौर पर इलेक्ट्रिक लीक से उन्हें जोरदार बिजली का झटका लगा।

'आखिरी सवाल' को लेकर त्रिधा चौधरी ने बताया

'यह फिल्म महज प्रोजेक्ट नहीं, एक भावना है'

अभिनेत्री त्रिधा चौधरी फिल्म 'आखिरी सवाल' में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। फिल्म की कहानी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और बाबरी मस्जिद जैसे मुद्दों के ईर्द-गिर्द बुनी गई है। फिल्म को लेकर अभिनेत्री त्रिधा चौधरी और समीरा रेड्डी ने अपने अनुभव और विचार शेयर किए। अभिनेत्री त्रिधा चौधरी का कहना है कि यह फिल्म महज एक प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि भावना है। उन्होंने कहा, 'मैंने इस फिल्म में 'सारा' नाम की छात्रा का किरदार निभाया है। मेरा मानना है कि शैक्षिक संस्थान ही वह जगह है, जहां भविष्य के नेता तैयार होते हैं। हम सभी की अपनी-अपनी विचारधाराएं होती हैं और उन पर हमारा अटूट विश्वास होता है।' त्रिधा ने आगे कहा कि सिनेमा में वह ताकत है, जो आपको अपनी बात रखने की 'सिनेमाई आजादी' देती है। उन्होंने पूरी टीम का जिक्र करते हुए कहा, 'इस फिल्म का उद्देश्य समाज को बांटना नहीं, बल्कि लोगों को एक गंभीर सोच से जोड़ना है।

रुबीना दिलैक ने बताई इंडस्ट्री की कड़वी सच्चाई

दुनिया का शायद ही कोई ऐसा क्षेत्र हो जहां महिलाएं पुरुष के साथ कदम से कदम मिलाकर न चल रही हों, मगर अभिनेत्री रुबीना दिलैक का मानना है कि महिलाओं के साथ भेदभाव बरकरार है। अभिनेत्री ने मां बनने के बाद अभिनेत्रियों को काम न मिलने की वजह पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में पुरानी सोच अभी भी बनी हुई है, जिसकी वजह से नई माओं को प्रोजेक्ट्स से बाहर रखा जाता है। रुबीना दिलैक ने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया कि मेकर्स को लगता है कि जिस अभिनेत्री ने हाल ही में बच्चे को जन्म दिया है, उसमें अब पहले जितना स्टैमिना, जुनून और मेहनत करने की क्षमता नहीं रही। वे सोचते हैं कि ऐसा होने से प्रोजेक्ट को नुकसान हो सकता है। रुबीना ने कहा, 'स्टडीज बताती हैं कि 62 प्रतिशत महिलाएं प्रेग्नेंसी के बाद काम पर वापस नहीं लौट पातीं क्योंकि समाज उन्हें स्वीकार नहीं करता। इंडस्ट्री भी उन्हें कमजोर समझती है। मेकर्स की सोच होती है कि अब उनके अंदर स्टैमिना नहीं बचा, आगे बढ़ने की चाहत नहीं रही, इसलिए वे खुद को साबित नहीं कर पाएंगी। ऐसे में उन्हें प्रोजेक्ट में रखना नुकसानदायक होगा। अभिनेत्री ने बताया कि समाज महिलाओं पर लगातार दबाव बनाए रखता है। उन्हें कभी भी पूरी आजादी नहीं मिलती कि वे अपनी मर्जी से जीवन जी सकें। हर समय उन्हें जज किया जाता है। कई महिलाएं इतनी मजबूत नहीं होतीं कि इस दबाव के बावजूद अपना आत्मविश्वास बनाए रख सकें। मां बनने के बाद रुबीना अपनी पर्सनल लाइफ के साथ प्रोफेशनल लाइफ को सफलतापूर्वक संभाल रहीं हैं। उन्होंने इसे दूसरी महिलाओं के लिए मिसाल बनाने का मौका बताया। रुबीना ने कहा, 'मैं खुशकिस्मत हूं कि मुझे काम जारी रखने का मौका मिला है। अपनी इस यात्रा के जरिए मैं खुद को और दूसरी अभिनेत्रियों को यह दिखाना चाहती हूं कि मां बनने के बाद भी सारे दरवाजे बंद नहीं हो जाते। मैं उन सभी महिलाओं के लिए एक बेहतर रास्ता बनाना चाहती हूं जो इस डर में जी रही हैं। '

सोनाली कुलकर्णी ने लॉन्च किया 'हाफ टिकट फुल नागरिक' पॉडकास्ट,

मराठी फिल्म इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री सोनाली कुलकर्णी ने एक नया पॉडकास्ट शो शुरू किया है, जिसका नाम 'हाफ टिकट फुल नागरिक' रखा गया है। इस शो का मकसद बच्चों और युवाओं की आवाज को एक मंच देना और उनकी सोच को समाज के सामने लाना है। सोनाली कुलकर्णी ने इस पॉडकास्ट को लॉन्च करते हुए कहा, ''मुझे हमेशा से ही युवा पीढ़ी और बच्चों के विचार बहुत आकर्षित करते रहे हैं।

बच्चे बेहद रचनात्मक होते हैं और उनके पास दुनिया को देखने का एक अलग नजरिया होता है। वे बिना किसी डर के अपनी बात रखते हैं और उनकी सोच में एक मासूमियत और ईमानदारी होती है, जो अक्सर बड़ों में कम देखने को मिलती है। यही कारण है कि उनकी सोच को गंभीरता से सुना जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''समाज में अक्सर एक आदत बन गई है कि जब भी कोई फैसला लेना होता है, चाहे वह परिवार से जुड़ा हो, सफर की योजना हो या फिर पैसों से जुड़ी बात हो, बच्चों की राय को नजरअंदाज कर दिया जाता है। कई बार उन्हें केवल इसलिए शामिल नहीं किया जाता, क्योंकि वे छोटे हैं। यही रवैया धीरे-धीरे बच्चों पर मानसिक दबाव और भावनात्मक अनदेखी का कारण बन सकता है, जिसे बदलने की जरूरत है।'' सोनाली कुलकर्णी ने कहा, ''बच्चे सिर्फ भविष्य नहीं बल्कि वर्तमान का भी अहम हिस्सा हैं। वे समाज में खुशी, संतुलन और नई ऊर्जा लेकर आते हैं।

बच्चों की सोच और आवाज को मिलेगा नया मंच

कान फिल्म फेस्टिवल में ट्रोलिंग पर

आलिया के समर्थन में उतरे सोनू

अभिनेता सोनू सूद ने आलिया भट्ट का समर्थन किया है। जानिए क्या है पूरा मामला और क्यों कान फिल्म फेस्टिवल में आलिया को किया गया था ट्रोल... आलिया भट्ट ने 79वें कान फिल्म फेस्टिवल में अपने अलग-अलग लुक्स से काफी चर्चाएं बटोरीं। उनके अधिकांश लुक्स को पसंद किया गया। लेकिन इस दौरान आलिया भट्ट के एक वायरल वीडियो को लेकर नेटिजंस ने सवाल भी उठाए। सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स ने ऐसा दावा किया कि रेड कार्पेट पर आलिया को एक लुक के दौरान इंटरनेशनल मीडिया द्वारा नजरअंदाज किया गया। अब इस मामले में अभिनेता सोनू सूद आलिया के समर्थन में उतरे हैं।

उस मंच पर खड़ा होना ही एक उपलब्धि है

सोनू सूद ने आज शुक्रवार को एक्स पर एक पोस्ट साझा की। इस पोस्ट में उन्होंने लोगों से इंटरनेशनल मंचों पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करने वालों का समर्थन करने की अपील की। हालांकि, सोनू सूद ने अपनी पोस्ट में सीधे तौर पर आलिया भट्ट का नाम नहीं लिया। अभिनेता ने लिखा, 'जब हमारे देश का कोई व्यक्ति अंतरराष्ट्रीय मंच पर कदम रखता है, तो यह गर्व का पल होना चाहिए, न कि कमियां ढूंढने का कारण। हर उपलब्धि को सार्थक होने के लिए कैमरों, सुर्खियों या अजनबियों से मंजूरी लेने की जरूरत नहीं होती है। वहां खड़े होने, अपनी कला का प्रेजेंट करने और गर्व के साथ अपने सफर को आगे बढ़ाने की हिम्मत अपने आप में एक उपलब्धि है।

बिहार में 60 हजार करोड़ का निवेश करेंगे गौतम अडाणी

सारण जिले के मस्तीचक को दुनिया के सबसे बड़े नेत्र चिकित्सा नेटवर्क के रूप में विकसित किया जाएगा

एजेंसी

छपरा/पटना। अडाणी समूह के अध्यक्ष गौतम अडाणी ने बिहार में निवेश और सामाजिक क्षेत्र में बड़े विस्तार के संकेत देते हुए कहा है कि वे राज्य में 60 हजार करोड़ का निवेश करेंगे। गौतम अडाणी रविवार को सारण जिले के मस्तीचक पहुंचे थे। उनके साथ उनकी पत्नी प्रीति अडाणी भी थीं। उन्होंने वहां अखंड ज्योति आई हॉस्पिटल की नई योजनाओं का भूमि पूजन किया और ग्रामीण इलाकों में नेत्र स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार को लेकर बड़ी घोषणाएं की। इस दौरान गौतम अदाणी ने बिहार में 60 हजार करोड़ के निवेश का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि आने वाले 2 से 3 वर्षों में यह निवेश किया जाएगा। अडाणी ने बताया कि पावर और रोड प्रोजेक्ट पहले से ही राज्य में चल रहे हैं और कई अन्य योजनाएं भी पाइप लाइन में हैं। उन्होंने कहा कि बिहार की धरती आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत से जुड़ी है। उन्हें

मस्तीचक और गायत्री मंदिर में आकर गहरी शांति का अनुभव हुआ। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में कंपनी बिहार में शिक्षा क्षेत्र में भी काम करने की योजना बना रही है, जिसमें स्कूल और कॉलेज स्तर के प्रोजेक्ट शामिल होंगे। बता दें कि बिहार में पहले से अडाणी समूह कई बड़े प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है। जिसमें भागलपुर जिले के पीरपैंती में करीब 26,482 करोड़ रुपये की लागत से 2400 मेगावाट का अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट विकसित किया जा रहा है। भागलपुर और सबौर को जोड़ने के लिए सुल्तानगंज-सबौर रोड लिमिटेड के तहत करीब 4,450 करोड़ रुपये की सड़क परियोजना पीपीपी मॉडल पर बनाई जा रही है। वहीं, मुजफ्फरपुर और किशनगंज में अंबुजा सीमेंट के तहत सीमेंट फैक्ट्रियों की स्थापना को मंजूरी मिली है। कार्यक्रम के दौरान गौतम अदानी ने कहा कि अखंड ज्योति आई हॉस्पिटल का काम उन्हें बेहद प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि इसी वजह से अदानी फाउंडेशन ने इस संस्थान के साथ जुड़कर इसे और बड़े स्तर पर विस्तार देने का फैसला किया है। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में मस्तीचक को दुनिया के सबसे बड़े नेत्र चिकित्सा नेटवर्क के रूप में विकसित करने की योजना है। इसके तहत सस्ती दर पर इलाज, अत्याधुनिक प्रशिक्षण और गांव-गांव तक मोबाइल मेडिकल वैन के जरिए स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जाएंगी। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार इस परियोजना का मकसद ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को बेहतर नेत्र चिकित्सा उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें बड़े शहरों का रुख न करना पड़े। उल्लेखनीय है कि यह प्रोजेक्ट अखंड ज्योति आई हॉस्पिटल और अदाणी फाउंडेशन की संयुक्त पहल है। इस परियोजना का उद्देश्य ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सस्ती और बेहतर नेत्र चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है।

डॉ. प्रशांत कुमार को भूटान शांति रत्न से सम्मानित किया जायेगा

एजेंसी

बेगुसराय। संस्कृत उच्च विद्यालय बेगूसराय के प्रधानाध्यापक डॉ प्रशांत कुमार को अंतर्राष्ट्रीय समरसता मंच के द्वारा भूटान के थिंपू शहर में भारत- भूटान शांति रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इस संबंध में अन्तर्राष्ट्रीय समरसता मंच ने पत्र जारी कर प्रधानाध्यापक को इसकी जानकारी दी है। जारी पत्र के अनुसार भारत-भूटान शांति एवं मैत्री संघ 1949 के अंतर्गत भूटान सरकार के पूर्व वित्त मंत्री श्री लोकनाथ शर्मा के मार्गदर्शन में 21 जून को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का भव्य आयोजन भूटान के थिंपू में किया जा रहा है।इस मंच की कार्ययोजना को विश्व भर के 25 देशों का नैतिक समर्थन प्राप्त हुआ है। समारोह का मुख्य उद्देश्य भारत और भूटान के बीच सामाजिक और सांस्कृतिक संबंधोंको और अधिक मजबूत करना ,भारतकी वैदिक सांस्कृतिक परंपराओं को पुनर्जीवित करना है।समारोह में आमंत्रित प्रतिभागियों द्वारा भारत की शक्ति, प्रतिष्ठा एवं पंचशील सिद्धांतों जैसे विषय पर अपने विचार एवं उद्बोधन प्रस्तुत किए जाएंगे।समारोह के अध्यक्ष एवं प्रसिद्ध विधिवेता डॉ एच सी गणेशिया ने बताया कि डॉ प्रशांत कुमार को वसुधैव कुटुंबकम एवं 'ग्लोबल विलेज एवं सत्यम शिवम सुंदरम कि अवधारणा को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देने हेतु राष्ट्र के माननीय व्यक्तियों द्वारा सम्मानित किया जाएगा। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पड़ोसी मित्र राष्ट्र भूटान मे आयोजित यह समारोह विश्व बंधुत्व एवं वैश्विक समरसता की भावना को और अधिक सुदृढ़ करेगा।

संक्षिप्त समाचार

बीच गंगा नदी में खराब हुई नाव, एसडीआरएफ ने सभी यात्रियों को सुरक्षित निकाला

भागलपुर। भागलपुर में बीच गंगा नदी में रविवार को यात्रियों से भरी नाव अचानक खराब हो गई। नाव के बीच धारा में रुकते ही उसमें सवार लोगों के बीच कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि सवारी से भरी नाव महादेवपुर गंगा घाट से भागलपुर के बरारी गंगा घाट की ओर आ रही थी। इसी दौरान बीच गंगा में नाव का इंजन खराब हो गया ।जिसके बाद नाव बीच धारा में फंस गई। नाव पर मौजूद यात्री घबराने लगे और मदद की गुहार लगाने लगे। घटना की सूचना मिलते ही एसडीआरएफ की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। टीम ने तत्परता दिखाते हुए सभी यात्रियों का सुरक्षित रेस्क्यू किया और नाव को किनारे तक पहुंचाया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। उल्लेखनीय है कि बीते दिनों विक्रमशिला सेतु के क्षतिग्रस्त होने के बाद लोगों के आवागमन के लिए नाव ही मुख्य सहारा बनी हुई है। ऐसे में गंगा घाटों पर यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

बेटे-बहू पर मां की हत्या का आरोप, साड़ी से गला दबाकर मारने की बात आई सामने

सीवान। जिले के आंदर थाना क्षेत्र के हसनपुरवा गांव में रविवार को रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है। पारिवारिक विवाद में बेटे ने अपनी पत्नी के साथ मिलकर कथित रूप से अपनी ही मां की साड़ी से गला दबाकर हत्या कर दी। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान हसनपुरवा गांव निवासी पनपती देवी के रूप में हुई है, जो कन्हैया यादव की पत्नी थीं। बताया जा रहा है कि घटना की जानकारी मृतका के पति को सुबह में हुई, जिसके बाद परिजनों में कोहराम मच गया। घटना की सूचना मिलते ही एसडीपीओ गौरी कुमारी सदर अस्पताल पहुंचीं और मृतका के पति कन्हैया यादव से मामले की जानकारी ली। मृतका के पति कन्हैया यादव ने आरोप लगाया कि लगभग एक माह पूर्व उसकी पत्नी और पतोहू रिंकू देवी के बीच विवाद हुआ था। इसी विवाद के बाद उसका पुत्र, जो विदेश में काम करता था, फोन पर उसकी पत्नी को जान से मारने की धमकी दिया था। कन्हैया यादव ने बताया कि करीब एक सप्ताह पहले उसका पुत्र बबलू यादव विदेश से गांव आया था।

मुख्यमंत्री ने राजगीर के राजकीय मलमास मेला का किया शंखनाद

एजेंसी

नालंदा। बिहार में नालंदा जिले के पर्यटक स्थल राजगीर में रविवार सुबह नौ बजे वैदिक मंत्रोच्चार के साथ राजकीय मलमास मेला का शंखनाद बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने फिता काटकर किया।

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सनातन धर्म के 33करोड़ देवी देवता एक माह के लिए राजगीर प्रवास करने आते हैं।मेला की खास बात यह है कि आगामी 15 जुन तक चलने वाले इस मेले के दौरान राजगीर के अलावा किसी भी स्थान पर मांगलिक व शुभ कार्य वर्जित रहेंगे।

राजगीर तिर्थ रक्षार्थ पंडा समिति के सचिव विकास उपाध्याय ने बताया कि ब्रह्म कुण्ड परिसर में ध्वजारोहण का कार्य संत शिरोमणि परमहंस चिदात्मन महराज के द्वारा किया गया है।जबकि आज सुबह से ही मंत्रोच्चार व तिर्थ पूजन कार्य शुरू कर दिया गया है। मलमास मेला में आस्था की डुबकी लगाने साथ आठ लाख श्रद्धालुओं की आने की संभावना जताई गई है।

इस महा जनसैलाब को सुरक्षित रखने के लिए राजगीर को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है। जहां भीड़ प्रबंधन के लिए 950 दंडधिकारी 530से अधिक पुलिस पदाधिकारियों के साथ साथ 1000 होमगार्ड व घुड़सवार पुलिस बल की तैनाती की गई है।

इस बार मेला को खास बनाने के लिए पुख्ता इंतजाम किया गया है जहां श्रद्धालुओं के आवास निवासी के लिए स्टेट गेस्ट हाउस में टेंट सिसकियों के अलावा 14स्थानों पर आश्रय स्थल बनाये गये हैं। वहीं 11जगहों पर जर्मन हैंगर और तीन वाटरप्रूफ पंडाल बनाये गये है जहां श्रद्धालुओं को निःशुल्क रहने की व्यवस्था की गई है।

राजगीर के हर चौक चौराहों पर तोरणद्वार लगायें गये है। पीएचईडी द्वारा 30 स्थानों पर 300 प्याऊ लगाया गया है, जिसके माध्यम से पेयगंगा जल की आपूर्ति की जाएगी। पीएचईडी द्वारा 20 नया चापाकल लगाया गया है तथा 60 खराब चापाकल की मरम्मति करा दी गयी है।125 स्टैंड पोस्ट का निर्माण किया जाएगा (सोख्ता एवं प्लेटफार्म सहित)15 पेयजल टैंकर रिजर्व रखा गया है।

प्रतिदिन लगभग 03 लाख श्रद्धालुओं तक के लिए पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था कर ली गयी है।पेयजल की गुणवत्ता नियमित जांच पीएचईडी द्वारा किया गया है । वहीं पीएचईडी द्वारा 750 जगह शौचालय (350 पुरूष एवं 350 महिला) का निर्माण पूर्ण किया गया है।इसके अलावे 75 यूरिनल (30 महिला एवं 45 पुरूष) लगाया गया है।नगर परिषद, राजगीर द्वारा 250 अस्थायी शौचालय का निर्माण कराया गया है।

इसके अलावा 13 स्थायी शौचालय की मरम्मति किया गया है।14 स्थानों पर कुल 25 दीदी की रसोई का संचालन किया जाएगा।अस्थायी अस्पताल - 08 जगह (टेंट सिटी, वीआईपी टेंट सिटी, मेला थाना, ब्रह्मकुंड (02), रेलवे स्टेशन, पीएचईडी कैम्पस, वैतरणी)स्वास्थ्य शिविर 18 जगहएम्बुलेंस 16 की प्रतिनियुक्ति चलंत चिकित्सा दल-04 केन्द्रीयकृत नियंत्रण कक्ष में 24७7 पर्यवेक्षक-32 एवं पारामेडिकल कर्मी-260 उपलब्ध रहेंगे।सम्पूर्ण मेला क्षेत्र को 03 सफाई जोन में बांटकर तीन पालियों में साफ-सफाई की व्यवस्था की गयी है। साफ-सफाई व्यवस्था के लिए तीन पालियों में 617 मजदूर, 87 पर्यवेक्षक, 20-25 वाहन (ट्रैक्टर, टीपर) 57 वाहन चालक लगाया गया है।

लूटकांड के तीन अपराधी गिरफ्तार

नावकोठी बेगुसराय। नावकोठी थाना पुलिस द्वारा ग्राम-गौरीपूर के पास दिनांक-20.04.2025 को हुयी लूट की घटना का किया गया उद्भेदन 03 अपराधी गिरफ्तार घटना में प्रयुक्त मोटरसाईकिल बरामद ।घटना का विवरण :- दिनांक-20.04.25 को नावकोठी थाना अंतर्गत ग्रामगौरीपूर के पास मोटरसाईकिल पर सवार तीन अज्ञात अपराधकर्मियों के द्वारा संतोष कुमार पे०-वागरिश महतो सा०-गौरीपूर थाना-नावकोठी जिला-बेगूसराय से हथियार का भय दिखाकर, पचपन हजार रूपया एवं कुछ सोना चांदी का जेवर लूट लिया गया था। जिस संबंध में नावकोठी थाना कांड सं0-83/25 दिनांक-20.04.2025 धारा-309 (4) बी०एन०एस० दर्ज है। अनुसंधान एवं गुप्त सूचना पर नावकोठी थाना पुलिस द्वारा कांड में संलिप्त अपराधी गुड्डू कुमार को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अपराधी से पुछताछ एवं उसके स्वीकारोक्ति पर इस घटना में शामिल अन्य दो अपराधी 01 विशाल कुमार 02 धर्मवीर कुमार को गिरफ्तार किया गया तथा घटना में प्रयुक्त मोटरसाईकिल को बरामद किया गया।सभी अपराधकर्मी घटना में अपनी-अपनी संलिप्तता स्वीकार किया।विधि-सम्मत आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।गिरफ्तार01 गुड्डू कुमार पे०-अमलेश महतो सा०-राजौड़ा थाना-मुफसिल 02 विशाल कुमार पे०-रंजीत महतो 03 धर्मवीर कुमार पे०-मंटू ठाकुर सा०-नवला दोनों थाना-वीरपुर जिला-बेगूसराय।

जनगणना कार्य को त्रुटिरहित बनाने हेतु तेघड़ा में हेल्पलाइन नंबर जारी, शिकायतों के निष्पादन के लिए हेल्प डेस्क स्थापित

तेघड़ा/बेगूसराय। भारत की जनगणना, 2027 के प्रथम चरण अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं भवन गणना का कार्य तेघड़ा ग्रामीण चार्ज अंतर्गत तेजी से प्रगति पर है। जनगणना कार्य को पूर्णतः त्रुटिरहित, पारदर्शी एवं शत-प्रतिशत सफल बनाने के उद्देश्य से प्रखंड विकास पदाधिकारी सह चार्ज जनगणना अधिकारी, तेघड़ा के निर्देश पर प्रखंड कार्यालय परिसर में विशेष हेल्प डेस्क की स्थापना की गई है। साथ ही आम नागरिकों की सुविधा एवं शिकायतों के निष्पादन हेतु हेल्पलाइन नंबर 6279252893 जारी किया गया है।प्रखंड विकास पदाधिकारी ने बताया कि जनगणना राष्ट्रहित एवं भविष्य की विकास योजनाओं से जुड़ा अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है। ऐसे में यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि कोई भी परिवार, मकान अथवा व्यक्ति जनगणना से वंचित न रह जाए। उन्होंने कहा कि यदि किसी मकान पर अंकित नहीं किया गया है, किसी परिवार का विवरण दर्ज नहीं हुआ है अथवा जनगणना से संबंधित किसी प्रकार की शिकायत या त्रुटि है, तो आम नागरिक निर्धारित हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क कर शिकायत दर्ज करा सकते हैं।हेल्पलाइन नंबर सभी कार्य दिवसों में प्रातः 10:00 बजे से अपराह्न 05:00 बजे तक कार्यरत रहेगा। प्राप्त शिकायतों का त्वरित सत्यापन करते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।तेघड़ा ग्रामीण चार्ज अंतर्गत सभी पर्यवेक्षकों एवं प्रगणकों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्र में आम नागरिकों को हेल्पलाइन नंबर की जानकारी उपलब्ध कराएं तथा शिकायतों के समाधान में पूर्ण सहयोग प्रदान करें।प्रखंड कार्यालय में स्थापित हेल्प डेस्क के माध्यम से जनगणना कार्य की मॉनिटरिंग, शिकायत पंजीकरण एवं आवश्यक मार्गदर्शन का कार्य भी प्रारंभ कर दिया गया है। प्रशासन का कहना है कि पारदर्शिता एवं जनसहभागिता के माध्यम से ही त्रुटिरहित जनगणना सुनिश्चित की जा सकती है। साथ ही प्रखंड विकास पदाधिकारी ने आम जनों से अपील करते हुए कहा कि सभी नागरिक जनगणना कार्य में सहयोग करें, सही एवं सत्य जानकारी उपलब्ध कराएं तथा यह सुनिश्चित करें कि उनके क्षेत्र का कोई भी परिवार, मकान अथवा व्यक्ति जनगणना से वंचित न रह जाए।उन्होंने कहा कि जनगणना केवल सरकारी प्रक्रिया नहीं बल्कि भविष्य की विकास योजनाओं की आधारशिला है, इसलिए इसमें प्रत्येक नागरिक की सहभागिता अत्यंत आवश्यक है।

नल जल योजना हुई फेल, पानी के लिए दर-दर तरस रहे ग्रामीण

एजेंसी

भागलपुर। जिले के सबौर प्रखंड क्षेत्र के राजदीपुर पंचायत के वार्ड नंबर 4 में नल जल योजना पूरी तरह से फेल साबित हुआ है। पानी के लिए ग्रामीण बीते 3 साल से परेशान हैं। ग्रामीणों का कहना है यहां 60 से 70 परिवार हैं। बीते 3 साल से नल जल योजना का पानी हम लोगों को नहीं मिल रहा है। 20 साल से सड़क नहीं बना है। हम लोग फूस के घर में जीवन जीते हैं। नल जल योजना का टोटी पूरी तरह टूट चुका है। दो हैंडपंप लगाया गया था। जिसके पानी बदबू देता है। बेबस होकर हम लोग पीते थे। छोटे-छोटे बच्चे कई बार बीमार हो गए थे। अभी हैंडपंप खराब हो गया है। इस भीषण गर्मी में 2 किलोमीटर दूर से पानी लाकर घर का सारा कार्य करते हैं। 10 किलोमीटर दूर से डब्बा में पीने वाला पानी लाते हैं। चार नंबर वार्ड में रहने वाली महिला धनवंती देवी के द्वारा बताया गया कि नल जल योजना के पानी को लेकर पंचायत के मुखिया गीता देवी, वार्ड नंबर 4 के सदस्य निर्मल कुमार को जानकारी दिए तो उनके द्वारा बताया गया।

किशनगंज पुलिस महकमे में बड़ा फेरबदल, ठाकुरगंज एसडीपीओ-2 मंगलेश सिंह का तबादला

एजेंसी

किशनगंज। जिले के पुलिस महकमे में राज्य सरकार द्वारा बड़े प्रशासनिक फेरबदल के तहत कई महत्वपूर्ण पदों पर बदलाव किया गया है। जारी तबादला सूची के अनुसार ठाकुरगंज अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी-2 मंगलेश कुमार सिंह का तबादला औरंगाबाद जिले में कर दिया गया है। उन्हें वहां साइबर क्राइम डीएसपी की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनके स्थान पर मनोज कुमार सिंह को ठाकुरगंज का नया एसडीपीओ-2 नियुक्त किया गया है। मंगलेश कुमार सिंह के कार्यकाल को ठाकुरगंज अनुमंडल क्षेत्र में सक्रिय पुलिसिंग और अपराध नियंत्रण के लिए याद किया जा रहा है। उनके नेतृत्व में कई विशेष अभियान चलाए गए तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई गई। सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण ठाकुरगंज अनुमंडल में अपराध नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था चुनौतीपूर्ण मानी जाती है, लेकिन उनके कार्यकाल में पुलिस की सक्रियता लगातार बनी रही। इधर, किशनगंज पुलिस मुख्यालय में भी महत्वपूर्ण बदलाव किया गया है। मुख्यालय डीएसपी अशोक कुमार को हटाकर सुशील कुमार को नया डीएसपी (मुख्यालय) नियुक्त किया गया है। मुख्यालय डीएसपी का पद जिले की आंतरिक प्रशासनिक व्यवस्था, पुलिस संचालन और निगरानी व्यवस्था के लिहाज से काफी अहम माना जाता है।

नालंदा जिले में छह सूत्री मांगों को लेकर सफाई कर्मियो ने की हड़ताल

एजेंसी

नालंदा, बिहारशरीफ। नालंदा जिले के हरनौत नगर पंचायत में कार्यरत सफाई कर्मियों की हड़ताल ने पूरे बाजार और आसपास के इलाकों की सफाई व्यवस्था को पूरी तरह चरमरा दिया है। हड़ताल के कारण नगर पंचायत क्षेत्र के मुख्य बाजार, गली-मोहल्लों और प्रमुख सड़कों पर कचरे का अंबार लग गया है। जगह-जगह फैली गंदगी और उससे उठ रही दुर्गंध ने आम लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। जानकारी के अनुसार नगर पंचायत में कार्यरत सौ से अधिक सफाईकर्मी अपनी छह सूत्री मांगों को लेकर हड़ताल पर चले गए थे। सफाईकर्मियों के काम बंद करते ही बाजार की साफ-सफाई व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो गई। सबसे अधिक असर हरनौत के बीच बाजार क्षेत्र में देखने को मिला, जहां दुकानदारों और स्थानीय लोगों को घरों व दुकानों का कचरा सड़क किनारे फेंकने को मजबूर होना पड़ा।स्थिति ऐसी हो गई कि कई वार्डों में कचरे के बड़े-बड़े ढेर जमा हो गए। सड़क किनारे सड़ते कचरे से तेज बदबू फैलने लगी, जिससे लोगों का वहां से गुजरना भी मुश्किल हो गया। बाजार आने वाले ग्राहकों और राहगीरों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। लोगों का कहना है कि यदि जल्द सफाई नहीं हुई तो गंदगी के कारण संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है।गर्मी के मौसम और बीच बाजार में फैली गंदगी के कारण मच्छरों का प्रकोप भी तेजी से बढ़ने लगा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि जगह-जगह जमा कचरे के कारण वातावरण दूषित हो रहा है और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं उत्पन्न होने लगी हैं। खासकर बच्चों और बुजुर्गों को अधिक परेशानी हो रही है।दुकानदारों ने कहा कि बाजार क्षेत्र में सफाई नहीं होने से ग्राहकों की आवाजाही भी प्रभावित हो रही है। कचरे के ढेर और दुर्गंध के कारण लोगों को दुकानों के सामने बैठना मुश्किल हो गया है। कई व्यापारियों ने नगर पंचायत प्रशासन से जल्द समाधान निकालने की मांग की है। नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी सौरभ सुमन ने शनिवार को बताया कि सफाईकर्मी अपनी विभिन्न मांगों को लेकर हड़ताल पर थे, लेकिन अब वे वापस काम पर लौट आए हैं। उन्होंने कहा कि कुछ क्षेत्रों में सफाई कार्य कराया गया है, जबकि बाकी इलाकों में रविवार तक सफाई पूरी कर ली जाएगी।

कोसी पर चौकसी बढ़ी, बाढ़ से पहले नेपाल-भारत की संयुक्त टीम ने परखी तैयारियां

एजेंसी

सुपौल। कोसी क्षेत्र में मानसून की दस्तक से पहले बाढ़ को लेकर सरकारी मशीनरी पूरी तरह सक्रिय हो गई है। हर साल की तरह इस बार भी 1 जून से बाढ़ अवधि शुरू होने वाली है। इसे देखते हुए नेपाल और भारत के जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने संयुक्त रूप से कोसी तटबंधों, बराज और कटाव प्रभावित इलाकों का निरीक्षण कर तैयारियों का आकलन किया। जेएफसीसी (जॉइंट फ्लड कोऑर्डिनेशन कमिटी) की उच्च स्तरीय टीम ने बाढ़ नियंत्रण एवं जल निस्सरण विभाग के अभियंताओं के साथ नेपाल और भारतीय क्षेत्र के कई संवेदनशील स्थलों का दौरा किया। अधिकारियों ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में कराए गए बाढ़ पूर्व सुरक्षा कार्यों की स्थिति का जायजा लेते हुए मौके पर जांच की। करीब 40 करोड़ रुपये की लागत से इस बार नेपाल क्षेत्र के 29 और भारतीय क्षेत्र के 21 स्थानों पर तटबंध सुरक्षा, कटाव निरोधक और स्पर निर्माण से जुड़े कार्य कराए गए हैं। निरीक्षण के दौरान टीम ने नेपाल प्रभाग के 26.44 किलोमीटर हिस्से में बने संरचनात्मक सुरक्षा कार्यों और परकोपाइन सिस्टम की भी जांच की। अधिकारियों की टीम इसके बाद कोसी बराज पहुंची, जहां सभी 56 फाटकों की तकनीकी स्थिति की समीक्षा की गई। बाढ़ के समय गेट संचालन में किसी तरह की बाधा न आए, इसके लिए मशीनों और ऑपरेटिंग सिस्टम की गहन जांच की गई। इस दौरान लगभग 3.04 करोड़ रुपये की लागत से तैयार सेंट्रल पायलट चैनल का मोटर बोट से निरीक्षण किया गया। तकनीकी अधिकारियों ने बताया कि यह चैनल नदी की मुख्य धारा को नियंत्रित करने में अहम भूमिका निभा रहा है। इसके जरिए नदी के बीच जमा गाद धीरे-धीरे हट रही है, जिससे तटबंधों और स्परों पर पानी का दबाव कम होगा।निरीक्षण के बाद कोसी बराज कंट्रोल रूम में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित हुई।

केंद्रीय खेल मंत्री से मिले ई शैलेंद्र, क्षेत्र के लिए खेल सुविधाओं पर हुई चर्चा

एजेंसी

भागलपुर। बिहार राज्य के पथ निर्माण मंत्री सह बिहपुर विस ई.शैलेंद्र ने रविवार को दिल्ली में केंद्रीय श्रम, रोजगार और युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया से मुलाकात की। इस दौरान उनसे खेलो इंडिया के तहत बिहपुर क्षेत्र में एक स्टेडियम की स्थापित करने की मांग किया। मंत्री ई.शैलेंद्र ने केंद्रीय खेलमंत्री से बिहपुर विस क्षेत्र के युवाओं के लिए खेल सुविधाओं के विस्तार, खेल प्रतिभाओं को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने, क्षेत्र में खेल अवसंरचना और अधिक सुदृढ़ बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा किया। इस मौके पर मंत्री ई.शैलेंद्र की पुत्री कोमल कृति भी मौजूद थी। केंद्रीय खेलमंत्री से बिहपुर क्षेत्र में एक स्टेडियम की स्थापना के लिए आग्रह किया। ताकि ग्रामीण एवं स्थानीय युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने के लिए बेहतर मंच एवं संसाधन प्राप्त हो सकें।

संक्षिप्त समाचार

आव्रजन के खिलाफ लंदन की सड़कों पर उतरे 80 हजार लोग

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की राजधानी लंदन में शनिवार को दो अलग-अलग बड़ी रैलियां हुईं। एक रैली आव्रजन के खिलाफ थी, जबकि दूसरी रैली फलस्तीन के समर्थन में हुई। पुलिस का अनुमान है कि इन रैलियों में 80 हजार से ज्यादा लोग शामिल थे। पुलिस ने राजधानी के बाहर से बुलाए गए अतिरिक्त बलों सहित 4,000 अधिकारियों को तैनात किया। पुलिस ने रैलियों में 80 हजार से अधिक लोगों के शामिल होने का अनुमान लगाया। प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने यूनाइट द किंगडम मार्च के आयोजकों पर स्पष्ट रूप से नफरत और विभाजन फैलाने का आरोप लगाया। यह मार्च इस्लाम विरोधी कार्यकर्ता स्टीफन यैक्सली-लेनन, जिन्हें टॉमी रॉबिन्सन के नाम से जाना जाता है द्वारा आयोजित किया गया था।

विश्वविद्यालयों में छात्र संघों पर प्रतिबंध के खिलाफ राजधानी में व्यापक प्रदर्शन

काठमांडो, एजेंसी। विश्वविद्यालयों में छात्र संघ पर प्रतिबंध के खिलाफ बड़ी संख्या में छात्रों ने नेपाल की राजधानी काठमांडो में प्रदर्शन किया। प्रधानमंत्री बलेंद्र शाह के नेतृत्व वाली सरकार ने हाल ही में 100 सूत्री कार्य योजना की घोषणा की है, जिसके तहत विश्वविद्यालयों में छात्र संघों के कामकाज पर रोक लगा दी गई है। सरकार का कहना है कि शिक्षण संस्थानों को राजनीतिक दलों के औजार के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने छात्र संघों पर प्रतिबंध का विरोध करें जैसे नारे लगाते हुए सरकार के इस कदम की आलोचना की। नेपाली छात्रों के 62वें छात्र दिवस के अवसर पर आयोजित यह प्रदर्शन त्रिचंद्र कैंपस से शुरू होकर काठमांडो के आरआर कैंपस में समाप्त हुआ। प्रदर्शनकारियों ने विश्वविद्यालय की स्वायत्तता की रक्षा, छात्रों के अधिकारों की गारंटी और संगठन बनाने की स्वतंत्रता के संरक्षण की मांग करते हुए नारे भी लगाए। नेपाल छात्र संघ, अखिल नेपाल स्वतंत्र छात्र संघ और अन्य समूहों ने इसमें हिस्सा लिया।

रवांडा नरसंहार के संदिग्ध फेलिसियन काबुगा की हिरासत में मौत

हेग, एजेंसी। रवांडा नरसंहार के संदिग्ध फेलिसियन काबुगा की 91 साल की आयु में मौत हो गई। काबुगा की मृत्यु नीदरलैंड के हेग में अस्पताल में हिरासत के दौरान हुई। संयुक्त राष्ट्र की एक अदालत ने शनिवार को बताया कि 91 वर्षीय काबुगा पर 1994 के नरसंहार में तुत्सी अल्पसंख्यक के सामूहिक नरसंहार को बढ़ावा देने और आर्थिक मदद मुहैया कराने का आरोप था। एक अनुमान के मुताबिक इस नरसंहार में आठ लाख लोग मारे गए थे। काबुगा पर मुकदमा 2022 में शुरू हुआ था। 2023 में, न्यायाधीशों ने उसे डिमेंशिया के कारण मुकदमा चलाने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया था। दोषी पाए जाने पर काबुगा को आजीवन कारावास की सजा हो सकती थी। कोर्ट ने अस्पताल में हुई मौत के बाद परिस्थितियों की जांच का आदेश दिया है।

इतालवी शहर में चालक ने पैदल यात्रियों को रौंदा, आठ घायल, चार गंभीर

मोडेना, एजेंसी। उत्तरी इतालवी शहर मोडेना में शनिवार को एक चालक ने पैदल यात्रियों को रौंद दिया। इस घटना में आठ लोग घायल हो गए, जिनमें से चार की हालत गंभीर है। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना में कोई मौत नहीं हुई। महापौर मास्सिमो मेजेटी के अनुसार, एक महिला दुकान की खिड़की से दब गई, जिसके दोनों पैर काटने पड़े। 31 वर्षीय चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। अधिकारी जांच कर रहे हैं कि उसने नशे में या जानबूझकर यह कृत्य किया। चालक ने भागने का प्रयास किया लेकिन नागरिकों और पुलिस ने उसे पकड़ लिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उसके पास चाकू था, पर उसने किसी को नहीं मारा। इतालवी प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने घटना को 'बेहद गंभीर' बताया।

मादुरो के करीबी सहयोगी एलेक्स साब वेनेजुएला से अमेरिका निर्वासित

वेनेजुएला, एजेंसी। वेनेजुएला सरकार ने निकोलस मादुरो के करीबी सहयोगी एलेक्स साब को अमेरिका निर्वासित किया है, जहां उसे न्यायिक कार्रवाई का सामना करना होगा। यह कैदी अदला-बदली में राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा माफी दिए जाने के तीन साल बाद हुआ। सरकार ने निर्वासन का स्थान नहीं बताया, पर यह अमेरिकी आपराधिक जांचों पर आधारित है। एसोसिएटेड प्रेस ने फरवरी में बताया कि अभियोजक साब की भूमिका की जांच कर रहे हैं। यह जांच वेनेजुएला के खाद्य आयात ठेकों से जुड़ी रिश्वतखोरी की साजिश से संबंधित है। साब ने सरकारी ठेकों से संपत्ति अर्जित की थी, जिसे अमेरिकी अधिकारी मादुरो का 'बैग मैन' बताते थे। नए वेनेजुएला नेतृत्व के सत्ता में आने के बाद साब का प्रभाव कम हो गया। उससे अपने पूर्व संरक्षक के खिलाफ गवाही देने के लिए कहा जा सकता है।

बालेंद्र सरकार को सुप्रीम झटका, भारतीय उत्पादों पर नहीं लगेगा सीमा शुल्क

काठमांडु, एजेंसी। झनेपाल में प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह की नव निर्वाचित सरकार को देश के सर्वोच्च न्यायालय से एक बहुत बड़ा और करारा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने भारत से नेपाल में लाए जाने वाले आम इस्तेमाल के भारतीय उत्पादों पर सीमा शुल्क लगाने के सरकार के एक विवादास्पद फैसले पर फिलहाल पूरी तरह से रोक लगा दी है। अदालत के इस अहम आदेश के बाद अब सीमा पार से 100 नेपाली रुपये से अधिक का सामान लाने पर आम जनता को सीमा शुल्क नहीं देना पड़ेगा।

दरअसल, हाल ही में नेपाल के वित्त मंत्रालय ने एक नया नियम लागू किया था। इस नियम के तहत यह अनिवार्य कर दिया गया था कि भारत से अगर कोई 100 नेपाली रुपये से ज्यादा का सामान लाता है, तो उसे सीमा शुल्क यानी टैक्स चुकाना ही होगा। जनता इस फैसले से बहुत परेशान थी और इसकी कड़ी आलोचना हो रही थी। अब नेपाल के सुप्रीम कोर्ट ने शनिवार को एक अंतरिम आदेश जारी करके सरकार के इस कठोर फैसले को लागू करने से रोक दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में क्या कहा है : सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस हरि प्रसाद फुयाल और जस्टिस टेक प्रसाद ढुंगाना की पीठ ने इस महत्वपूर्ण मामले की सुनवाई की। अदालत ने प्रधानमंत्री कार्यालय, मंत्रिपरिषद, वित्त मंत्रालय और अन्य सभी संबंधित अधिकारियों को

स्पष्ट निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि जब तक इस मामले में अदालत का कोई अंतिम फैसला नहीं आ जाता, तब तक इस विवादित सीमा शुल्क प्रावधान को बिल्कुल भी लागू न किया जाए।

अदालत में यह मामला किसने और क्यों उठाया : सरकार के इस फैसले के खिलाफ कुछ जागरूक वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। अधिवक्ता अमितेश पंडित, आकाश महतो, सुयोगी सिंह और प्रशांत बिक्रम शाह ने वित्त मंत्रालय के इस फैसले को चुनौती देते हुए एक रिट याचिका दायर की थी। इन याचिकाकर्ताओं ने अदालत में तर्क दिया कि 100 नेपाली रुपये से ज्यादा के सामान पर टैक्स लगाने की नीति नेपाल के सीमा शुल्क अधिनियम-2081 के सख्त खिलाफ है। वकीलों ने बताया कि यह फैसला अधिनियम में दी गई छूट के प्रावधानों का सीधा-सीधा उल्लंघन करता है।

तराई-मधेस क्षेत्र में लोगों का गुस्सा क्यों भड़क रहा था : इस नए नियम के लागू होने के बाद नेपाल-भारत सीमा पर तराई-मधेस क्षेत्र की चौकियों पर बहुत कड़ी जांच शुरू हो गई थी। सीमा शुल्क वसूलने के इस अनिवार्य नियम के कारण सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) ने आम लोगों की सघन तलाशी लेनी शुरू कर दी थी। पहले आम नागरिकों को छोटी-मोटी रोजमर्रा की खरीदारी और घरेलू सामानों पर अनौपचारिक रूप से सीमा शुल्क में छूट मिल जाती थी। लेकिन छूट खत्म होने से लोगों में भारी आक्रोश फैलने लगा था।

सरकार ने यह कदम सीमा शुल्क की चोरी को रोकने के नाम पर उठाया था। लेकिन इसके आड़ में चौकियों पर बड़े पैमाने पर आम लोगों के खिलाफ ही सख्त कार्रवाई की जाने लगी थी। इस एकतरफा और कठोर नीति ने मधेस के सीमावर्ती जिलों में रहने वाले लोगों का जीवन बहुत ही मुश्किल कर दिया था। आम आदमी छोटी-सी खरीदारी के लिए भी परेशान हो रहा था। सुप्रीम कोर्ट का यह अंतरिम आदेश अब तराई-मधेस और सीमावर्ती इलाकों की आम जनता के लिए एक बहुत बड़ी राहत बनकर आया है। लोगों ने इस फैसले का स्वागत किया है। फिलहाल, अदालत के इस कड़े रुख के बाद बालेंद्र शाह सरकार को अपने कदम पीछे खींचने पड़े हैं और सीमा पर एपीएफ की अनावश्यक सख्ती पर भी लगाम लग गई है।

पाकिस्तान के साथ बढ़ती नजदीकी: बांग्लादेशी अफसर अब लाहौर में प्रशिक्षण लेंगे

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश ने अपने वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के प्रशिक्षण के लिए भारत के मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी की जगह अब पाकिस्तान के लाहौर को चुना है। इसे भारत-बांग्लादेश संबंधों में आई दूरी और पाकिस्तान के साथ बढ़ती नजदीकी के रूप में देखा जा रहा है। पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच इस तरह का पहला मामला बांग्लादेश के 12 वरिष्ठ अधिकारी इन दिनों लाहौर स्थित सिविल सर्विसेज एकेडमी में चार से 21 मई तक प्रशिक्षण ले रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच इस तरह का यह पहला व्यवस्थित प्रशिक्षण कार्यक्रम है। कार्यक्रम का पूरा खर्च पाकिस्तान सरकार उठा रही है बताया गया है कि प्रशिक्षण लेने वालों में एक अतिरिक्त सचिव और 11 संयुक्त सचिव स्तर के अधिकारी शामिल हैं। इस कार्यक्रम का पूरा खर्च पाकिस्तान सरकार उठा रही है और इसमें बांग्लादेश सरकार की कोई आर्थिक भागीदारी नहीं है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के हटने के बाद बांग्लादेश-पाकिस्तान संबंध तेजी से मजबूत हुए हैं व कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ा है।

तीसरे बच्चे पर 30,000, चौथे पर 40,000; जनसंख्या बढ़ाने के लिए आंध्र प्रदेश सरकार लाई खास प्लान

अमरावती, एजेंसी। आंध्र प्रदेश की चंद्र बाबू नायडू सरकार राज्य की जनसंख्या को बढ़ाने के लिए प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री ने ऐलान किया है कि उनकी सरकार ने तीसरा बच्चा पैदा करने वाले दंपत्ति को 30,000 और चौथा बच्चा पैदा करने वाले दंपति को 40,000 रुपए की प्रोत्साहन राशि देने की योजना बनाई है। बता दें, पिछले कुछ दशकों में उत्तर भारत के राज्यों की जनसंख्या तेजी के साथ बढ़ी है लेकिन दक्षिण भारत के राज्य इस मामले में पीछे रहे हैं। ऐसे में अब लोकसभा परिसीमन की चर्चाओं के बीच इन राज्यों में जनसंख्या एक बड़ा मुद्दा बनी हुई है।

आंध्र प्रदेश की जनसंख्या को बढ़ाने के लिए प्रयास कर रहे मुख्यमंत्री चंद्र बाबू नायडू ने श्रीकाकुलम जिले में इस नई नवेली योजना का जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'मैंने एक नया निर्णय लिया है। हम तीसरे बच्चे के जन्म के तुरंत बाद 30,000 रुपये और चौथे बच्चे के जन्म पर 40,000 रुपये देंगे। क्या यह सही निर्णय नहीं है?' गौरतलब है कि यह पहली बार नहीं है, जब नायडू ने बच्चों के पैदा होने पर प्रोत्साहन राशि देने का ऐलान किया है। इससे पहले नायडू सरकार ने दूसरा बच्चा पैदा होने पर 25 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि देने का प्रस्ताव दिया था। दूसरा बच्चा पैदा करने पर 25 हजार का प्रस्तावः सीएम नायडू मुख्यमंत्री ने 5 मार्च को आंध्र प्रदेश विधानसभा को सूचित किया था कि राज्य सरकार अब दूसरा बच्चा पैदा करने वाले दंपत्तियों को 25,000 रुपए प्रोत्साहन राशि देने पर विचार कर रही है। इस घोषणा के बाद स्वास्थ्य मंत्री सत्य कुमार यादव ने बताया था कि सरकार ने तीसरे और उससे अधिक बच्चों वाले परिवारों को भी यह प्रोत्साहन देने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि लोग एक ही बच्चा पैदा कर रहे हैं। कई लोग दूसरा बच्चा केवल इसलिए पैदा करते हैं क्योंकि पहला बच्चा लड़का नहीं होता है। अगर पहला बच्चा लड़का हो जाए, तो यह भी दूसरा बच्चा न करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोग बच्चों को बोझ मानने लगे हैं। हमें इस धारणा को खत्म करना होगा। उन्होंने तर्क दिया कि बच्चे एक संपत्ति हैं और वह इसे साबित करके रहेंगे। एनडीए के महत्वपूर्ण घटक नायडू ने चेतावनी दी कि राज्य की जनसंख्या वृद्धि दर घट रही है। अगर ऐसा ही स्तर जारी रहा, तो जनसंख्या में कमी देखने को मिलेगी। उन्होंने कहा कि जनसंख्या तभी स्थिर रहेगी जब औसत प्रजनन दर प्रति महिला 2.1 बच्चे हों। अगर ऐसा नहीं होता है, तो जनसंख्या कम होने का खतरा रहता है। उन्होंने दावा किया कि कई देशों में घटती जनसंख्या और बढ़ती उम्र वाली आबादी ने उनकी अर्थव्यवस्थाओं को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया है।

गुरुग्राम में बेटे के सामने ट्रेन से जा कटी मां

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम के गढ़ी हरसरू और बसई रेलवे स्टेशन के बीच शुक्रवार शाम दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया। एक महिला ने अपने 22 वर्षीय बेटे के सामने दिल्ली से जैसलमेर जा रही स्वर्ण नगरी एक्सप्रेस ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। ट्रेन की रफ्तार इतनी तेज थी कि महिला की लाश के 100 से ज्यादा टुकड़े हो गए, जो पटरी पर करीब एक किलोमीटर दूर तक फैल गए। इस खौफनाक मंजर को देखकर महिला का बेटा और मौके पर मौजूद सभी लोग सहम गए। मृतक महिला की पहचान 47 वर्षीय सविता के रूप में हुई है। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने शनिवार को महिला के शव का पोस्टमॉर्टम कराकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

लोको पायलट ने कंट्रोल रूम को दी सूचना : जीआरपी से मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार शाम को दिल्ली से जैसलमेर जाने वाली स्वर्ण नगरी एक्सप्रेस गुरुग्राम रेलवे स्टेशन से रवाना होकर रेवाड़ी की तरफ जा रही थी। जैसे ही ट्रेन बसई और गढ़ी हरसरू रेलवे स्टेशन के बीच पहुंची, तभी एक महिला अचानक पटरी पर ट्रेन के सामने आ गई। ट्रेन के लोको पायलट ने तुरंत इसकी सूचना रेलवे कंट्रोल रूम को दी। जीआरपी की टीम मौके पर पहुंची और क्षत-विक्षत हो चुके शव के हिस्सों को एकत्र कर पोस्टमॉर्टम हाउस भिजवाया।

चार महीने पहले पति की कैंसर से हुई मौत : पुलिस जांच में सामने आया है कि सविता के पति की चार महीने पहले ही कैंसर से मौत हो गई थी। पति के निधन के बाद से ही वह सदमे में थी और मानसिक रूप से परेशान चल रही थी। इसी अवसाद में उसने शुक्रवार शाम को 22 साल के बेटे के सामने यह कदम उठा लिया। बेटा अपनी मां को रोकने की कोशिश करता, उससे पहले ही सब कुछ खत्म हो चुका था। शनिवार दोपहर को डॉक्टरों के पैनल द्वारा मृतक महिला सविता के शव का पोस्टमॉर्टम किया गया। जीआरपी के जांच अधिकारी ने बताया कि प्राथमिक जांच में मामला पति की मौत के बाद उपजे मानसिक तनाव और आत्महत्या का लग रहा है। हालांकि, घटना के अन्य पहलुओं और वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए मृतका के बेटे और परिवार के अन्य सदस्यों से गहन पूछताछ की जा रही है। वहीं, एक अन्य मामले में गुरुग्राम के हरि नगर में 30 वर्ग गज के एक प्लॉट के विवाद में बहू के मायके वालों द्वारा सास और जेठ के साथ मारपीट करने का आरोप है।

यूनियन मिनिस्टर का बेटा गिरफ्तार, पाक्सो मामले में पुलिस ने की कार्रवाई

हैदराबाद, एजेंसी। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय (यूनियन मिनिस्टर) के बेटे बंदी साई भगीरथ को रविवार को तेलंगाना के हैदराबाद में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंस (पाक्सो) एक्ट के तहत यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज किया गया है। बंदी संजय के बेटे के खिलाफ 17 साल की लड़की की मां की शिकायत के आधार पर 8 मई को भारतीय न्याय संहिता और पाक्सो एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया था। शुरुआत में दावा किया गया कि भगीरथ ने पूछताछ के लिए पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया था, हालांकि बाद में पुलिस ने पुष्टि की कि उसे मामले में गिरफ्तार किया गया था। इससे पहले, बंदी संजय कुमार ने शनिवार को कहा कि उन्होंने अपने बेटे को पुलिस के सामने पेश होने और जांच में शामिल होने के लिए कहा है। एक बयान में, बंदी संजय ने कहा कि उन्होंने पिछले हफ्ते शिकायत दर्ज

होने के तुरंत बाद अपने बेटे से पुलिस के साथ सहयोग करने के लिए कहा था। बंदी संजय के अनुसार, वकीलों ने राय दी कि केस रद्द कर दिया जाएगा और भगीरथ को बेल मिल जाएगी, जिससे देरी हुई। यह मामला पेटबशीराबाद पुलिस स्टेशन में दर्ज एक एफआईआर को लेकर है। भारतीय न्याय संहिता के सेक्शन 74 और 75 के तहत यौन उत्पीड़न के साथ-साथ यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण एक्ट के सेक्शन 11 और 12 के तहत आरोप शामिल हैं। पीड़िता की मां की शिकायत के अनुसार, आरोपी ने कथित तौर पर जून 2025 में शिकायतकर्ता की बेटी के साथ शादी का झूठा वादा करके रिश्ता बनाया और अक्टूबर 2025 से जनवरी 2026 के बीच उस पर गलत शारीरिक हरकतें कीं और शराब पीने का दबाव डाला। एफआईआर के अनुसार, 7 जनवरी को रिश्ता खत्म होने के बाद, लड़की ने कथित तौर पर उसी महीने बाद में दो बार खुद को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की। वहीं, भगीरथ की ओर से भी पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई गई। करीमनगर-ढ्ढढ्ढ टाउन पुलिस स्टेशन में उनकी शिकायत में आरोप लगाया गया कि लड़की के माता-पिता ने उनसे 5 करोड़ रुपये ऐंठने की कोशिश की और धमकी दी कि अगर पैसे नहीं दिए गए तो उनकी बेटी आत्महत्या कर लेगी। जारी किया गया था लुक-आउट सर्कुलर इससे पहले, साइबराबाद पुलिस ने बंदी संजय कुमार के बेटे बंदी भगीरथ के खिलाफ एक लुक-आउट सर्कुलर जारी किया था। भगीरथ पर पाक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है और यह सर्कुलर उसे देश छोड़कर भागने से रोकने के लिए जारी किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने शनिवार को पीटीआई को बताया कि भगीरथ को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। इस बीच, तेलंगाना रक्षा सेना की अध्यक्ष के. कविता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे एक पत्र में मांग की कि संजय कुमार (गृह राज्य मंत्री) को केंद्रीय मंत्रिमंडल से हटा दिया जाए।

चीन की नई चाल, एशियाई समुद्र में बढ़ा रहा अपना दबदबा: बड़े बेड़ों की तैनाती

बीजिंग, एजेंसी। नई चाल के तह चीन एशिया के विवादित समुद्री इलाकों में अपनी मौजूदगी बढ़ा रहा है। इसके लिए वह मछली पकड़ने वाली नावों, कोस्ट गार्ड जहाजों और समुद्री मिलिशिया यूनिट्स के बड़े बेड़े तैनात कर रहा है। यह एक बड़ी रणनीति का हिस्सा है, जिसका मकसद बिना किसी सीधी सैन्य टकराव के अपना नियंत्रण मजबूत करना है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट और ताइवान न्यूज के हवाले से यह जानकारी दी गई है। हाल ही में चीन की लगभग 200 मछली पकड़ने वाली नावें येलो सी में और अंदर तक चली गईं। ये नावें उन समुद्री इलाकों के और करीब पहुंच गईं, जिन पर चीन और दक्षिण कोरिया दोनों अपना दावा करते हैं। जियोस्पेशियल इंटेलिजेंस कंपनी Ingenispace द्वारा जुटाए गए डेटा से पता चला है कि अहम शिपिंग मार्गों और विवादित समुद्री क्षेत्रों में जहाजों की आवाजाही असामान्य रूप से बहुत ज्यादा बढ़ गई है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि बीजिंग अपनी 'ग्रे-जोन' रणनीति के तहत अब ज्यादा से ज्यादा नागरिक मछली पकड़ने वाले बेड़ों पर निर्भर हो रहा है। ये बेड़े दोहरे इस्तेमाल वाले ऑपरेशन्स के लिए तैयार किए गए हैं। इस रणनीति का मकसद धीरे-धीरे अपना प्रभाव बढ़ाना है, लेकिन साथ ही खुले युद्ध की स्थिति से भी बचना है।

चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर जेसन वांग ने कहा कि इन जहाजों की तैनाती से यह जाहिर होता है कि चीन अनियमित समुद्री ऑपरेशन्स के जरिए क्षेत्रीय समुद्री इलाकों पर अपना नियंत्रण स्थापित करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि जहाजों की यह बढ़ती संख्या चीन की उस संभावित क्षमता को भी दर्शाती है, जिसके तहत वह तनाव बढ़ने की स्थिति में अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक शिपिंग मार्गों को बाधित कर सकता है। पूर्वी चीन सागर में भी चीन की समुद्री गतिविधियां तेज हो गई हैं। 3 अप्रैल को 600 से ज्यादा चीनी मछली पकड़ने वाली नावें लगभग 18 घंटों तक एक लंबी कतार बनाकर खड़ी देखी गईं।

कोस्ट गार्ड की गश्त भी बढ़ी : इसके साथ ही, बीजिंग ने विवादित डियाओयुताई द्वीपों के आसपास कोस्ट गार्ड की गश्त भी बढ़ा दी। साउथ चाइना सी में, चीन ने पिछले एक साल में स्कारबोरो शोल के पास अपने कोस्ट गार्ड ऑपरेशन्स को कथित तौर पर दोगुना कर दिया है और इस इलाके को 'नेशनल नेचर रिजर्व' घोषित करने के बाद ज्यादा सख्त प्रशासनिक उपाय लागू किए हैं। वियतनाम के पास पैरासेल आइलैंड्स में नई कंस्ट्रक्शन एक्टिविटी देखी गई है।

क्या कह रहे एक्सपर्ट्स : सेंटर फॉर स्ट्रेटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के 'सीलाइट प्रोजेक्ट' के रिसर्चर्स ने बताया कि चीन ने पिछले साल समुद्री मिलिशिया और कोस्ट गार्ड जहाजों की सुरक्षा में 'एंटेलोप रीफ' का विस्तार करना शुरू कर दिया था। एक्सपर्ट्स ने कहा कि चीन का लंबे समय का मकसद विवादित पानी में अपने दबदबे को धीरे-धीरे सामान्य बनाना है, और साथ ही सीधे टकराव से बचना है। सीएसआईएस में जियोपॉलिटिक्स और विदेश नीति विभाग के प्रेसिडेंट विक्टर चा ने कहा कि चीन की कार्रवाइयां बहुत सोच-समझकर की गई हैं, ताकि बिना युद्ध छेड़े क्षेत्रीय नियंत्रण को मजबूत किया जा सके।

इराक के नए प्रधानमंत्री बने अली फलिह काजिम अल-जैदी, पीएम मोदी ने दी बधाई

बगदाद, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इराक के नए प्रधानमंत्री अली फलिह काजिम अल-जैदी को पद संभालने पर बधाई दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और इराक के बीच लंबे समय से मजबूत और दोस्ताना संबंध रहे हैं और भारत इन रिश्तों को हर क्षेत्र में और मजबूत बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि वह दोनों देशों की साझा तरक्की और समृद्धि के लिए नए इराकी प्रधानमंत्री के साथ मिलकर काम करने को उत्सुक हैं।

पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा संदेश : प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि अली फालिह काजिम अल-जैदी को इराक का प्रधानमंत्री बनने पर हार्दिक शुभकामनाएं। भारत इराक के साथ अपने पुराने और मजबूत संबंधों को बहुत महत्व देता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों देशों के बीच व्यापार, ऊर्जा, निवेश और कूटनीतिक सहयोग आने वाले समय में और मजबूत होगा।

अमेरिकी राजदूत ने भी दी अल-जैदी को बधाई : वहीं, तुर्किये में अमेरिका के राजदूत और सीरिया के लिए विशेष दूत टॉम बैरक ने भी इराक के नए प्रधानमंत्री को बधाई दी। उन्होंने कहा कि अमेरिका इराक में नए नेतृत्व का स्वागत करता है और दोनों देशों के साझा हितों पर मिलकर काम करना चाहता है। अमेरिका चाहता है कि इराक एक मजबूत, स्थिर और समृद्ध देश बने, जो अपने पड़ोसी देशों के साथ शांति बनाए रखे और अपने नागरिकों को बेहतर अवसर दे। टॉम बैरक ने यह भी कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, विदेश मंत्री मार्को रुबियो और

अमेरिका की सरकार इराक के साथ आतंकवाद खत्म करने और आर्थिक विकास बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने को तैयार हैं। इराकी संसद ने 14 मई को अली अल-जैदी की सरकार को मंजूरी दी थी। प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्होंने बड़ा बयान देते हुए कहा कि देश में हथियारों पर सिर्फ सरकार का अधिकार होना चाहिए। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका लगातार इराक पर दबाव बना रहा है कि वह ईरान समर्थित हथियारबंद गुटों को कमजोर करे और उन्हें निरस्त्र करे।

इराक की नई सरकार को यूएन ने भी दी बधाई : संयुक्त राष्ट्र ने भी नई सरकार के गठन का स्वागत किया है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने कहा कि यूएन इराक के लोगों के आर्थिक और सामाजिक विकास में सहयोग जारी रखेगा। यूरोपीय संघ ने भी इराक के नए प्रधानमंत्री को बधाई देते हुए देश की एकता, संप्रभुता और स्थिरता के समर्थन की बात दोहराई। वहीं जापान ने इराक में सुरक्षा स्थिति बेहतर होने पर खुशी जताई और कहा कि वह इराक में निवेश तथा इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए तैयार है।

पाकिस्तान रक्षा बजट में करने जा रहा 100 अरब की बढ़ोतरी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान सरकार अगले वित्त वर्ष में रक्षा बजट में करीब 100 अरब पाकिस्तानी रुपये की बढ़ोतरी कर सकती है। सरकार अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) समर्थित सुधार कार्यक्रम के तहत अपना बजट तैयार कर रही है, जिसमें राजस्व में भारी वृद्धि का अनुमान लगाया गया है। एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। मालूम हो कि पाकिस्तान ने पिछले साल भारत के खिलाफ बड़ा युद्ध हारा है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने पाकिस्तानी सेना को बुरी तरह से पराजित करते हुए कई ठिकानों पर मिसाइलों से हमले किए थे। संघर्ष के दौरान पाकिस्तान भारत से बुरी तरह से 'पिटा' था। ऐसे में अब अगले साल से रक्षा बजट के इतना बढ़ाए जाने से आशंका जताई जा रही है कि क्या पाकिस्तानी सेना कोई बड़ी तैयारी तो नहीं कर रही है और भारत के लिए बड़ा खतरा तो नहीं पैदा होने जा रहा? माना जा रहा है कि इसके जरिए वह अपनी सैन्य ताकत को बढ़ाएगा और हथियारों की खरीद भी बढ़ा सकता है, जिससे मुनीर की सेना की ताकत में इजाफा होगा। अखबार 'डॉन' ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की रिपोर्ट के हवाले से बताया कि 2026-27 के लिए रक्षा खर्च 2.66 लाख करोड़ पाकिस्तानी रुपये रहने का अनुमान है, जो चालू वित्त वर्ष में 2.56 लाख करोड़ रुपये है। रिपोर्ट के अनुसार, आईएमएफ ने 2026-27 में पाकिस्तान की कुल संघीय आय 17.14 लाख करोड़ पाकिस्तानी रुपये रहने का अनुमान लगाया है। यह मौजूदा वित्त वर्ष की तुलना में दो लाख करोड़ रुपये से अधिक और करीब 13.5 प्रतिशत ज्यादा है। रिपोर्ट में कहा गया कि पाकिस्तान ने केंद्र और प्रांतीय सरकारों के कुल खर्च को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 0.2 प्रतिशत तक बढ़ाकर 4.23 लाख करोड़ रुपये करने का वादा किया है। साथ ही जून 2027 तक केंद्र और प्रांतीय सरकारों के सभी भुगतानों को डिजिटल माध्यम से करने

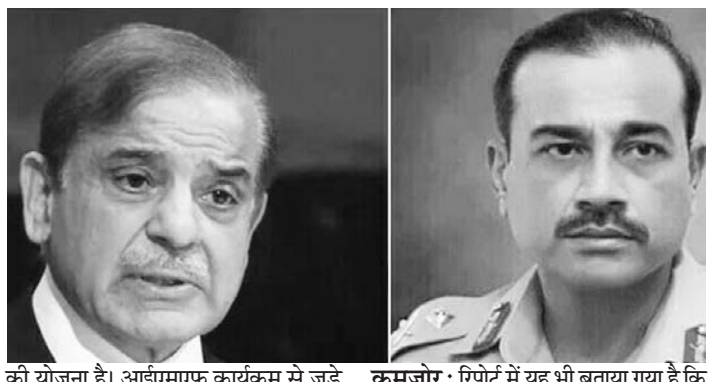

की योजना है। आईएमएफ कार्यक्रम से जुड़े व्यापक सुधारों के तहत सरकार इस वर्ष के अंत तक सबसे अधिक भ्रष्टाचार प्रभावित 10 संस्थानों की पहचान कर उनका विस्तृत अध्ययन और लेखा जांच करेगी। प्रांतीय भ्रष्टाचार निरोधक एजेंसियों को भी मजबूत किया जाएगा।

40 फीसदी आबादी आर्थिक रूप से कमजोर : रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि जो लोग घोर गरीबी में जी रहे हैं और जिन्हें सामाजिक सहायता मिल रही है, उनके अलावा भी लगभग 40 फीसदी आबादी आर्थिक रूप से कमजोर बनी हुई है। आईएमएफ का एक मिशन इस समय पाकिस्तान में है, जो 2026-27 के बजट से पहले बजट पर होने वाली चर्चाओं को अंतिम रूप देने के लिए आया है। उम्मीद है कि यह बजट अगले महीने की शुरुआत में कैबिनेट और संसद के सामने पेश किया जाएगा।

कांगो के इटुरी प्रांत में इबोला से अब तक 80 मौतें, स्वास्थ्यकर्मी सक्रिय : ब्राज़ाविल, एजेंसी। कांगो के पूर्वी इटुरी प्रांत में इबोला बीमारी के नए प्रकोप से कम से कम 80 लोगों की मौत हो चुकी है। अधिकारियों ने बताया कि स्वास्थ्यकर्मी बीमारी को रोकने के लिए स्क्रीनिंग और संपर्क ट्रेसिंग तेज कर रहे हैं। शुक्रवार को इस प्रकोप की घोषणा की गई थी, तब 65 मौतें और 246 संदिग्ध मामले थे। कांगो के स्वास्थ्य मंत्री सैमुअल-रोजर काम्बा ने आठ प्रयोगशाला-पुष्टि मामलों की जानकारी दी, जिनमें चार मौतें शामिल हैं। परीक्षणों में बंडिबुग्यो वायरस की पुष्टि हुई है। यह कांगो में इबोला का 17वां प्रकोप है। इबोला अत्यधिक संक्रामक और अक्सर घातक होता है।

दिल्ली कैपिटल्स ने राजस्थान को 5 विकेट से हराया, प्लेऑफ की उम्मीदें बरकरार

राजस्थान की लगातार तीसरी हार, प्लेऑफ की मुश्किलें और बढ़ीं

एजेंसी

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में रविवार को खेले गए मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स ने राजस्थान रॉयल्स को 5 विकेट से हराकर महत्वपूर्ण जीत दर्ज की। अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में दिल्ली ने 194 रन के लक्ष्य को 19.2 ओवर में पांच विकेट खोकर हासिल कर लिया। इस जीत के साथ दिल्ली की प्लेऑफ की उम्मीदें बनी हुई हैं, जबकि राजस्थान की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी राजस्थान रॉयल्स ने निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट पर 193 रन बनाए। टीम की शुरूआत अच्छी रही और मध्यक्रम के बल्लेबाजों ने भी तेज गति से रन जुटाए, लेकिन अंतिम ओवरों में लगातार विकेट गिरने से टीम 200 रन के आंकड़े तक नहीं पहुंच सकी।

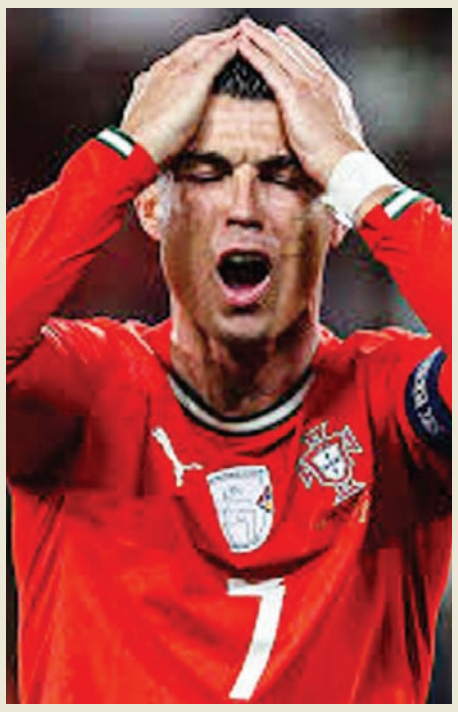

राजस्थान के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने सबसे ज्यादा 53 रन की पारी खेली। कप्तान रियान पराग ने 26 गेंदों पर 51 रन बनाकर तेज अर्धशतक जमाया। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने भी आक्रामक अंदाज दिखाते हुए 21 गेंदों में 46 रन जोड़े। एक समय राजस्थान मजबूत स्थिति में नजर आ रही थी, लेकिन अंतिम चरण में बल्लेबाजी लड़खड़ा गई। दिल्ली की ओर से गेंदबाजी में मिचेल स्टार्क सबसे सफल रहे। उन्होंने चार विकेट हासिल कर राजस्थान की रनगति पर अंकुश लगाया। इसके अलावा लुंगी एनगिडी और माधव तिवारी ने दो-दो विकेट लेकर टीम को अहम सफलताएं दिलाईं। लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली ने संतुलित बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया और लगातार साझेदारियां बनाते हुए मैच पर पकड़ बनाए रखी। टीम ने दबाव के क्षणों में संयम दिखाया और अंतिम ओवरों में जीत अपने नाम कर ली। राजस्थान की यह लगातार तीसरी हार रही, जिससे टीम की प्लेऑफ राह और कठिन हो गई है। दूसरी ओर दिल्ली ने इस जीत के साथ टूर्नामेंट में अपनी दावेदारी मजबूत बनाए रखी है।

अल-नस्र की हार से टूटा रोनाल्डो का सपना, फाइनल के बाद मेडल लेने से भी किया इनकार

रियाद, एजेंसी। सऊदी क्लब अल-नस्र और फुटबॉल सुपरस्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो के लिए शनिवार की रात बेहद निराशाजनक साबित हुई। एएफसी चैंपियंस लीग टू के फाइनल में जापान के गाम्बा ओसाका ने अल-नस्र को 1-0 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। इस हार के बाद रोनाल्डो ने रनर-अप मेडल लेने से भी इनकार कर दिया, जिसकी चर्चा सोशल मीडिया पर तेजी से हो रही है।

डेनिज हम्मत का गोल बना फर्क

मुकाबले में अल-नस्र ने गेंद पर ज्यादा कब्जा रखा और लगातार अटैक किए, लेकिन टीम गोल करने में नाकाम रही। वहीं गाम्बा ओसाका ने मिले मौके का शानदार फायदा उठाया। मैच के 30वें मिनट में तुर्की फॉरवर्ड डेनीज हमात ने बॉक्स के अंदर से शानदार लो शॉट लगाकर टीम को बढ़त दिलाई। गोल के बाद लंबा वीएआर चेक हुआ, लेकिन आखिरकार गोल को मान्यता दे दी गई। हम्मत ने मैच के बाद कहा, 'मैं खुश हूं कि मैंने गोल किया और टीम की मदद कर सका। दूसरे हाफ में मैं काफी नर्वस था, लेकिन सबसे जरूरी बात यह है कि हमने जीत हासिल की। मुझे अपने साथियों पर गर्व है।'

रोनाल्डो और फेलिक्स से चूके मौके

अल-नस्र के स्टार खिलाड़ियों ने कई मौके बनाए, लेकिन किस्मत ने उनका साथ नहीं दिया। पहले हाफ के अंत में रोनाल्डो को बराबरी का शानदार मौका मिला, लेकिन जोआओ फेलिक्स के क्रॉस पर उनका हेडर गोलपोस्ट के बाहर चला गया। इसके बाद मैच खत्म होने से 13 मिनट पहले फेलिक्स का लंबी दूरी का शॉट पोस्ट से टकरा गया। ओसाका की मजबूत डिफेंस लाइन ने अल-नस्र के स्टार अटैक को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया।

हार के बाद मेडल लेने से किया इनकार

फाइनल हारने के बाद रोनाल्डो काफी निराश नजर आए। मैच खत्म होने के बाद उन्होंने रनर-अप मेडल लेने से इनकार कर दिया। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और फैंस के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। रोनाल्डो दिसंबर 2022 में अल-नस्र से जुड़े थे, लेकिन अब तक वह क्लब को कोई बड़ा अंतरराष्ट्रीय खिताब नहीं दिला सके हैं।

राहुल द्रविड़ ने कोच गंभीर की सोच से जताई असहमति, बोले -

क्रिकेट में सुपरस्टार और हीरो जरूरी

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व मुख्य कोच और दिग्गज बल्लेबाज राहुल द्रविड़ ने भारतीय क्रिकेट में सुपरस्टार संस्कृति को खत्म करने की बात पर अपनी अलग राय रखी है। मौजूदा हेड कोच गौतम गंभीर लगातार इस बात की वकालत करते रहे हैं कि टीम खेल में व्यक्तिगत उपलब्धियों से ज्यादा टीम की सफलता को महत्व दिया जाना चाहिए। हालांकि, द्रविड़ ने गंभीर की सोच को पूरी तरह गलत नहीं बताया, लेकिन उन्होंने साफ कहा कि हर खेल को अपने हीरो और सुपरस्टार की जरूरत होती है। उनका मानना है कि कोई भी खिलाड़ी बिना शानदार प्रदर्शन के सुपरस्टार नहीं बन सकता।द्रविड़ ने हाल के समय में भारतीय टेस्ट टीम के प्रदर्शन पर भी अपनी राय दी। उन्होंने माना कि रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की जगह भरना आसान नहीं है। उन्होंने कहा, 'रेड-बॉल क्रिकेट में अच्छा करने का जुनून टीम में मौजूद है। हाल के कुछ सीरीज में भारतीय टीम उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाई, लेकिन ऐसा कभी-कभी होता है। कुछ बड़े खिलाड़ी हाल ही में रिटायर हुए हैं और उनकी कमी जरूर महसूस होगी। हालांकि भारतीय क्रिकेट अब भी मजबूत है और मुझे भरोसा है कि टीम हर फॉर्मेट में प्रतिस्पर्धी बनी रहेगी।'द्रविड़ ने यह भी कहा कि मौजूदा समय में काफी ज्यादा व्हाइट-बॉल क्रिकेट खेला जा रहा है, जिससे खिलाड़ियों के लिए अलग-अलग फॉर्मेट में लगातार खुद को ढालना आसान नहीं होता।

सुनील नरेन ने रचा इतिहास

200 मैच खेलने वाले पहले विदेशी खिलाड़ी बने

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के स्पिनर सुनील नरेन ने इतिहास रच दिया है। शनिवार को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में गुजरात टाइटंस के खिलाफ उतरते ही उन्होंने अपने 200 आईपीएल मैच पूरे कर लिया है। आईपीएल में 200 मैच खेलने वाले वह पहले विदेशी खिलाड़ी हैं।

सुनील नरेन ने रचा इतिहास

सुनील नरेन केकेआर की तरफ से भी 200 मैच खेलने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। नरेन 2012 में केकेआर से जुड़े थे और उसके बाद से लगातार इसी टीम के लिए खेल रहे हैं। नरेन टीम के बड़े मैच विनर हैं। टीम को 2012, 2014 और 2024 में चैंपियन बनाने में त्रिनिदाद एवं टोबैगो के इस खिलाड़ी का अहम योगदान रहा है। नरेन एक ऑफ स्पिनर हैं, लेकिन गेंदबाजी के अलावा अपनी धमाकेदार बल्लेबाजी से भी वह टीम को मैच जिताते रहे हैं। गुजरात के खिलाफ मैच से पहले खेले 199 मैचों की 126 पारियों में 22 बार नाबाद रहते हुए नरेन ने 1,820 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से सात अर्धशतक और एक शतक आया है। इसके अलावा 197 पारियों में गेंदबाजी करते हुए उन्होंने 203 विकेट लिए हैं। नरेन आईपीएल में सर्वाधिक विकेट लेने वाले विदेशी गेंदबाज भी हैं और सर्वाधिक सफल गेंदबाजों की सूची में युजवेंद्र चहल और भुवनेश्वर कुमार के बाद तीसरे नंबर पर हैं। केकेआर के लिए सर्वाधिक आईपीएल मैच खेलने वाले खिलाड़ियों में नरेन 200 मैच के साथ पहले स्थान पर हैं।

एलिना ने जीता इटैलियन ओपन का खिताब

रोम। सातवीं वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए विमेंस सिंगल्स फाइनल मुकाबले में कोको गॉफ को दो घंटे तक चले मैच में 6-4, 6-7 (3), 6-2 से हराकर इटैलियन ओपन के खिताब को अपने नाम किया। दूसरी वरीयता प्राप्त एलेना रायबाकिना और सेमीफाइनल में इगा स्वियाटेक को हराकर फाइनल में पहुंचीं स्वितोलिना पिछले साल की रनर-अप गॉफ के खिलाफ शुरुआत में दबाव में दिखाई दीं और पहले सेट में 2-4 से पीछे चल रही थीं। मैच का टर्निंग पॉइंट आठवें गेम में आया, जब गॉफ ने 40-0 की लीड बनाने के बाद दो बार डबल-फॉल्ट किया, जिससे स्वितोलिना को ब्रेक बैक करने का मौका मिला। शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, यूक्रेनी खिलाड़ी स्वितोलिना ने फिर नौवें गेम में तीन ब्रेक पॉइंट बचाकर सर्व बनाई रखी और सेट 6-4 से अपने नाम कर लिया। दूसरा सेट में स्वितोलिना और गॉफ के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। गॉफ ने 11वें गेम में अहम ब्रेक लिया, लेकिन जब वह सेट जीतने के लिए सर्व कर रही थीं, तब स्वितोलिना ने तुरंत वापसी करते हुए ब्रेक हासिल कर लिया और मुकाबला टाईब्रेक तक पहुंच गया। टाईब्रेक में गॉफ ने शानदार खेल दिखाया और सेट को 7-3 से अपने नाम करते हुए मैच को बराबरी पर ला दिया। स्वितोलिना ने पांचवें और सातवें गेम में ब्रेक करके निर्णायक सेट में कंट्रोल वापस पा लिया। चैंपियनशिप के लिए सर्व करते हुए, उन्होंने बैकहैंड वॉली लगाकर अपनी जीत पक्की करने से पहले तीन ब्रेक पॉइंट बचाए। यह जीत रोम में उनका तीसरा सिंगल्स टाइटल और उनके करियर का 20वां डब्ल्यूटीए सिंगल्स टाइटल है।

थाईलैंड ओपन के फाइनल में हारे सात्विक-चिराग, मार्टिन-कार्नांडो ने दी शिकस्त

बैंकॉक, एजेंसी। भारत की स्टार पुरुष युगल बैडमिंटन जोड़ी सात्विकसाईराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी थाईलैंड ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट का खिताब जीतने से चूक गई। बैंकॉक में खेले गए रोमांचक फाइनल में इंडोनेशिया की लियो कार्नांडो और डेनिएल मार्टिन की जोड़ी ने भारतीय खिलाड़ियों को 53 मिनट तक चले मुकाबले में 21-12, 25-23 से हराया।

पहले गेम में लय नहीं पकड़ सके सात्विक-चिराग

दुनिया की चौथे नंबर की भारतीय जोड़ी शुरुआत से ही दबाव में नजर आई। चिराग शुरुआती सर्विस एक्सचेंज में संघर्ष करते दिखे, जिसका फायदा इंडोनेशियाई जोड़ी ने उठाया और जल्दी 4-1 की बढ़त बना ली। हालांकि भारतीय जोड़ी ने कुछ समय तक मुकाबले में बने रहने की कोशिश की, लेकिन लियो और डेनियल के आक्रामक स्मैश और तेज नेट प्ले के सामने वे टिक नहीं सके। इंडोनेशियाई खिलाड़ियों ने लगातार दबाव बनाए रखा और पहला गेम 21-12 से अपने नाम कर लिया।

दूसरे गेम में दिखाया जबरदस्त जज्बा

पहला गेम गंवाने के बाद सात्विक और चिराग ने दूसरे गेम में शानदार वापसी की। भारतीय जोड़ी ने तेज रफ्तार रैलियों और बेहतर नेट गेम के दम पर मुकाबले में बराबरी बनाई। एक समय भारतीय जोड़ी 7-5 से आगे निकल गई और फिर दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। स्कोर 14-14 से लेकर 19-19 तक बराबरी पर चलता रहा। इसके बाद इंडोनेशियाई जोड़ी ने लगातार चैंपियनशिप प्वाइंट हासिल किए, लेकिन सात्विक और चिराग ने शानदार जुझारूपन दिखाते हुए चार बार मुकाबला बचा लिया। हालांकि पांचवें चैंपियनशिप प्वाइंट पर भारतीय जोड़ी नेट में शटल मार बैठी और मुकाबला हार गई।सात्विक और चिराग के लिए यह सीजन का पहला फाइनल था। सात्विक के कंधे की चोट के कारण भारतीय जोड़ी कुछ टूर्नामेंट नहीं खेल पाई थी, लेकिन वापसी के बाद उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया। यह थाईलैंड ओपन में उनका तीसरा फाइनल था।

चांदी के आयात पर सरकार ने बढ़ाई सख्ती, नए नियम तत्काल प्रभाव से लागू

हर पखवाड़े जमा करनी होगी परफॉर्मेंस रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने चांदी के आयात पर बंदिशें बढ़ा दी हैं। शनिवार को एक सरकारी आदेश जारी हुआ। इसके अनुसार, अधिकारी सोने-चांदी के प्रवाह को कंट्रोल करने और देश के बाहरी क्षेत्र पर दबाव कम करने के अपने प्रयासों को जारी रखे हुए हैं। यह ताजा कदम सरकार की ओर से हाल के दिनों में घोषित उपायों की एक सीरीज के बीच आया है। इनका मकसद कीमती धातुओं के आयात पर निगरानी और कंट्रोल को और सख्त करना है। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक, भारत सरकार ने चांदी

की सिल्लियों के आयात से जुड़ी नीति को सख्त कर दिया है। तत्काल प्रभाव से उनकी स्थिति को 'मुक्त' से बदलकर 'प्रतिबंधित' कर दिया है। निगरानी को और मजबूत करने के लिए 'एडवांस ऑथराइजेशन' स्कीम के तहत आयातकों को अब हर पखवाड़े (दो सप्ताह में एक बार) परफॉर्मेंस रिपोर्ट जमा करनी होगी। इस रिपोर्ट को एक स्वतंत्र चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) की ओर से प्रमाणित किया जाना अनिवार्य होगा। इसमें आयात और निर्यात गतिविधियों का विस्तृत विवरण शामिल होगा। केंद्र सरकार ने हाल ही में सोने और चांदी पर आयात शुल्क को 6 फीसदी से बढ़ाकर 15 फीसदी कर दिया था। इसके अलावा, सोने-चांदी के आयात पर 3 फीसदी 'इंटीग्रेटेड गुड्स एंड सर्विस टैक्स' भी लगाया गया था। इन उपायों का उद्देश्य गैर-आवश्यक आयातों पर अंकुश लगाना और विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ने वाले दबाव को कम करना है। यह ऐसे समय में किया गया है, जब कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और वैश्विक भू-राजनीतिक अनिश्चितताएं देश के बाहरी आर्थिक संतुलन को प्रभावित कर रही हैं। साल 2025-26 में भारत का सोने का आयात 24 फीसदी से अधिक बढ़कर रिकॉर्ड 71.98 अरब डॉलर तक पहुंच गया। हालांकि, इस दौरान सोने की खेप की मात्रा (वॉल्यूम) में 4.76 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। यह घटकर 721.03 टन रह गई। सरकार ने पहले कहा था कि इस सख्त ढांचे का उद्देश्य आयात की बेहतर निगरानी सुनिश्चित करना है।

सोने की आयात सीमा 100 किलो तय

सरकार ने शुक्रवार को 'एडवांस ऑथराइजेशन' स्कीम के तहत सोने के आयात की सीमा 100 किलो तय कर दी। साथ ही, विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) की एक अधिसूचना के जरिये रत्न और आभूषण क्षेत्र के आयातकों के लिए सख्त अनुपालन आवश्यकताओं को भी लागू किया। अधिसूचना में कहा गया है, 'सोने के आयात के लिए 'एडवांस ऑथराइजेशन' केवल 100 किलो की अधिकतम अनुमेय मात्रा सीमा के अधीन ही जारी किया जाएगा।' आवेदन करने वालों के लिए भी नियमों को सख्त कर दिया है।

अब आसमान छुएंगे पेट्रोल-डीजल के दाम

भारत के लिए बढ़ा महासंकट, रूसी तेल पर मिलने वाली अमेरिकी छूट खत्म

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक ऊर्जा बाजार में जारी उथल-पुथल के बीच दुनिया पर एक और ऑयल शॉक (तेल का झटका) का खतरा मंडराने लगा है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने समुद्र में मौजूद रूसी कच्चे तेल की खरीद पर दी गई प्रतिबंधों की अस्थायी छूट को आगे बढ़ाने से इनकार कर दिया है। इससे 16 मई की समयसीमा समाप्त होने के बाद यह छूट अब खत्म हो गई है। अमेरिकी सरकार के इस कड़े फैसले से भारत और इंडोनेशिया जैसे उन देशों को बड़ा झटका लगा है, जो पश्चिम एशिया (मिडिल ईस्ट) में जारी युद्ध के बीच अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए सस्ते रूसी तेल पर निर्भर थे।

क्या थी यह अमेरिकी छूट: पश्चिम एशिया में जारी ईरान युद्ध और होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकेबंदी के कारण दुनिया भर में कच्चे तेल की सप्लाई प्रभावित हुई है। इसी संकट से निपटने और अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों को काबू में रखने के लिए वाशिंगटन ने मार्च में पहली बार एक विशेष छूट जारी की थी। इस छूट के तहत उन रूसी तेल टैंकरों से खरीद की इजाजत दी गई थी, जिन पर तेल पहले से लोड किया जा चुका था। बाद में आयात करने वाले देशों के दबाव में आकर अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने इसे अप्रैल में 16 मई

तक के लिए बढ़ा दिया था।

भारत ने की थी छूट बढ़ाने की मांग= भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का एक बड़ा हिस्सा आयात करता है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, इस डेडलाइन से ठीक पहले भारत ने अमेरिका से इस छूट को आगे बढ़ाने का पुरजोर आग्रह किया था। भारतीय अधिकारियों ने वाशिंगटन से ये बातें कही थीं: वैश्विक तेल बाजार में जारी उतार-चढ़ाव का सीधा असर भारत की 1.4 अरब आबादी और देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। ईंधन की बढ़ती लागत का खामियाजा पहले ही देश के आम परिवारों को भुगतना पड़ रहा है, जिससे रसोई गैस की किल्लत जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं। इस अमेरिकी छूट का फायदा उठाते हुए भारतीय रिफाइनिंग कंपनियों ने रूसी तेल की खरीद में रेकॉर्ड तेजी दिखाई थी।

6 साल में पहली बार वोडा-आइडिया को मुनाफा, अब 13 वाले शेयर पर रहेगी नजर

नई दिल्ली, एजेंसी। संकट से जूझ रही टेलीकॉम कंपनी वोडाफोन-आइडिया ने वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। इस तिमाही में कंपनी का मुनाफा 51,970 करोड़ रुपये रहा। यह लगभग छह वर्षों में कंपनी का पहला मुनाफा है। वोडाफोन आइडिया को वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 7,167 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। अब सोमवार को वोडाफोन आइडिया के शेयर में हलचल की उम्मीद है। बता दें कि इस टेलीकॉम कंपनी के शेयर की कीमत बीएसई इंडेक्स पर 12.96 रुपये है। बीते शुक्रवार को शेयर 13.34 रुपये के स्तर तक गया था। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है। वोडाफोन-आइडिया ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि यह मुनाफा मुख्य रूप से देनदारियों में राहत के कारण हुआ है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने 27 जनवरी को पुष्टि की थी कि 31 दिसंबर 2025 तक वोडाफोन आइडिया पर एडजस्ट ग्रॉस रेवेन्यू (एजीआर) से जुड़ा बकाया 87,695 करोड़ रुपये है। इसके बाद डीओटी ने 30 अप्रैल को कंपनी को बताया कि पुनर्मूल्यांकन के लिए गठित समिति ने 2006-07 से 2018-19 की अवधि के लिए 31 दिसंबर, 2025 तक एजीआर बकाया 64,046 करोड़ रुपये तय किया है।

चिप को लेकर टाटा-एएसएमएल के बीच बड़ी डील

पीएम मोदी के नीदरलैंड पहुंचते ही हुए कई समझौत, डच कंपनियों को दिया ऑफर

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस समय विदेश यात्रा पर हैं। इस दौरान वह शनिवार को दो दिवसीय दौर पर यूरोपीय देश नीदरलैंड पहुंचे। पहले दिन भारत ने नीदरलैंड के साथ करीब कई समझौते किए। इसमें सबसे बड़ा समझौता सेमीकंडक्टर चिप से जुड़ा है। भारत में सेमीकंडक्टर निर्माण को नई गति देने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए डच कंपनी ASML और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नीदरलैंड के प्रधानमंत्री रॉब जेटेन की मौजूदगी में हुआ। दोनों नेताओं ने गुजरात के धोलेरा में स्थापित होने वाले भारत के पहले फ्रंट-एंड सेमीकंडक्टर फैब के लिए टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और एएसएमएल की साझेदारी का स्वागत किया। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स 91,000 करोड़ रुपये के निवेश से भारत का पहला सेमीकंडक्टर वेफर मैन्युफैक्चरिंग प्लांट स्थापित कर रही है। इस दौरान पीएम मोदी ने बताया कि सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत की प्रगति देश के युवाओं के लिए अपार अवसर लेकर आ रही है और आने वाले समय में इस क्षेत्र को और अधिक मजबूती दी जाएगी। वहीं एएसएमएल के अधिकारी क्रिस्टोफ फूके ने कहा कि भारत के लिए सेमीकंडक्टर अब एक स्पष्ट प्राथमिकता बन चुका है और टाटा देश का पहला सेमीकंडक्टर फैब स्थापित करने जा रही कंपनी है।

सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट बेहद महत्वपूर्ण है। इस एमओयू के

माध्यम से हम टाटा को उत्पाद, तकनीक और विशेषज्ञ मानव संसाधन के स्तर पर हर संभव सहयोग देना चाहते हैं, ताकि उन्हें पहले फैब के लिए सर्वश्रेष्ठ लिथोग्राफी समाधान मिल सके।

डच कंपनियों को निवेश का मौका पीएम मोदी ने शनिवार को नीदरलैंड की कंपनियों को भारत में डिजाइन, इनोवेट और मैन्युफैक्चर करने के लिए आमंत्रित किया है। अपनी पांच देशों की यात्रा के दूसरे पड़ाव के तहत नीदरलैंड पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी ने डच कंपनियों के सामने भारत में व्यापार के असीम अवसरों को रेखांकित किया। उन्होंने विदेशी कंपनियों से मैरीटाइम (समुद्री क्षेत्र), रिन्यूएबल एनर्जी (नवीकरणीय ऊर्जा), डिजिटल टेक्नोलॉजी, सेमीकंडक्टर्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और हेल्थकेयर जैसे उभरते क्षेत्रों में निवेश की संभावनाएं तलाशने का आग्रह किया। नीदरलैंड की कंपनियों के साथ समझौते के दौरान पीएम मोदी के साथ उनके डच समकक्ष यानी नीदरलैंड के प्रधानमंत्री रॉब जेटन भी मौजूद थे। वकालत की। आधिकारिक बयान के अनुसार, यह एफटीए भारत और यूरोपीय संघ को एक भरोसेमंद और विश्वसनीय भागीदार के रूप में और मजबूत करेगा।

दोनों देशों के बीच इन क्षेत्रों पर हुई चर्चा

कनेक्टिविटी: भारतीय बंदरगाहों को नीदरलैंड के बंदरगाहों से जोड़ना।
क्लीन एनर्जी: ग्रीन हाइड्रोजन और रिन्यूएबल एनर्जी के क्षेत्र में संयुक्त काम।
फ्यूचर टेक: रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्टार्टअप्स, और एग्रीकल्चरल सप्लाई चेन।
टैलेंट इंजन: भारत को वैश्विक स्तर पर एक 'टैलेंट इंजन' के रूप में देखा जा रहा है। डच कंपनियों ने भारत की इस प्रतिभा का लाभ उठाने के लिए 'ग्लोबल मोबिलिटी' और 'स्किल पार्टनरशिप' पर ध्यान केंद्रित किया है।

पेट्रोल-डीजल 3 रुपये महंगा करके बाजी जीती नहीं सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने देश में ईंधन की कीमतें बढ़ा दी हैं। बीते शुक्रवार को इसका ऐलान हुआ। ऐसा तेल मार्केटिंग कंपनियों पर पड़ने वाले बोझ को कम करने की कोशिश में किया गया। कारण है ग्लोबल कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर के पार चली गई थीं। जबकि खुदरा कीमतें जस की तस बनी हुई थीं। अब जब पेट्रोल और डीजल 3 रुपये महंगे हो गए हैं तो अहम सवाल यह है- कीमतों में यह बढ़ोतरी किस हद तक मदद करेगी वैसे तो पहली नजर में यह नजरिया थोड़ा आशावादी लग सकता है। लेकिन, अब यह मुद्दा सिर्फ कच्चे तेल की कीमतों तक ही सीमित नहीं रह गया है। गिरता हुआ रुपया भी इस समीकरण में शामिल हो गया है। मुख्य चिंता यह है कि जब कमजोर होती मुद्रा और बढ़ती ईंधन लागत एक साथ आते हैं तो क्या होता है। ऐसी स्थिति में जरा सा बदलाव भी हालिया नीतिगत उपायों से होने वाले फायदों को खत्म कर सकता है।

एसबीआई रिसर्च के 'इकोव्रैप' के अनुसार, रुपया अब ऐसे स्तर पर है जहां इसमें और गिरावट आने पर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में हाल ही में की गई 3 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी से मिलने वाला फायदा बेअसर हो सकता है। रिपोर्ट में बताया गया है, 'रुपये में महज 2 रुपये की और गिरावट भी कच्चे तेल की प्रभावी कीमत को बढ़ा देती है। इससे आयात की लागत बढ़ जाती है। यह मौजूदा ईंधन मूल्य बढ़ोतरी से होने वाले फायदों को पूरी तरह से खत्म कर देती है।' इसमें आगे कहा गया है कि ईंधन की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी मुख्य रूप से तेल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) पर पड़ने वाले वित्तीय दबाव को कम करने के लिए की गई। ये कंपनियां कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के कारण लगातार नुकसान उठा रही हैं। जबकि खुदरा ईंधन की

कीमतें अपरिवर्तित बनी हुई हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, 'खुदरा कीमतों में कोई बदलाव न होने के कारण पेट्रोल-डीजल की बिक्री पर ओएमसी को होने वाला नुकसान (अंडर-रिकवरी) तेजी से बढ़ रहा है।' इसमें आगे कहा गया है कि ये कंपनियां हर रोज 1000 करोड़ रुपये तक का नुकसान उठा रही हैं। यह साल भर में लगभग 3.6 लाख करोड़ रुपये के बराबर होता है।

3 रुपये की बढ़ोतरी से कितनी मिलेगी राहत

बैंक के अनुसार, ईंधन की कीमतों में 3 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी से ओएमसी को लगभग 52,700 करोड़ रुपये की राहत मिलेगी। लेकिन, यह उनके अनुमानित एफवाय27 (वित्त वर्ष 2026-27) के नुकसान का केवल 15 प्रतिशत ही भरपाई कर पाएगा। रिपोर्ट में करेंसी के उतार-चढ़ाव के प्रति इस राहत की संवेदनशीलता पर भी जोर दिया गया है। इसमें कहा गया है, 'रुपया पहले ही गिरावट के एक ऐसे नाजुक स्तर के करीब पहुंच चुका है, जिसके पार जाने पर करेंसी में और कमजोरी आने से घरेलू ईंधन कीमतों में संशोधन से मिलने वाले अपेक्षित फायदे काफी हद तक खत्म हो सकते हैं।' 94 रुपये प्रति अमेरिकी डॉलर और कच्चे तेल की कीमत 106 डॉलर प्रति बैरल मानते हुए रिसर्च ने आयातित कच्चे तेल की लागत लगभग 9,964 रुपये प्रति बैरल होने का अनुमान लगाया है।

दिल्ली- एनसीआर वालों को तगड़ा झटका, फिर महंगी हुई सीएनजी, 48 घंटे में दूसरी बार बढ़े दाम

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर के आम नागरिकों और वाहन चालकों के लिए महंगाई का एक और बड़ा झटका लगा है। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड ने रविवार को कंप्रेस्ड नेचुरल गैस की कीमतों में 1 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी कर दी है। पिछले 48 घंटों के भीतर सीएनजी की कीमतों में यह लगातार दूसरी वृद्धि है, जिससे दिल्ली में सीएनजी के दाम पहली बार 80 रुपये के पार चले गए हैं। इससे पहले बीते शुक्रवार (15 मई) को भी आईजीएल ने सीएनजी की कीमतों में 2 रुपये प्रति किलोग्राम का इजाफा किया था, जिससे दिल्ली में इसकी कीमत बढ़कर 79.09 रुपये हो गई थी। अब रविवार को हुई 1 रुपये की और बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में सीएनजी का रेट 80 रुपये के स्तर को पार कर गया है। 15 मई को केंद्र सरकार ने देश भर में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भी बड़ी बढ़ोतरी की थी। सरकार ने पेट्रोल और डीजल दोनों के दामों में करीब 3 रुपये प्रति लीटर का इजाफा किया था। इस बढ़ोतरी के बाद देश की राजधानी दिल्ली में फिलहाल

पेट्रोल का रेट 97.77 रुपये प्रति लीटर और डीजल का रेट 90.67 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है। लगातार बढ़ते ईंधन के दामों (पेट्रोल, डीजल और अब सीएनजी) के कारण दिल्ली-एनसीआर में कैब ऑटो, कमर्शियल गाड़ियों और रोजमर्रा के सफर के लिए कम्यूट करने वाले आम लोगों की जेब पर आर्थिक बोझ और ज्यादा बढ़ने वाला है। आने वाले दिनों में ऑटो और कैब चालकों द्वारा किराए में बढ़ोतरी की मांग भी तेज हो सकती है। जहां दुनिया के कई देशों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 20 प्रतिशत से लेकर करीब 100 प्रतिशत तक की भारी बढ़ोतरी देखी गई है, वहीं भारत ने इस बढ़ोतरी को पेट्रोल के लिए केवल 3.2 प्रतिशत और डीजल के लिए 3.4 प्रतिशत तक ही सीमित रखा है। ईंधन की कीमतों में आ रही इस तेजी के पीछे वैश्विक कारण हैं। दरअसल, पश्चिम एशिया (मिडिल ईस्ट) में जारी तनाव और संघर्ष के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकेबंदी कर दी गई है। यह दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण तेल और गैस व्यापार मार्ग है, जहां से वैश्विक तेल व्यापार का लगभग पांचवां (1/5) हिस्सा गुजरता है। इस आपूर्ति व्यवधान के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड (कच्चा तेल) की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से नौ कंपनियों ने गंवाए 3.12 लाख करोड़

पश्चिमी एशिया में तनाव, सेंसेक्स-निफ्टी भी धड़ाम, रिलायंस को सबसे ज्यादा नुकसान

एजेंसी

नई दिल्ली। बीते सप्ताह पश्चिमी एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल और रुपये की कमजोरी जैसे वैश्विक और घरेलू कारकों के मेल ने भारतीय शेयर बाजार में भारी बिकवाली का माहौल पैदा किया। इसके चलते देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से नौ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 3.12 लाख करोड़ रुपये की बड़ी गिरावट दर्ज की गई। इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे अधिक नुकसान हुआ, जबकि भारती एयरटेल एकमात्र ऐसी कंपनी रही जिसने निवेशकों को सकारात्मक रिटर्न दिया। बाजार को लगे जोरदार झटके समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान, वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण निवेशकों में घबराहट देखने को मिली। इस बिकवाली के कारण, बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स सप्ताह के दौरान 2,090.2 अंक यानी 2.7 प्रतिशत टूट गया, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 532.65 अंक यानी 2.2 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ, जिससे निवेशकों की चिंताएं बढ़ गईं। शीर्ष 10 कंपनियों में से नौ के मूल्यांकन में गिरावट दर्ज की गई। सबसे ज्यादा नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज

को हुआ, जिसका बाजार पूंजीकरण 1,34,445.77 करोड़ रुपये घटकर 18,08,420.81 करोड़ रुपये रह गया। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को 52,245.3 करोड़ रुपये और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को 47,415.04 करोड़ रुपये का घाटा हुआ। इसके अलावा, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, हिंदुस्तान यूनिलीवर और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने भी अपने बाजार मूल्यांकन में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की। भारती एयरटेल की जोरदार उड़ान इस नकारात्मक माहौल के बीच, दूरसंचार क्षेत्र की दिग्गज कंपनी भारती एयरटेल ने एक अपवाद के रूप में दमदार प्रदर्शन किया। कंपनी का बाजार पूंजीकरण समीक्षाधीन सप्ताह में 42,470.13 करोड़ रुपये बढ़कर 11,60,525.16 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो निवेशकों के लिए एक सकारात्मक संकेत रहा और बाजार में उसके मजबूत स्थिति को दशार्ता है। शीर्ष कंपनियों की वर्तमान स्थिति गिरावट के बावजूद रिलायंस इंडस्ट्रीज अभी भी देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है। इसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का स्थान रहा। बाजार विश्लेषकों का मानना है कि आने वाले समय में भी भू-राजनीतिक हालात और कच्चे तेल की कीमतें बाजार की चाल तय करेंगी।

कच्चे तेल और रुपए की चाल तय करेगी भारतीय शेयर बाजार की दिशा

मुंबई। अमेरिका और ईरान के बीच गहराते भू-राजनीतिक तनाव, विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली और कच्चे तेल की बेलगाम कीमतों के कारण इस सप्ताह भी भारतीय शेयर बाजार में भारी उतार-चढ़ाव बने रहने की आशंका है। बाजार विशेषज्ञों ने आगाह किया है कि महंगाई की चिंता और रुपये की कमजोरी निवेशकों की बेचैनी बढ़ाएगी, जिससे दलाल पथ पर अनिश्चितता का साया गहराएगा। पिछले सप्ताह भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96 के स्तर से नीचे गिर गया, जिसने निवेशकों की चिंता को और बढ़ा दिया है। विश्लेषकों का मानना है कि आने वाले दिनों में रुपये की चाल ही बाजार की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। बाजार के जानकारों ने बताया कि निवेशकों की नजर अमेरिका-ईरान संघर्ष और उसके वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले असर पर बनी रहेगी। उनके अनुसार, कच्चे तेल की कीमतों, महंगाई और वैश्विक जोखिम धारणा में बदलाव भारतीय बाजारों को सीधे प्रभावित करेगा। वहीं, एनरिच मनी के एक अधिकारी ने होर्मुज जलडमरूमध्य के महत्व पर जोर दिया, जो वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का एक महत्वपूर्ण मार्ग है। उन्होंने चेतावनी दी कि इस क्षेत्र में किसी भी तनाव से शेयर, मुद्रा और जिंस बाजारों पर भारी दबाव पड़ सकता है, जबकि कूटनीतिक हल से बाजार में तेजी आ सकती है।

पीएम की अपील के बाद बदला माहौल, ईरान युद्ध के बाद से भारत ने खर्च किए 38 अरब डॉलर

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद से पूरे एशिया में विदेशी मुद्रा भंडार घटने लगा है। सेंट्रल बैंक अपनी करेंसी को बचाने के लिए फंड का इस्तेमाल कर रहे हैं। इस युद्ध के कारण होर्मुज स्ट्रेट बंद हो गया है। भारत सहित प्रमुख एशियाई देशों को कच्चे तेल की सप्लाई का यह एक अहम रास्ता है। इससे तेल की कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। भारत के विदेशी मुद्रा बाजारों में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। इसका मुख्य कारण बढ़ती ऊर्जा कीमतें और पूंजी प्रवाह में कमी है। इसी को देखते हुए हाल में पीएम नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से ईंधन बचाने और सोने-चांदी की खरीद जैसे गैर-जरूरी खर्चों को टालने की अपील की है। इसके पीछे मंशा विदेशी मुद्रा भंडार को बचाने की ही है। इस अपील के बाद माहौल बदला है। मंत्रियों और नेताओं के काफिले छोटे हो गए हैं। कई बीजेपी नेता साइकिल और ट्रेन से सफर करते दिखे हैं। 28 फरवरी को ईरान युद्ध शुरू होने के बाद से भारत का विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 38 अरब डॉलर कम हो गया है। यह फरवरी में अपने अब तक के सबसे ऊंचे स्तर 728.5 अरब डॉलर से घटकर लगभग 691 अरब डॉलर पर आ गया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के हालिया आंकड़ों के अनुसार, 8 मई को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 6.295 अरब डॉलर बढ़कर 696.988 अरब डॉलर हो गया। पिछले रिपोर्टिंग सप्ताह में कुल भंडार 7.794 अरब डॉलर कम होकर 690.693 अरब डॉलर रह गया था। भारत के पास अभी भी लगभग 690 अरब डॉलर का बड़ा विदेशी मुद्रा भंडार है। हालांकि, सोने के भंडार और एसडीआर को एडजस्ट करने पर यह घटकर लगभग 560 अरब डॉलर रह जाता है।

हांड़ी दारू

संतोष महली,
ईटा, लोहरदगा।

हांसत खेलत घर दुरा
छने उजइर जायला,
जब हांड़ी दारू नसा
कर लत लाइग जायला।

छउआ - पुता तरसैना
एक मुठ्ठी दाइल भात ले,
निमको नइ जुरे उसन घरे
जर -जमीन किनवइया ताक में।

कमाइ -धमाइ सउब
बोतल में बइह जायला,
सुख -सान्ती कर जगह
कलेस से भइर जायला।

रोज लड़ाइ - झगड़ा के
समुझाते -बुझाते -सुधराते,
पंच-पराह भी थाइक जायला!
थाना पुलिस भी का करी
देइख अनसाय मटियाय
जायला!!

कम इया,बंद करू हांड़ी दारू
नसा
दिमागी संतुलन बिगइड़
जायला,
इकरे चलते रोड
एक्सीडेंट,बलात्कार
मडर जइसन घटना घइट
जायला।

हांसत खेलत घर दुरा
छने उजइर जायला,
जब हांड़ी दारू नसा
कर लत लाइग जायला।

श्री राधा-कृष्ण प्रणामी मंदिर में अन्नपूर्णा महाप्रसाद कर भेलक आयोजन

हजारों सरधालुमन भगवान श्री राधा-कृष्ण कर आसिरबाद करलयं प्राप्त

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। पुंदाग कर श्री राधा-कृष्ण प्रणामी मंदिर में अन्नपूर्णा सेवा महाप्रसाद कर आयोजन सरधा आउर उल्लास कर संगे एतवार के भेलक। कार्जकरम में हजारों सरधालुमन भाग लेइ के भगवान श्री राधा-कृष्ण कर आसिरबाद प्राप्त करलयं। मंदिर में श्री राधा रानी कर दिब्य आउर अलौकिक सिंगार आकरसक आभूसन आउर मनोहारी फूल से करल गेलक।
दूपहर 12 बजे मंदिर कर पुजारी अरविंद कुमार पांडेय पूजा-अर्चना आउर मंत्रोच्चार कर संगे महाप्रसाद कर भोग लगालयं। इकर बाद प्रकाश अग्रवाल, प्रेमलता अग्रवाल, अजय अग्रवाल कर सौजन्य से मसालेदार भेजिटेबल खिचड़ी, जलजीरा सरबत आउर सत्तू पानी कर बितरन सरधालुमन कर बीच करल गेलक। मंदिर परिसर में आवल लगभग 1500 से बेसी सरधालुमन सरधापूर्बक महाप्रसाद गरहन करलयं।
भजन संध्या कार्जकरम में ट्रस्ट कर गायक मनीष सोनी सुमधुर आउर मनमोहक भजन कर प्रस्तुति देइ के आवल सरधालुमन के भावबिभोर कइर देलयं। इकर बाद सामूहिक रूप से महाआरती कर आयोजन करल गेलक। मंदिर में बिहाने से हे भक्तमन कर तांता लागल रहे। लगभग 3 हजार से बेसी भक्त भगवान कर दरसन करलयं। कार्जकरम के सफल बनायेक में डूंगरमल अग्रवाल,राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, मनोज चौधरी, सज्जन पाड़िया, निर्मल छावनिका, शिव भगवान अग्रवाल, पूरणमल सर्राफ, सुरेश अग्रवाल, अरविंद अग्रवाल, विशाल जालान, सुनील पोद्दार, विष्णु सोनी, मनीष सोनी, पवन पोद्दार, सुरेश भगत, ज्ञान प्रकाश शर्मा, संजय सर्राफ संगे अनेक सरधालुमन कर जोगदान रहे।

भारतीय नौसेना भोपाल में नौसैनिक नौकायन केंद्र कर सुभारंभ करलक

प्रातः नागपुरी संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना भोपाल कर परसिध अपर लेक में आपन प्रमुख नौसैनिक नौकायन केंद्र कर सुभारंभ 17 मई, 2026 के करलक, इके भोजताल कर नाव से भी जानल जायेला। नौसेना परमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ई आयोजन कर उद्घाटन समारोह कर अध्यछता करलयं। ई अवसर में रछा बल आउर असैन्य परसासन कर बरिष्ठ अधिकारी, एनसीसी कैडेट्स आउर छातर-छातरामन पहुंचल रहयं। समारोह के याइदगार बनायेक ले आईएनडब्ल्यूटीसी विशाखापत्तनम कर 30 से बेसी नौसैनिक आउर नौसेना कर रोइंग, कयाकिंग आउर कैनोइंग टीममन सानदार सेल परेड प्रस्तुत करलयं। कार्जकरम कर दौरान कयाकिंग, कैनोइंग आउर रोइंग कर आकरसक परदरसन भी करल गेलक।
नौसेना करमीमन कर परसिछन आउर बिकास प्रक्रिया में जल कौसल परसिछन हमेसा से एगो अभिन्न अंग रईह हे, जे उनकर प्राथमिक कार्ज छेतर में आपसी सौहार्द, टीम भावना आउर प्रतिस्पर्धात्मक कौसल के सक्रिय रूप से प्रोत्साहित करेला। अत्याधुनिक सुबिधा से सुसज्जित ई नौकायन केंद्र भारतीय नौसेना कर नौकायन टीम, नौसेना कर रोइंग, कैनोइंग आउर कयाकिंग टीम कर संगे राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) कर परसिछन ले बयापक रूप से उपजोग करल जाई।
बर्तमान में नौसेना नौकायन टीम कर कुल 34 गो सदस्य में से 17 गो सदस्य मध्य प्रदेश से हयं। ई सुबिधा कर उद्देस राइज कर अधिकाधिक जुवामन के प्रतिस्पर्धी जल क्रीड़ा के अपनायेक ले प्रेरित करेक आउर उनके रछा बल में सामिल होवेक ले प्रोत्साहित करेक हय। ई पहल प्रधानमंत्री कर ओलंपिक आउर एशियाई खेल ले बिस्वस्तरीय खेल प्रतिभा के बढ़ावा देवेक कर दृष्टिकोन के साकार करेक कर दिसा में एगो महतपूर्न कदम आहे। संगे, ई प्रतिस्पर्धी खेल में उत्कृस्टता के बढ़ावा देवेक आउर खेल प्रतिभा कर दायरा कर बिस्तार करेक संबंधी रास्ट्रीय खेल नीति कर उद्देस कर अनुरूप भी आहे।

बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में लागलक जेल अदालत, एगो कैदी के लाभ

चिकित्सीय सिबिर लगाय के बंदीमन कर जांच भी करल गेलक

रांची। डालसा, रांची होटवार कर बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में जेल अदालत-सह-विधिक जागरुकता कार्जकरम कर आयोजन 17 मई के करलक। जेल अदालत में 14 गो बंदीमन कर आवेदन के न्यायालय कर सामने राखल गेलक। इकर में 1 गो बंदी के लाभ परदान करल गेलक। न्यायमूर्ति-सह-कार्यपालक अध्यछ, झालसा सुजीत नारायण प्रसाद कर दिसा निरदेस, झालसा कर सदस्य सचिव कुमारी रंजना अस्थाना आउर न्यायायुक्त, रांची अनिल कुमार मिश्रा-1 कर मार्गदरसन आउर डालसा सचिव ईंचार्ज कर मौजूदगी में ई कार्जकरम भेलक। सहायक एलएडीसी बीरेंद्र प्रताप मंच कर संचालन करलयं। ऊ बंदीमन के उनकर अधिकार कर प्रति जागरूक करलयं। रेलवे मजिस्ट्रेट हुवां उपस्थित बंदीमन के बाहरे निकइल के रोजी रोजगार करेक ले जागरूक करलयं। डालसा सचिव इंचार्ज बंदीमन के उनकर अधिकार कर बारे में जानकारी देलयं। आपन समस्या के एलएडीसी मेंबर्स कर सामने राखेक ले प्रोत्साहित करलयं। विधिक जागरुकता कार्जकरम कर आयोजन कइर के नालसा, झालसा द्वारा बंदीमन के देवल जायेक वाला कानूनी सुबिधा कर बारे में बिस्तार से बताल गेलक। कारा में चिकित्सीय सिबिर लगाय के बंदीमन कर जांच भी करल गेलक। ई अवसर में डालसा सचिव ईंचार्ज कुशेश्वर शंकु, रेलवे न्यायिक दंडाधिकारी विजय कुमार, काराधीछक कुमार चन्द्रशेखर, कारापाल लवकुश कुमार, एलएडीसी के सदस्य, काराकर्मी, बंदी संगे आउर अदमीमन भी पहुंचल रहयं।

हँड़िया

रामदेव बड़ाईक, रांची

हाँड़ी कहु चाहे कहु हँड़िया।
सउंसे पहिले बन-झार से कय किसिम कर जरी-बुटी के लानल जायला।
ई जरी-बुटी मनके बेस तइर धोय के सुखाल जायला तले अरवा चाउर में मेसाय के ढेंकी में कुइट के गुंड़ी बनाल जायला।
गुंड़ी के आटा सानेक तइर साइन (सवैंद) के छोट - छोट गोलिया बनाल जायला आउर उके बेस तइर सुखाल जायला। एहे गोलिया के रानुदवई कहल जायला /चाहे कहंयना।
उसना चाउर कर अधसिझा भात बनाल जायला तले ऊ भात के सेराय ले पसराय देवल जायला। ई अधसिझा भात के कोसना कहल जायला /चाहे कहंयना।

नागपुरी - लघुलेख

भात बेस तइर सेराय जायला तब रानु के गुंड़ी कइर के भात में मेसाय देवल जायला।
ई रानु दवई कर हों मातरा आहे, एक किलो चाउर कर अधसिझा भात में तीन गो तइर रानु कर गुंड़ी देवल जायला।
रानु दवई के भात में बेस तइर मेसाल पाछे सफा - सुथरा डेगची चाहे माटी कर हंडी में तनि एकन पानी देई के राइख देवल जायला।
तीन - चाइर दिन में अधसिझा भात सिझ के गुरुवा - आमत बरन धमधमाय लागेला आउर उकर में रस फुटे लागेला। बुझु हँड़िया बइन के तइयार आहे।
ईकेहें बेस सफा - सुथरा डेगची में अजराय के आउर उकर में पानी मेसाय के डेगची के हिलाय - डोलाय के तब तक भिनाल जायला जब तक पानी कर रंग उजर ना होय जाय।

हँड़िया जब बेस तइर भिन (पानी में मेइस) जायला तो पानी सुंदर चरक दिसे लागेला, समझू हँड़िया भिन गेलक हे। एहे चरका पानी के हँड़िया कहल जायला।
हामरेकर झारखंड राइज में, बिसेस कइर के आदिवासी समाज कर ई हँड़िया से अटुट संबंध आहे। आदिवासी समाज परब-तेवहार, रोपनी - बवनी, कटनी - मिसनी आउर खेती - बारी कर काम में, आउर सांझ बेरा अखरा में निरित - संगीत कर पहिले हँड़िया कर सेवन के सुभ मानयना।
मजदूर किसान मन तो दिन भइर कर थाकल भेदाल के दूर करेक ले हों, हँड़िया कर सेवन दवई रुपे करंयना। मुदा आइज - काइल हाँड़ी पीयेक आउर बेचेक ले मना आहे।
का ले कि एक दोना ले बगरा हँड़िया नी पीयेक चाही मुदा अदमी जन नी मानयँना आउर बगरे पी जाएंना।
एक दोना हँड़िया पीयल पाछे उमन मैना लखे गावेक लागँयना, दुइ दोना पीयल पाछे पठरू नियर डेगेक लागँयना तले तीन दोना पीयल पाछे तो बाघ तइर गरजेक लागैंना आउर चाइर दोना पीयल पाछे तो समझू.., सुवइर तइर कोनोय ज सुतेक लागँयना।

जोहाइर।

जग जननी सृष्टि माता

– डॉ.लक्ष्मीकांत नारायण
बड़ाईक, तपकरा।

जग जननी सृष्टि माता,
राऊरे हामर मन में,
सारा जहान में,
जग जननी सृष्टि माता...।। ध्रु।।

केतना दुःख सही,
मोके तो रचली,
कोरा में नींद परे,
चिपकी राऊर तन में,
जग जननी सृष्टि माता....।। 1।।

हृदये राऊर मुक्त माया,
सउब ठने राऊर छाया,
सुख दुखक सोच नहीं,
राऊरे चरण में,
जग जननी सृष्टि माता....।। 2।।

बोली में अमरीत धारा,
बनाली नयना कर तारा,
अंगरी धईर चले मोके,
सिखाली आंगन में,
जग जननी सृष्टि माता...।। 3।।

कठिने मोर जीनगानी,
आशीष देऊ ए जननी,
आस करी *नारायण*

मुद्रक व प्रकाशक नीलम सिंह द्वारा झारखंड वनिता उद्योग एसएचजी के लिए श्याम नगर, गांधी नगर सीसीएल कॉलोनी डीएवी गांधी नगर स्कूल के पीछे, थाना गोंदा, जिला-रांची, राज्य झारखंड-834008 से प्रकाशित एवं शिवा साईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड रातू, काठीटांड़ टेंडर बगीचा के नजदीक, एचपी पेट्रोल पंप, पोस्ट व थाना रातू, रांची, झारखंड-835222 में स्थित प्रिंटिंग प्रेस में मुद्रित। आरएनआई पंजीयन संख्या. **JHABIL/2023/86791**, **संपादक** : नीलम सिंह,
प्रबंध संपादक : रतनलाल अग्रवाल, **एग्जीक्यूटिव एडिटर :** शिव कुमार सिंह, **स्टेट ब्यूरो हेड :** कुमार राजेश। **फोन नंबर :** 8210640230, 9934166306, **ई-मेल आईडी :** jharkhandwanitaudyog@gmail.com